THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 180 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.4 2082 गुरुवार, 25 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पहलगाम हमले के आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के आतंकियों का मददगार पकड़ा गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार शाम को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम यूसुफ कटारी है। 26 साल का आरोपी कुलगाम का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि आरोपी यूसुफ ने हमले को अंजाम देने वाले द रेसिस्टेंस फ्रंट के आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराया था। उसे गिरफ्तार करने के बाद 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया है। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि आरोपी कटारी स्थानीय बच्चों को पढ़ाता था। कुछ दिन पहले वह आतंकियों के संपर्क में आया और फिर उनकी मदद करने लगा। पुलिस को कटारी के बारे में सुराग ऑपरेशन महादेव में बरामद हथियारों की जांच के दौरान मिला।

लद्दाख हिंसा-4 की मौत

लेह, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 72 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। भाजपा ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। उधर, प्रशासन ने लेह में बिना अनुमति रैली, प्रदर्शन पर बैन लगा दिया है। ये छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने आज बंद बुलाया था। इसी दौरान हिंसा हुई।

पाँच राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर की खाली पड़ी चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव का एलान कर दिया है। आयोग ने इससे जुड़ी जानकारी साझा करते हुए कहा कि चारों सीटों पर मतदान और मतगणना 24 अक्तूबर को ही पूरी कर ली जाएगी। जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब की एक खाली पड़ी राज्यसभा सीट पर चुनाव होगा। यह सीट इसी साल जुलाई में सांसद संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने-हटाने का प्रोसेस बदला

राहुल बोले-जब चोरी पकड़ी गई तो ताला लगाया

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। वोटर लिस्ट से नाम हटाने-जोड़ने के लिए अब आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इसके लिए चुनाव आयोग (ईसी) ने अपने पोर्टल और ऐप पर एक नया 'ई-साइन' फीचर शुरू किया है। यह दावा अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक, 23 सितंबर से पहले आधार वेरिफिकेशन जरूरी नहीं था। राहुल ने इस रिपोर्ट को शेयर करते हुए लिखा-ज्ञानेश जी, हमने चोरी पकड़ी तब आपको ताला लगाना याद आया। अब चोरों को भी पकड़ेंगे। तो बताइए, सीआईडी को सबूत कब दे रहे हैं आप।

असाधारण
भाग-II - खंड 3 - उप-खंड (ii)
रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)
अधिसूचना
सिकंदराबाद, 28 अगस्त 2025

PUB/1184

का.आ. 3958(ई).- केंद्र सरकार ने रेलवे अधिनियम, 1989 (1989 का 24), की धारा 20ए की उप-धारा (1) के अंतर्गत जारी तथा भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), दिनांक 03.12.2024 (इसके पश्चात उक्त अधिसूचना के रूप में संदर्भित) को प्रकाशित भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) में संख्यांक का.आ. सं.5131(ई), दिनांक 28.11.2024 की अधिसूचना द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को तेलंगाना राज्य के खम्मम जिले में विशेष रेलवे परियोजना, "डोर्नकल और भद्राचलम रोड स्टेशनों के बीच रेलपथ दोहरीकरण" हेतु अर्जित करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और, उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 20ए की उप-धारा (4) के अंतर्गत दैनिक समाचारपत्रों, "द हिंदू", "द न्यू इंडियन एक्सप्रेस" और "मन तेलंगाना" में 10 दिसंबर, 2024 को सुनील कुमार वर्मा, मुख्य इंजीनियर, निर्माण-IV, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के अनुमोदन से प्रकाशित किया गया था;

और, विशेष उप कलक्टर (भूमि अधिग्रहण), आईपीटी एवं रेलवे और सक्षम प्राधिकारी, खम्मम, को तेलंगाना राज्य के खम्मम जिले के सिंगरेनी मंडल के कोमट्लागूडेम, माणिक्यारम, रेलकायलपल्ली, सिंगरेनी, गेट कारेपल्ली, कमलापुरम गांव के लिए आपत्तियां प्राप्त हुई तथा उनपर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचारोपरांत तदनुसार आदेश पारित किए गए हैं;

और, उक्त अधिनियम की धारा 20(ई) की उप-धारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को प्रस्तुत कर दी है;

अतः अब केंद्र सरकार, सक्षम प्राधिकारी से रिपोर्ट के प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20(ई) की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी;

और यह कि केंद्र सरकार उक्त अधिनियम की धारा 20ई की उप-धारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि आधिकारिक राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने पर इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विलंगमों से मुक्त होकर केंद्र सरकार में आत्यांकित रूप से निहित हो जाएगी.

अनुसूची

अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का विवरण : यात्री और माल सुविधा के लिए खम्मम जिला क्षेत्राधिकार के खम्मम मंडल के सीमा के भीतर डोर्नकल जंक्शन और भद्राचलम रोड स्टेशनों के बीच रेलपथ दोहरीकरण. इस रेलवे परियोजना में अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का किसी संरचनाओं सहित या उनके रहित संक्षिप्त विवरण.

गांव : कोमट्लागूडेम				मंडल : सिंगरेनी			जिला :: खम्मम	
क्रम सं.	एसडीआर के अनुसार सर्वेक्षण सं.	भू भारती के अनुसार सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण किया जाने वाला क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	पट्टेदार एवं एंजॉयर का नाम	क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	संरचनाएं / पेड़ आदि, यदि कोई हो तो
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	15/3/2	18/ए	0.01	पट्टा	शुष्क	आगम चंद्रशेखर सुपुत्र वेंकटप्पय्या (पी और ई)	0.01	कुआं-1, नीम का पेड़, फेंसिंग
2	18/1/2	18/ए	0.06 ¼	पट्टा	शुष्क	आगम चंद्रशेखर सुपुत्र वेंकटप्पय्या (पी और ई)	0.03 ¼	यूकलिप्टस
3		18/7/1		पट्टा	शुष्क	कल्ति सरोजिनी पत्नी नरसय्या (पी और ई)	0.03	धान की फसल, ताड़ के पेड़-2, बबूल -1
4	16/2/2	18/7/1	0.06	पट्टा	शुष्क	कल्ति सरोजिनी पत्नी नरसय्या (पी और ई)	0.01	धान की फसल
5		14/8		पट्टा	शुष्क	कल्ति सूरय्या सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.02	कपास की फसल
6		14/4		पट्टा	शुष्क	कल्ति सीतारमुलु सुपुत्र अच्चय्या (पी) पेनका रेवती पत्नी बृंदम (ई)	0.01	कपास की फसल, नीम के पेड़-2
7		-		पट्टा	शुष्क	कल्ति पेद्दा बुच्चय्या (पी) कल्ति पेद्दा नरसय्या सुपुत्र पेद्दा बुच्चय्या (ई)	0.02	कपास की फसल
8	15/2/2	-	0.02	पट्टा	शुष्क	कल्ति पेद्दा बुच्चय्या (पी) कल्ति पेद्दा नरसय्या सुपुत्र पेद्दा बुच्चय्या (ई)	0.02	कपास की फसल
9	14/1/2	-	0.04	पट्टा	शुष्क	कल्ति पेद्दा बुच्चय्या (पी) कल्ति पेद्दा नरसय्या सुपुत्र पेद्दा बुच्चय्या (ई)	0.00 ¼	कपास की फसल
10		14/8		पट्टा	शुष्क	कल्ति सूरय्या सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.02 ½	कपास की फसल
11		-		पट्टा	शुष्क	कल्ति कृष्णा सुपुत्र पुल्लय्या (पी और ई)	0.00 ½	कपास की फसल
12		14/6		पट्टा	शुष्क	कल्ति भद्रय्या सुपुत्र बुच्चय्या (पी और ई)	0.00 ¼	कपास की फसल
13		-		पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी श्रीरामरेड्डी (पी) कल्ति पेद्दा करुणा पत्नी रमेश (ई)	0.00 ¼	कपास की फसल, नीम का पेड़-1, ताड़ का पेड़-1
14		14/4		पट्टा	शुष्क	कल्ति सीतारामुलु सुपुत्र अच्चय्या (पी और ई)	0.00 ¼	कपास की फसल
15	13/1/2	-	0.02	सरकारी भूमि	शुष्क	रेलवे भूमि	0.01	कुछ नहीं
16		-		सरकारी भूमि	शुष्क	झाडियां	0.01	कुछ नहीं
17	496/1/2	497/3	0.07 ¾	पट्टा	शुष्क	मोकाल्ला उदय किरण सुपुत्र बुच्चि रामुलु (पी और ई)	0.06 ½	कपास की फसल, नीम के पेड़-1, फेंसिंग
18		-		पट्टा	शुष्क	गुगुलोत राम सिंह (पी) गुगुलोत राजु कुमार सुपुत्र राम सिंह (ई)	0.01 ¼	कपास की फसल
19	498/1/2	498/2/1/1	0.07	पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु श्रीनु सुपुत्र लची राम (पी और ई)	0.01 ¾	कपास की फसल
20		-		पट्टा	शुष्क	गुगुलोत राम सिंह (पी) गुगुलोत राजु कुमार सुपुत्र राम सिंह (ई)	0.05	कपास की फसल
21		500/1/1/1/ 2		पट्टा	शुष्क	धरावत शांति पत्नी धर्मा (पी और ई)	0.00 ¼	धान की फसल
22	501/1/2	500/1/1/1/ 2	0.06	पट्टा	शुष्क	धरावत शांति पत्नी धर्मा (पी और ई)	0.01 ¼	धान की फसल
23		-		पट्टा	शुष्क	नेडुरुरी वीरा राघवलु (पी) बानोत देवा सुपुत्र मान सिंह (ई)	0.00 ½	धान की फसल
24		-		पट्टा	शुष्क	नेडुरुरी वीरा राघवलु (पी) बानोतु बिक्कु सुपुत्र भीम सिंह (ई)	0.04	धान की फसल
25		-		पट्टा	शुष्क	नेडुरुरी वीरा राघवलु (पी) मूति पगडय्या सुपुत्र पुल्लय्या (ई)	0.00 ¼	धान की फसल
26	500/2/2	-	0.10	पट्टा	शुष्क	नेडुरुरी वीरा राघवलु सुपुत्र पुल्लय्या (पी) मूति पगडय्या सुपुत्र पुल्लय्या (ई)	0.04	धान की फसल
27		-		पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु ईर्या सुपुत्र धर्मा (पी) जर्पुला देवी पत्नी अमरसिंह (ई)	0.05 ½	कपास की फसल
28		500/1/1/1/1/1/2		पट्टा	शुष्क	मालोत शोभन सुपुत्र भाव सिंह (पी और ई)	0.00 ½	कपास की फसल
29	491/1/2	500/1/1/1/1/1/2	0.04	पट्टा	शुष्क	मालोत शोभन सुपुत्र भाव सिंह (पी और ई)	0.01 ½	कपास की फसल
30		476/एए/2		पट्टा	शुष्क	मालोत जगन सुपुत्र बड़्या (पी और ई)	0.01 ½	कपास की फसल
31		479/ए1/1/2		पट्टा	शुष्क	मालोत किरण सिंह सुपुत्र बड़्या (पी और ई)	0.01	कपास की फसल
32	489/1/2	479/ए1/1/2	0.07	पट्टा	शुष्क	मालोत किरण सिंह सुपुत्र बड़्या (पी और ई)	0.00 ½	कपास की फसल
33				पट्टा	शुष्क	नेडुनूरी वीरा राघवुलु (पी) बानोतु मोहन सुपुत्र मंग्या (ई)	0.03	कपास की फसल
34		478/एए/1/2/1		पट्टा	शुष्क	हटकर कमसेली पत्नी भीमुडु (पी और ई)	0.03 ½	कपास की फसल, नीम का पेड़
35	488/1/2	477/एए/2	0.04 ½	पट्टा	शुष्क	जर्पुला प्रसाद सुपुत्र लाल सिंह (पी और ई)	0.01 ½	कपास की फसल
36		488/एए/1/2/1/1		पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु रमेश सुपुत्र चिन्नू (पी और ई)	0.03	अमरूद का बगीचा
37	487/2/2	488/एए/1/2/1/1	0.00 ¼	पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु रमेश सुपुत्र चिन्नू (पी और ई)	0.00 ¼	अमरूद का बगीचा
38	484/1/2	488/एए/1/2/1/1	0.02 ¼	पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु रमेश सुपुत्र चिन्नू (पी और ई)	0.01	अमरूद का बगीचा
39		483/8		पट्टा	शुष्क	बानोत सरोजा पत्नी किरण सिंह (पी और ई)	0.01 ¼	कपास की फसल
40	483/1/2	483/6/2	0.03	पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु रवि सुपुत्र सकु (पी और ई)	0.01 ¼	कपास की फसल
41		129/I/9/1/2		पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु बालाजी सुपुत्र पर्श्या (पी और ई)	0.01	कपास की फसल
42		493/6		पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु मानसिंह सुपुत्र लाल सिंह (पी और ई)	0.00 ¾	कपास की फसल
43	67/1/3	67/10/1/2	1.04	लावुणी पट्टा	शुष्क	मेकला गोविंद सुपुत्र स्वामी (पी और ई)	0.01	यूकलिप्टस
44		67/57		लावुणी पट्टा	आर्द्र	कल्ति सामक्का पत्नी भद्रय्या (पी और ई)	0.07	धान की फसल
45		67/के1/1/2/1		लावुणी पट्टा	आर्द्र	जब्बा चिन्ना लक्ष्मय्या सुपुत्र अप्पय्या (पी और ई)	0.04 ½	धान की फसल
46		आरओएफआर पट्टा		लावुणी पट्टा	आर्द्र	भूक्या राम बाबू सुपुत्र सकु (पी और ई)	0.07	धान की फसल
47		67/2-1		लावुणी पट्टा	शुष्क	ताटि नागुलु (पी) ताटि वीरम्मा पत्नी नागय्या @ नागुलु (ई)	0.03	कपास की फसल, कुआं-1, नीम के पेड़-2
48				लावुणी पट्टा	आर्द्र	कल्ति मुसलय्या (पी) कल्ति मंगम्मा पत्नी सत्यनारायणा (ई)	0.02 ½	धान की फसल
49		67/ईई4		लावुणी पट्टा	आर्द्र	कुंजा भद्रय्या सुपुत्र चिन्ना अब्बय्या (पी और ई)	0.02	धान की फसल
50		67/के1/1/2/3		लावुणी पट्टा	आर्द्र	जब्बा ईश्वरम्मा पत्नी रंगय्या (पी और ई)	0.02	धान की फसल
51		67/102		लावुणी पट्टा	आर्द्र	जब्बा सरस्वती पत्नी श्रीनु (पी और ई)	0.02	धान की फसल
52		आरओएफआर पट्टा		लावुणी पट्टा	आर्द्र	ईसाला सतीश सुपुत्र लक्ष्मी नारायणा (पी और ई)	0.04 ½	कपास की फसल, कुआं-1, ताड़ के पेड़-2
53		67/के/31/2		लावुणी पट्टा	आर्द्र	ईसाला कनकय्या सुपुत्र राजय्या (पी और ई)	0.05	धान की फसल, कुआं-1, ताड़ के पेड़-2
54		67/7/3		लावुणी पट्टा	आर्द्र	एल्लाबोइना लक्ष्मी पत्नी लक्ष्मीनारायणा (पी और ई)	0.02	धान की फसल,
55		67/10/1/2		लावुणी पट्टा	शुष्क	मेकला गोविंद सुपुत्र स्वामी (पी और ई)	0.01 ½	यूकलिप्टस, नीम के पेड़-4
56	62/1/2	-	0.05	पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी श्रीराम रेड्डी (पी) मद्दैबोइना उपेंदर सुपुत्र तिरुपय्या (ई)	0.02	सुबाबुल फेंसिंग के खंभे-20 पाइप लाइन
57		-		पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी श्रीराम रेड्डी (पी) नन्नेबोइना नारायणा सुपुत्र बिक्षमय्या (ई)	0.01 ½	सुबाबुल फेंसिंग के खंभे-15
58		62/1ए		पट्टा	शुष्क	मार्ला वेंकट रेड्डी सुपुत्र वेंकटरामय्या (पी और ई)	0.01 ½	सुबाबुल फेंसिंग के खंभे -15, नीम के पेड़-4, ताड़ के पेड़ -5
59	64/1/2	63एए	0.14 ½	पट्टा	शुष्क	मार्ला वेंकट रेड्डी सुपुत्र वेंकटरामय्या (पी और ई)	0.05 ¾	सुबाबुल नीम के पेड़ -7 कुआं-1 फेंसिंग-40, ताड़ के पेड़-7, पाइप लाइन
60		64/1		पट्टा	शुष्क	मद्दैबोइना सीतम्मा पत्नी तिरुपय्या (पी और ई)	0.01 ¾	कुआं-1 बबूल का पेड़ -1 पाइप लाइन
61		64/3		पट्टा	शुष्क	नन्नेबोइना श्रीनु सुपुत्र नरसय्या (पी) गंगुला सत्य नारायणा सुपुत्र गोपय्या (ई)	0.02 ½	कुआं-1 धान की फसल
62		64/2		पट्टा	शुष्क	नन्नेबोइना गुरुवय्या सुपुत्र नरसय्या (पी और ई)	0.01 ¾	नीम के पेड़-2
63		64/3		पट्टा	शुष्क	नन्नेबोइना श्रीनु सुपुत्र नरसय्या (पी और ई)	0.02 ¾	नीम के पेड़-2
64	71/1/2	64/1/2/1	0.02 ½	पट्टा	शुष्क	पार्शिका एर्रय्या सुपुत्र सम्मय्या (पी और ई)	0.02 ½	कुआं-1 धान की फसल
65	71/1/3	64/1/2/2	0.00 ¾	पट्टा	शुष्क	पार्शिका लक्ष्मय्या सुपुत्र सम्मय्या (पी और ई)	0.00 ¾	धान की फसल
66	97/8/2		0.07	पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी जगन्नाथरेड्डी (पी) सोआनाबोइना वीरा लक्ष्मी पत्नी वेंकटेश्वर्लु (ई)	0.00 ½	धान की फसल
67				पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी जगन्नाथरेड्डी (पी) नन्नेबोइना रामापंडु सुपुत्र नागभूषणम (ई)	0.03	धान की फसल, कुआं-1
68		67/125		पट्टा	शुष्क	गलिगा वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र रामा स्वामी (पी और ई)	0.01 ½	कपास की फसल
69		-		पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी श्रीरामरेड्डी (पी) गलिगा रामा कृष्णा सुपुत्र कोटय्या (ई) और गलिगा राकेश सुपुत्र कोटय्या (ई)	0.01 0.01	कुआं-1, नीम के पेड़ -10
70	97/9/2	-	0.04	पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी श्रीरामरेड्डी (पी) गलिगा रामा कृष्णा सुपुत्र कोटय्या और गलिगा राकेश सुपुत्र कोटय्या (ई)	0.01 ¼	कपास की फसल
71				पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी जगन्नाथरेड्डी (पी) पेद्दाबोइना रामुलु सुपुत्र गंगय्या (ई)	0.02 ¾	यूकलिप्टस फेंसिंग, नीम के पेड़-10
72	97/9/3		0.03 ¼	पट्टा	शुष्क	मद्दैबोइना पुन्नम्मा पत्नी लिंगय्या (ई)	0.00 ½	फेंसिंग नीम के पेड़-3, करंज के पेड़-2, धान की फसल, कुआं-1, पाइप लाइन
73		97/ई7/1		पट्टा	शुष्क	दाचेपल्ली श्रीनिवास रेड्डी सुपुत्र सत्ति रेड्डी (पी और ई)	0.02	यूकलिप्टस फेंसिंग, नीम पेड़-5, सुबाबुल, सागौन के पेड़-2, बोर-1, पाइप लाइन
74		67/यू		पट्टा	शुष्क	भूक्या सुनीता पत्नी सतु (पी) और (ई)	0.00 ¾	मिर्च का बागान फेंसिंग, नीम के पेड़
75	67/28/2	67/यू	0.05 ½	लावुणी पट्टा	शुष्क	भूक्या सुनीता पत्नी सतु (पी) और (ई)	0.05 ½	मिर्च का बागान फेंसिंग, नीम के पेड़
76	67/29/2	67/यू	0.02 ¼	लावुणी पट्टा	शुष्क	भूक्या सुनीता पत्नी सतु (पी) और (ई)	0.02 ¼	मिर्च का बागान फेंसिंग, नीम के पेड़, सागौन के पेड़
77	67/1/2	67/यू	0.19	लावुणी पट्टा	शुष्क	भूक्या सुनीता पत्नी सतु (पी) और (ई)	0.02	मिर्च का बागान फेंसिंग, नीम के पेड़, सागौन के पेड़
78		-		लावुणी पट्टा	शुष्क	जन्नारेड्डी श्रीरामरेड्डी (पी) पंडगा शशिरेखा पत्नी वेंकटेश्वर्लु (ई)	0.06	कपास की फसल, नीम के पेड़-5, पाइप लाइन
79		67/एए2/2		लावुणी पट्टा	शुष्क	मेकल लिंगय्या सुपुत्र गोविंदु (पी और ई)	0.09	कपास की फसल, नीम के पेड़-04, जामैल के पेड़
80		-		लावुणी पट्टा	शुष्क	भूक्या युगेंदर सुपुत्र जमला (पी और ई)	0.02	कपास की फसल
कुल क्षेत्र (एकड़ - गुंटा में)							4.20 ¾	

गांव :: मानिक्यारम				मंडल :: सिंगरेनी			जिला :: खम्मम	
क्रम सं.	एसडीआर के अनुसार सर्वेक्षण सं.	भू भारती के अनुसार सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण किया जाने वाला क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	पट्टेदार एवं एंजॉयर का नाम	क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	संरचनाएं / पेड़ आदि, यदि कोई हो तो
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	70/2	-	0.10	पट्टा	शुष्क	पार्सा जगन्नाथ राव (पी) दूड़ा पेद्दा रामुलु सुपुत्र पोसालु (ई)	0.05	कपास की फसल
2	70/2			पट्टा	शुष्क	शेख अब्दुल रहमान सुपुत्र नबी (पी) कंपटि लक्ष्मय्या सुपुत्र मुत्तय्या (ई)	0.05	कपास की फसल, मिर्ची का बगान, फेंसिंग
3	70/3		0.07	पट्टा	शुष्क	पार्सा जगन्नाथ राव (पी) ताटि नागम्मा पत्नी अच्चय्या (ई)	0.05	कपास की फसल
4		70/रा/1/2				वांकुडोतु भद्रु सुपुत्र हरि सिंह(पी और ई)	0.02	लकड़ी की फेंसिंग
5	70/5	-	0.00 ½	पट्टा	शुष्क	शेख अब्दुल रहमान सुपुत्र नबी (पी) मुत्तरपु वेंकय्या सुपुत्र वेंकटप्पय्या (ई)	0.00 ½	(चर्च)
6	70/4	70/रा/1/1	0.05	पट्टा	शुष्क	वांकुडोतु बाबू राव सुपुत्र रामुलु (पी और ई)	0.02	कपास एकड़ 0.01गुंटा मिर्ची एकड़ 0.01गुंटा, लकड़ी की फेंसिंग
7		आरओएफआर पट्टा		महासुरा	शुष्क	अज़मीरा तारा चंदु सुपुत्र नारायणा (पी और ई)	0.03	कपास - एकड़ 0.01गुंटा मिर्ची - एकड़ 0.02 गुंटा, लकड़ी की फेंसिंग
8	70/44/2	-	0.06	पट्टा	शुष्क	शेख अब्दुल रहमान सुपुत्र नबी (पी) भूक्या ईर्या (ई)	0.00½	कुछ नहीं
9		70/टी1/1		पट्टा	शुष्क	वांकुडोतु लक्ष्मण सुपुत्र हरि सिंह (पी और ई)	0.01 ¾	कपास, मिर्च का बगान
10		70/टी2		पट्टा	शुष्क	वांकुडोतु रामदास सुपुत्र हरि सिंह (पी और ई)	0.01 ¾	कपास, मिर्च का बगान लकड़ी की फेंसिंग
11		70/रा/1/1		पट्टा	शुष्क	वांकुडोतु बाबू राव सुपुत्र रामुलु (पी और ई)	0.02	कपास, मिर्च का बगान लकड़ी की फेंसिंग
कुल क्षेत्र (एकड़ - गुंटा में)							0.28 ½	

गांव : रेलकायलपल्ली				मंडल : सिंगरेनी			जिला :: खम्मम	
क्रम सं.	एसडीआर के अनुसार सर्वेक्षण सं.	भू भारती के अनुसार सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण किया जाने वाला क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	पट्टेदार एवं एंजॉयर का नाम	क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	संरचनाएं / पेड़ आदि, यदि कोई हो तो
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	107/1/2	107/ष	0.13	लावुणी पट्टा	शुष्क	बानोत सुजाता पत्नी तारा (पी और ई)	0.02 ½	बोर-1
2		107/7/1		लावुणी पट्टा	शुष्क	बानोत ताराचंद सुपुत्र लालु (पी और ई)	0.02 ½	नीम का पेड़ -1
3		107/व/1		लावुणी पट्टा	शुष्क	बानोत गांधी सुपुत्र बिक्कु (पी और ई)	0.03	नीम के पेड़-6
4		107/20/3/1		लावुणी पट्टा	शुष्क	अज़मीरा लक्ष्मा सुपुत्र देश्या (पी और ई)	0.02	नीम के पेड़-2, बबूल का पेड़ -1
5		-		लावुणी पट्टा	शुष्क	येरीपोतु कन्नय्या सुपुत्र सूरय्या (पी) अज़मीरा बिक्ष्म सुपुत्र लक्ष्मा (ई)	0.03	बबूल का पेड़ - 1 नीम का पेड़ - 1
6	107/1/3	-	0.09	लावुणी पट्टा	शुष्क	हनुमान मंदिर	0.02 ½	मंदिर
7		-		लावुणी पट्टा	शुष्क	विनोदाराव वेंकट अप्पय्या (पी) अज़मीरा जैतराम सुपुत्र रामुलु (ई)	0.02	कुछ नहीं
8		107/क/6		लावुणी पट्टा	शुष्क	बानोत कांति सुपुत्र बिक्कु (पी और ई)	0.02	नीम का पेड़-1
9		107/2एए		लावुणी पट्टा	शुष्क	पूनम तिरुपतय्या सुपुत्र पापय्या (पी और ई)	0.02 ½	नीम का पेड़ -1 सागौन का पेड़ - 1
10	134/1/2	आरओएफआर पट्टा	1.23	सरकारी (महासुरा)	शुष्क	मालोत नरेंदर सुपुत्र भाव सिंह (पी और ई)	0.06	कपास, नीम के पेड़-02
11	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	मालोत नरेंदर सुपुत्र बाल सिंह (पी और ई)	0.07 ¼	कपास, नीम के पेड़-03, नारा नीम का पेड़-1
12	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	बोडा रमेश सुपुत्र हरसिंह (पी और ई)	0.04	कपास
13	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	धरावत शंकर सुपुत्र खीम्या (पी और ई)	0.07 ¼	कपास
14	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	भूज्या रत्नी सुपुत्र लच्चु (पी) और (ई)	0.03 ¾	कपास
15	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	भूक्या सालि सुपुत्र हुसैन (पी और ई)	0.03	कपास
16	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	बानोत लालु सुपुत्र भीमा(पी और ई)	0.01	कपास
17	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	धरावत पार्वती सुपुत्री शंकर (पी और ई)	0.01	कपास
18	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत नागमणी सुपुत्र स्वामी नायक (पी और ई)	0.01 ½	कपास
19	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	धरावत माजि पत्नी सकु (पी और ई)	0.01 ½	मिर्च का बगान
20	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	धरावत शंकर सुपुत्र सकु (पी और ई)	0.01 ½	कपास, पाइप लाइन
21	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत ललीता पत्नी बालसिंह (पी और ई)	0.04 ½	कपास
22	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	धरावत बालाजी सुपुत्र सोमला (पी और ई)	0.02	कुआं -1, मिर्च का बगान - 0.01 गुंटा
23	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत रवि सुपुत्र किशन (पी और ई)	0.01	मिर्च का बगान

(Contd... Page 2)

24	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	भूक्या वीरन्ना सुपुत्र बाल्या (पी और ई)	0.03	कपास, नीम के पेड़-2, पाइप लाइन
25	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत देवेंदर सुपुत्र ईर्या (पी और ई)	0.01	कपास
26	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत ईर्या सुपुत्र कस्ना (पी और ई)	0.02	कपास
27	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत उपेंद्रा पत्नी भद्दु (पी और ई)	0.02	कपास
28	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत भीमुड्डु सुपुत्र सीर्या (पी और ई)	0.01	कपास
29	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	तेजावत बालु सुपुत्र हरिया (पी और ई)	0.00 ½	मिर्च का बगान
30	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	गुगुलोत मोहन सुपुत्र मोतीलाल (पी और ई)	0.01	मिर्च का बगान
31	134/1/2	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	भूक्या श्रीनु सुपुत्र केवुल्या (पी और ई)	0.01 ¼	कपास
32	134/1/2	-		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	वन बोडु	0.01	कुछ नहीं
33	134/1/2	-		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	वन बोडु	0.01	कुछ नहीं
34	134/1/2	-		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	वन बोडु	0.01 ½	कुछ नहीं
35	134/1/2	-		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	वन बोडु	0.01	कुछ नहीं
36	134/1/2	-		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	वन बोडु	0.01	कुछ नहीं
37	134/1/3	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	भूक्या पार्वती पत्नी हीरालाल (पी और ई)	0.02 ¼	मिर्च का बगान, नीम का पेड़-1
38	134/1/3	आरओएफआर पट्टा	0.10	सरकारी (महासुरा)	शुष्क	बानोत सकु सुपुत्र रामुलु (पी और ई)	0.02 ¼	कपास
39	134/1/3	107 /घ/1/8/3		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	मद्देला भारतम्मा पत्नी सत्यनारायणा (पी और ई)	0.03 ½	कपास
40	134/1/3	107 /घ/1/8/4		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	मद्देला वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र सोमय्या (पी और ई)	0.02	धान की फसल
41	134/1/4	107/आरयू/1/1	0.11	सरकारी (महासुरा)	शुष्क	अजमीरा राम बाबु सुपुत्र हर्दु (पी और ई)	0.06	कपास
42	134/1/4	आरओएफआर पट्टा		सरकारी (महासुरा)	शुष्क	भूक्या तुलिस्या सुपुत्र भद्या (पी और ई)	0.05	मिर्च का बगान
43	134/1/5	-	0.14	सरकारी भूमि	शुष्क	रेलवे भूमि	0.14	कुछ नहीं
44	134/1/6	आरओएफआर पट्टा	0.02	सरकारी (महासुरा)	शुष्क	कोर्रा वीरभद्रम सुपुत्र लक्ष्मा (पी और ई)	0.02	मिर्च और फेंसिंग
कुल क्षेत्र (एकड़ - गुंटा में)							3.02	

गांव :: सिंगरेनी				मंडल :: सिंगरेनी			जिला :: खम्मम	
क्रम सं.	एसडीआर के अनुसार सर्वेक्षण सं.	भू भारती के अनुसार सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण किया जाने वाला क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	पट्टेदार एवं एंजॉयर का नाम	क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	संरचनाएं / पेड़ आदि, यदि कोई हो तो
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	338/1/2	338/ई1/1	0.15	पट्टा	शुष्क	मनियार अन्नपूर्णा पत्नी मोहनलाल (पी और ई)	0.10	कपास
2		337/एए2		पट्टा	शुष्क	ताल्लूरि चंद्रकला पत्नी नारायणा (पी और ई)	0.05	धान की फसल
3	337/2	337/एए2	0.03	पट्टा	आर्द्र	ताल्लूरि चंद्रकला पत्नी नारायणा (पी और ई)	0.03	धान की फसल
4	336/2	336/ए/1	0.02 ¼	पट्टा	आर्द्र	रावबंटि उपेंदर राजु सुपुत्र लक्ष्मय्या (पी और ई)	0.02 ¼	धान की फसल
5	335/3	335/1/1/3		इनाम पट्टा	आर्द्र	भीमवरपु सूर्यप्रकाश राव सुपुत्र कोंडय्या (पी और ई)	0.03	धान की फसल
6	335/2	335/1/2/1/1		इनाम पट्टा	आर्द्र	आदेर्ला देवकरुणा पत्नी शंकर राव (पी और ई)	0.01 ½	-
7	335/3, 335/2	-	0.08 ½	इनाम पट्टा	आर्द्र	आदेर्ला चिन्न वेंकटय्या सुपुत्र यैरी लच्चय्या (पी), आदर्ला वेंकटम्मा पत्नी चिन्ना वेंकय्या (ई) (विवादित)	0.03	धान (विवादित)
8	335/2	335/1/2/1/2, 335/1/2/1/1		इनाम पट्टा	आर्द्र	भीमावरपु स्वरूप रानी पत्नी वेणुगोपाल राव (पी और ई), भीमावरपु अरुण कुमारी पत्नी पूर्ण चंदर राव (पी और ई)	0.01	धान की फसल
9	330/2 330/3	335/1/2/1/2, 335/1/2/1/1	0.11	इनाम पट्टा	आर्द्र	भीमावरपु स्वरूप रानी पत्नी वेणुगोपाल राव (पी और ई), भीमावरपु अरुण कुमारी पत्नी पूर्ण चंदर राव (पी और ई)	0.03 ½	धान की फसल
10		330/1/1/1/3		इनाम पट्टा	आर्द्र	भीमवरपु सूर्यप्रकाश राव सुपुत्र कोंडय्या (पी और ई)	0.07 ½	धान की फसल
11		330/1/1/1/3		पट्टा	आर्द्र	भीमवरपु सूर्यप्रकाश राव सुपुत्र कोंडय्या (पी और ई)	0.00 ¼	धान की फसल
12	329/4/1/2	330/2/2	0.02	पट्टा	आर्द्र	कोम्मु रमणा पत्नी सत्यनारायणा (पी और ई)	0.00 ¾	धान की फसल
13		329/ई/1		पट्टा	आर्द्र	मेदरि विनोद कुमार सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) और (ई)	0.01	कुआं -1
14	329/5/1/2	329/ई/1	0.01 ½	पट्टा	आर्द्र	मेदरि विनोद कुमार सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) और (ई)	0.01 ½	कुछ नहीं
15		329/ई/1				मेदरि विनोद कुमार सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) और (ई)	0.01 ¼	कुछ नहीं
16	329/5/2/2	329/ई/1	0.02 ¼	पट्टा	आर्द्र	मेदरि विनोद कुमार सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) और (ई)	0.00 ½	कुछ नहीं
17		-				जन्नारेड्डी जगन्नाथ रेड्डी सुपुत्र वेंकट नर्सि रेड्डी (पी) भूक्या शंकर सुपुत्र हर्या (ई)	0.00 ½	धान की फसल
18	329/1/2/2	-	0.04	पट्टा	आर्द्र	जन्नारेड्डी जगन्नाथ रेड्डी सुपुत्र वेंकट नर्सि रेड्डी (पी) भूक्या शंकर सुपुत्र हर्या (ई)	0.04	धान की फसल
19	329/1/1/2	-	0.28	पट्टा	आर्द्र	जन्नारेड्डी जगन्नाथ रेड्डी सुपुत्र वेंकट नर्सि रेड्डी (पी) भूक्या शंकर सुपुत्र हर्या (ई)	0.20 ½	धान की फसल
20		329/ए/3		पट्टा	आर्द्र	मेदरि वीरा प्रताप सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) और (ई)	0.07 ½	बिजली का खंभा -1
21	202/2	329/ए/3	0.04	पट्टा	आर्द्र	मेदरि वीरा प्रताप सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) और (ई)	0.03	कुछ नहीं
22		200/2/1		पट्टा	आर्द्र	भावनासि गणेश सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.01	कुछ नहीं
23	201/2	200/2/1	0.06 ¼	पट्टा	आर्द्र	भावनासि गणेश सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.06	बिजली का खंभा -1
24		-		सरकारी भूमि	-	आर एंड बी रोड	0.00 ¼	कुछ नहीं
25	200/1/2	-	0.10	इनाम भूमि	आर्द्र	शेख मुन्नेरु सुपुत्र दस्तगिरि (पी और ई)	0.02 ½	आरसीसी छत (303 वर्ग गज), 4 कमरों का घर, 2-शीट, 2-आरसीसी, शीट का शेड, शौचालय, कंपाउंड वॉल, द्वार, बोर, नीम का पेड़-1, सुपारी के पेड़-4, अमरूद का पेड़-1, चीकू के पेड़-2, आम का पेड़-1, सेब का पेड़-1, नींबू-पेड़-1, पोल्ट्री फॉर्म
26		-		इनाम भूमि	आर्द्र	गुंडु रामचंद्र मूर्ति सुपुत्र सत्यनारायणा (खुली जगह (545 वर्ग गज) (ई)	0.04 ½	पुराना शौचालय, बोर-1
27		-		इनाम भूमि	आर्द्र	कोम्मूरि लक्ष्मी पत्नी नरसिम्हा राव (ई)	0.03	एसी शीट और आरसीसी छत (363 वर्ग गज), 3 कमरों का घर, शौचालय-1, 2-शीट का शेड, कंपाउंड वॉल, द्वार, बोर, पंचायती पंप, उप्पलम्मा मंदिर, येल्लम्मा मंदिर, बादाम का पेड़-1, करंज का पेड़-1
28	199/2	-	0.00 ½	पट्टा	आर्द्र	ग्राम कंटम (पी), सय्यद याकुब पासा सुपुत्र लाल मोहम्मद (खुली जगह 61 वर्ग गज) (ई)	0.00 ½	कुछ नहीं
29	झाडियां	-	0.01	सरकारी भूमि	-	आर एंड बी रोड	0.01	कुछ नहीं
30	441	-	1.11	पट्टा	शुष्क	मेदारि वीरा प्रताप सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (खुली जगह 847 वर्ग गज) (पी और ई)	0.07	कुछ नहीं
31		-		पट्टा	शुष्क	भावनासि गणेश सुपुत्र रामय्या (खुली जगह) (पी और ई)	0.08 ¾	कुछ नहीं
32		-				सय्यद मेहबूब अली सुपुत्र लाल मोहम्मद (पी और ई)	0.01 ¾	कुछ नहीं
33		-		सरकारी भूमि	शुष्क	जीपी रोड (121 वर्ग गज खुली जगह)	0.01	कुछ नहीं
34		-		पट्टा	शुष्क	सय्यद मेहबूब अली सुपुत्र लाल मोहम्मद (पी और ई)	0.03	टैल्ड हाउस ज्वाइंट (363 वर्ग गज) 4-कमरे, शौचालय, बोर, शीट शेड, फेंसिंग, पंचायती पंप, नीम का पेड़-1, आम के पेड़-2, अमरूद के पेड़-3, सीताफल के पेड़-3, पोल्ट्री फॉर्म
35		-		पट्टा	शुष्क	सय्यद मेहबूब अली सुपुत्र लाल मोहम्मद (पी और ई)		
36		-		पट्टा	शुष्क	मोहम्मद राहत बेगम पत्नी सादिक अली (363 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.03	आम के पेड़-1, मली का पेड़-1, नींबू का पेड़-1
37		-		पट्टा	शुष्क	तुम्मलपल्ली रंग्य्या सुपुत्र राघवय्या (121 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.01	कंपाउंड वॉल
38		-		पट्टा	शुष्क	तुम्मलपल्ली अनतरामय्या सुपुत्र राघवय्या (90 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.00 ¾	कुछ नहीं
39		-		पट्टा	शुष्क	ईस्लावत सुशीला पत्नी वेंकटेश्वर्लु (पी और ई)	0.02 ¼	एसी शीट छत (272 वर्ग गज), 2 कमरे, शीट शेड, द्वार, शौचालय, पंचायती पंप, कंपाउंड वॉल
40		-		पट्टा	शुष्क	ईस्लावत वीरम्मा पत्नी हुसैन नायक (पी और ई)	0.02 ½	आरसीसी छत (303 वर्ग गज), 6 कमरों का घर, शीट, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय, सागौन का पेड़-1, अमरुद का पेड़-1, नीम का पेड़-1, अमरुद का पेड़-1, बोर, पंचायती पंप, इंकुडु गुंटा
41		-		पट्टा	शुष्क	तुम्मल लता पत्नी मोहन राव (484 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.04	कुछ नहीं
42		-		पट्टा	शुष्क	शेख हुसैन बी पत्नी सोंधुमिया (182 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.01 ½	नींबू का पेड़-1
43		-		पट्टा	शुष्क	खुली जगह और आंतरिक सड़क (1754 वर्ग गज)	0.14 ½	कुछ नहीं
44	442/2	-	0.30	पट्टा	शुष्क	परिटाला मधु सुपुत्र गुरुवय्या (121 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.01	कुछ नहीं
45		-		पट्टा	-	अडपा मल्लेश पति कुमारी(121 वर्ग गज खुली जगह) (पी और ई)	0.01	शौचालय, शीट शेड, नीम का पेड़-1, शौचालय, सीताफल का पेड़ -1 सेब का पेड़-1
46		-		पट्टा	शुष्क	मेदरा मंगताई पत्नी रामुलु (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), 2 कमरों का घर, शौचालय, पंचायती पंप, अशोक का पेड़-1
47		-		पट्टा	शुष्क	जव्वाजी कोटम्मा (एल) दामोदर, शिव शंकर (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज) 2-कमरों का घर, पंचायती पंप
48		-		पट्टा	शुष्क	बोल्लेपोगु सरस्वती पत्नी राजेश बाबू (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज)
49		-		पट्टा	शुष्क	लिंगाला रमेश सुपुत्र वेंकन्ना (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), 4-कमरों का घर, छत, कंपाउंड वॉल, द्वार, पंचायती पंप
50		-		पट्टा	शुष्क	चिलिगाडि मंजुलम्मा पत्नी प्रसाद (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), 2-कमरों का घर, पंचायती पंप, नीम का पेड़-4, आम का पेड़-1, गंगा इमली-1
51		-		पट्टा	शुष्क	कोप्पुला बाला कृष्णा सुपुत्र राममूर्ति (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज) 2 कमरों का एस्बेस्टर शीट घर, पंचायती पंप
52		-		पट्टा	शुष्क	सय्यद जान बी पत्नी हुसैन (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज)
53		-		पट्टा	शुष्क	सोमधुला वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र आगय्या (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), शीट शेड
54		-		पट्टा	शुष्क	शेख जहरा बी पत्नी अमीर पाशा (पी और ई)	0.03	आरसीसी छत (363 वर्ग गज), 2 कमरों का शीट वाला घर, शौचालय, पंचायती पंप, शीट शेड, अमरूद के पेड़-2, सागौन के पेड़-3, नीम के पेड़-1, सीताफल का पेड़-1
55		-		पट्टा	शुष्क	येल्लांदुला सांबाशिव राव सुपुत्र बिक्षपति (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), 2 कमरों वाला शीट का घर, शीट शेड, पंचायती पंप, अमरूद का पेड़-1, सागौन के पेड़-4, नीम का पेड़-1, इमली का पेड़-1
56		-		पट्टा	शुष्क	तोटा श्रीनिवासु सुपुत्र नारायणा (खुली जगह 182 वर्ग गज) (पी और ई)	0.01 ½	कुछ नहीं
57		-		पट्टा	शुष्क	नन्नेबोइना मल्लम्मा पत्नी कोमरय्या (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), शीट शेड, पंचायती पंप, खंभे-2
58		-		पट्टा	शुष्क	मुव्वला रेवती पत्नी सुरेश (पी और ई)	0.01 ½	आरसीसी छत (182 वर्ग गज), शीट शेड
59		-		पट्टा	शुष्क	आंतरिक सड़क (847 वर्ग गज खुली जगह)	0.07	कुछ नहीं
60	445/2	-	0.01 ¼	पट्टा	शुष्क	शेख जान मिया सुपुत्र लालीहसन (पी और ई)	0.01 ¼	(आरसीसी छत 151 वर्ग गज), 4 कमरों वाला शीट का घर, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय, आम का पेड़-1, नीम का पेड़-1, इमली का पेड़-1, पंचायती पंप
61	446/2		0.14	पट्टा	शुष्क	शेख हुसैन बी पत्नी राजामिया (पी और ई)	0.02	(आरसीसी छत 242 वर्ग गज), 2 कमरों वाला आरसीसी घर, शीट शेड, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय, नीम का पेड़-1, इमली का पेड़-1, पंचायती पंप
62				पट्टा	शुष्क	परिटाला रवि सुपुत्र गुरुवय्या (पी और ई)	0.02	(आरसीसी छत 242 वर्ग गज), 3 कमरों वाला शीट का घर, शीट शेड, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय, नीम का पेड़-1, आम का पेड़-1, पंचायती पंप
63				पट्टा	शुष्क	मारुती श्रीनु सुपुत्र वीरय्या (पी और ई)	0.02	(आरसीसी छत 242 वर्ग गज), 6 कमरों का घर, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय-2, पंचायती पंप

(Contd... Page 3)

64				पट्टा	शुष्क	शेख याकूब पाशा सुपुत्र खादर (पी और ई)	0.02	(आरसीसी छत 242 वर्ग गज), 2 कमरों का घर, 2 कमरों वाला शीट का घर, पंचायती पंप, नींबू का पेड़-1, करी पत्ते के पेड़-2, अमरूद के पेड़-1, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय-2, जुड़ा हुआ कुआं (आगोल्ला हरि)
65				पट्टा	शुष्क	आगोल्ला हरि प्रसाद सुपुत्र मल्लय्या (पी और ई)	0.04	(आरसीसी छत 484 वर्ग गज), 6 कमरों का घर, कंपाउंड वॉल, द्वार, शौचालय-2, शीट का शेड-2, पंचायती पंप-2, नींबू का पेड़-1, अमरूद का पेड़-1, मोगरा का पेड़-1
66				पट्टा	शुष्क	आगोल्ला श्रीनिवास सुपुत्र मल्लय्या (पी और ई)		
67				पट्टा	शुष्क	आंतरिक गली (182 वर्ग गज खुली जगह)	0.02	कुछ नहीं
68	438/4/2	438/ई/1/2/1, 439/एए/1	0.08	पट्टा	आर्द्र	पोतु नरसय्यासुपुत्र मल्लय्या (पी और ई)	0.08	धान की फसल
69	438/3	439/एए/1	0.07 ¼	पट्टा	आर्द्र	पोतु नरसय्या सुपुत्र मल्लय्या (पी और ई)	0.07 ¼	धान की फसल
70	439/1/2	439/एए/1	0.23 ½	पट्टा	आर्द्र	पोतु नरसय्या सुपुत्र मल्लय्या (पी और ई)	0.18	धान की फसल
71		438/एए		पट्टा	आर्द्र	तोगरु रामा स्वामी सुपुत्र मुत्तय्या (पी), तोगरु रमेश सुपुत्र रामास्वामी (ई)	0.02 ¾	धान की फसल
72		438/एए		पट्टा	आर्द्र	तोगरु रामा स्वामी सुपुत्र मुत्तय्या (पी), तोगरु श्रीनु सुपुत्र रामास्वामी (ई)	0.02 ¾	धान की फसल
73	गांव के साइट/2	438/एए	0.07 ½	-	आर्द्र	तोगरु रामा स्वामी सुपुत्र मुत्तय्या (पी), तोगरु रमेश सुपुत्र रामास्वामी (ई)	0.03 ¾	धान की फसल
74		438/एए		-	आर्द्र	तोगरु रामा स्वामी सुपुत्र मुत्तय्या (पी), तोगरु श्रीनु सुपुत्र रामास्वामी (ई)	0.03 ¾	धान की फसल
75	440/2	438/एए, 438/ए1/1	1.06 ½	पट्टा	शुष्क	तोगरु रामा स्वामी सुपुत्र मुत्तय्या (पी), तोगरु रमेश सुपुत्र रामास्वामी (ई)	0.17 ½	धान की फसल नीम के पेड़-4, बोर-1, पाइप लाइन, मोटर-1, मक्के की फसल, सागौन के पेड़-13, कुआं-1, बबूल के पेड़-10, उप्पलम्मा मंदिर
76		438/एए, 438/ए1/1		पट्टा	शुष्क	तोगरु रामा स्वामी सुपुत्र मुत्तय्या (पी), तोगरु श्रीनु सुपुत्र रामास्वामी (ई)	0.17 ½	
77		-		सरकारी भूमि	-	आर एंड बी सड़क	0.03	कुछ नहीं
78		437/1		पट्टा	शुष्क	गुंडलापल्ली श्रीधर सुपुत्र वीरय्या (पी और ई)	0.08 ½	कपास की फसल
79	गांव के साइट /3	437/1	0.08 ½	-	शुष्क	गुंडलापल्ली श्रीधर सुपुत्र वीरय्या (पी और ई)	0.08 ½	कपास की फसल
80	437/2	437/1	0.26	पट्टा	शुष्क	गुंडलापल्ली श्रीधर सुपुत्र वीरय्या (पी और ई)	0.09	कपास की फसल कुआं -1
81		436		पट्टा	शुष्क	गुंडलापल्ली रमेश सुपुत्र वीरय्या (पी और ई)	0.17	कपास की फसल
82	436/2	436	0.24 ½	पट्टा	शुष्क	गुंडलापल्ली रमेश सुपुत्र वीरय्या (पी और ई)	0.15 ½	कपास की फसल
83				पट्टा	शुष्क	शेख इमाम सुपुत्र लतीफ साब (पी) यरानागु येल्लय्या सुपुत्र नागुलु (ई)	0.04	कपास की फसल
84		435/एए/3/1, 435/ए/1		पट्टा	शुष्क	मेकला अनिता पत्नी साइलु (पी और ई) मेकला श्रीनु सुपुत्र राममूर्ति (पी और ई)	0.05	कपास की फसल
85	435/2	435/एए/3/1, 435/ए/1	0.16	पट्टा	शुष्क	मेकला अनिता पत्नी साइलु (पी और ई) मेकला श्रीनु सुपुत्र राममूर्ति(पी और ई)	0.16	कपास की फसल
86	53/1/2	-	0.04 ½	सरकारी भूमि	शुष्क	सड़क	0.02 ½	कुछ नहीं
87		-		सरकारी भूमि	शुष्क	वैकुंटधामम	0.02	कुछ नहीं
88	54/1/2	-	0.11	सरकारी भूमि	शुष्क	वैकुंटधामम	0.11	नीम का पेड़-1 हैंड पंप -1
89	77/1/2	-	0.20 ½	सरकारी भूमि	-	वैकुंटधामम	0.03	1 फुट का सीमेंट्री कमरा
90		77/एए/2		पट्टा	आर्द्र	गुंडेबोइना कोटेश्वर राव सुपुत्र वेंकटेश्वर राव (पी और ई)	0.10 ¼	धान की फसल
91		77/एए/3		पट्टा	आर्द्र	गुंडेबोइना बाला कृष्णा सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी और ई)	0.07 ¼	धान की फसल
92	52/1/2	77/एए/3	0-32 ½	पट्टा	आर्द्र	गुंडेबोइना बाला कृष्णा सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी और ई)	0-02	धान की फसल
93		-		सरकारी भूमि		आर एंड बी रोड	0-01	कुछ नहीं
94		52/ए/6		पट्टा	शुष्क	मुंडला सुधाकर सुपुत्र कोंडय्या (पी और ई)	0-13 ¼	सीताफल का बगान, अमरूद का बगान, फेंसिंग, बोर -1, ड्रिप पाइप लाइन, चीकू का पेड़, इमली का पेड़-1
95		52/ए/4		पट्टा	शुष्क	मुंडला सुधाकर सुपुत्र कोंडय्या (पी और ई)	0-02	सीताफल का बगान
96		52/ए/3/1/2/1		पट्टा	शुष्क	अम्गोत श्रीनु सुपुत्र भीमा (पी और ई)	0.02	कुछ नहीं
97		52/ए/5		पट्टा	शुष्क	मुंडला एकांबरम सुपुत्र कोंडय्या (पी और ई)	0.12 ¼	मूंग की फसल
98	82/1/2	82ए/1/1	0.10	पट्टा	शुष्क	मुक्का महेश सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी और ई)	0.04 ½	नीम के पेड़-2, पाम ऑयल का बगीचा, ड्रिप, सिंचाई का कुआं -1, पाइप लाइन, सौजन का पेड़, पेड़-1, फेंसिंग, खंभे, कुआं-1, ड्रिप पाइप लाइन, बिजली का खंभा-1, मौसंबी का पेड़-1, सागौन का पेड़-1, सीताफल का पेड़-1, चीकू का पेड़-1, केले का पेड़-4, सुबाबुल-2
99		90ए/2/1/1/1		पट्टा	शुष्क	मिन्नेकंटि सूर्यनारायणा राव सुपुत्र हनुमंत राव (पी और ई)	0.02	कुछ नहीं
100		-		सरकारी भूमि	शुष्क	सड़क	0.03 ½	कुछ नहीं
101	84/1/2	90ए/2/1/1/1	0.05	पट्टा	शुष्क	मिन्नेकंटि सूर्यनारायणा राव सुपुत्र हनुमंत राव (पी और ई)	0.05	कुछ नहीं
102	90/1/2	90ए/2/1/1/1	0.07	पट्टा	शुष्क	मिन्नेकंटि सूर्यनारायणा राव सुपुत्र हनुमंत राव (पी और ई)	0.00 ½	कुछ नहीं
103		90ए/2/2		पट्टा	शुष्क	उप्पलनूरि नागिरेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी (पी और ई)	0.04 ½	कुछ नहीं
104				पट्टा	शुष्क	शेख जरीना पत्नी हुसैन मिया (पी और ई)	0.02	कपास की फसल
105	88/1/2		0.06	पट्टा	शुष्क	शेख जरीना पत्नी हुसैन मिया (पी और ई)	0.04	कपास की फसल, नीम के पेड़ -4
106				पट्टा	शुष्क	महमूद काजामिया सुपुत्र मस्तूर अली (पी और ई)	0.02	कपास की फसल
107	87/1/2		0.10	पट्टा	शुष्क	महमूद काजामिया सुपुत्र मस्तूर अली (पी और ई)	0.07 ¼	कपास की फसल
108		87/5/1		पट्टा	शुष्क	शेख मुस्तफा सुपुत्र कासिम मिया (पी और ई)	0.02 ¾	कपास की फसल
109	129/1/2	87/5/1	0.16	महासुरा	शुष्क	शेख मुस्तफा सुपुत्र कासिम मिया (पी और ई)	0.04 ¾	कपास की फसल
110		129/यू3/1/1		महासुरा	शुष्क	शेख अकबर पाशा पत्नी कासिम मिया (पी और ई)	0.11 ¼	कपास की फसल मिर्ची
111	131/1/2	129/यू3/1/1	0.04	पट्टा	शुष्क	शेख अकबर पाशा पत्नी कासिम मिया (पी और ई)	0.00 ½	कपास की फसल
112		-		सरकारी भूमि	-	सड़क	0.00 ½	कुछ नहीं
113		131/1/6/1		पट्टा	शुष्क	भूक्या देव सिंह सुपुत्र बिक्ष्मा (पी और ई)	0.01	कपास की फसल
114				पट्टा	शुष्क	गुगुलोतु किशन सुपुत्र राम सिंह (पी और ई)	0.02	कपास की फसल
						कुल क्षेत्र (एकड़ - गुंटा में)	एकड़ 12.09 ¾ गुंटा	

गांव :: गेट कारेपल्ली | मंडल :: सिंगरेनी | जिला :: खम्मम

क्रम सं.	एसडीआर के अनुसार सर्वेक्षण सं.	भू भारती के अनुसार सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण किया जाने वाला क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	पट्टेदार एवं एंजॉयर का नाम	क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	संरचनाएं / पेड़ आदि, यदि कोई हो तो
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	306/3, 306/4	306/12/ए	1.13	पट्टा	आर्द्र	आल्ला उपेंदरसुपुत्र चलमय्या (पी और ई)	0.02	धान की फसल
2		306/34/4		पट्टा	शुष्क	जला गोपी सुपुत्र पुल्लय्या (पी और ई)	0.04	नीम के पेड़-4, बोर -1, पाइप लाइन
3		306/34/1		पट्टा	शुष्क	आवुला नागमणी पत्नी सैदुलु (पी और ई)	0.04	फेंसिंग और खंभे, बोर-1, पाइप लाइन
4		306/40/2		पट्टा	शुष्क	आवुला रवि पत्नी रामय्या (पी और ई)	0.03 ½	बोर -1, फेंसिंग और खंभे, पाइप लाइन
5		306/40		पट्टा	शुष्क	आवुला वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.07 ½	बोर-2, कुएं-2 मिर्ची का बगान, पाइप लाइन, खंभे, फेंसिंग
6		306/40/1		पट्टा	शुष्क	आवुला श्रीनिवास राव सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.03 ½	बोर-1, पाइप लाइन
7		306/40/2		पट्टा	शुष्क	आवुला रवि सुपुत्र रामय्या (पी और ई)	0.02 ½	फेंसिंग के खंभे, बोर-1 पाइप लाइन
8		306/34/1		पट्टा	शुष्क	आवुला नागमणी पत्नी सैदुलु (पी और ई)	0.04	बोर-1, गुत्ता गंगय्या का पाइप लाइन, फेंसिंग के खंभे, पाइप लाइन (अपना), नीम का पेड़-1, कुआं-1
9		306		पट्टा	शुष्क	गुत्ता नरसय्या सुपुत्र कृष्णय्या (पी और ई)	0.00 ½	सुबाबुल नीम के पेड़-2, फेंसिंग और खंभे, पाइप लाइन
10		306/13/1		पट्टा	शुष्क	गुत्ता गंगय्या सुपुत्र कृष्णय्या (पी और ई)	0.00 ½	फेंसिंग, पाइप लाइन
11		306/12/ए		पट्टा	शुष्क	आल्ला उपेंदर सपुपु चलमय्या (पी और ई)	0.01 ¼	फेंसिंग
12		306/12/1		पट्टा	शुष्क	आल्ला हैमावती पत्नी रामदासु (पी और ई)	0.03 ¾	सुबाबुल फेंसिंग
13		306/12/2		पट्टा	शुष्क	आल्ला काव्या पत्नी रमेश (पी और ई)		सुबाबुल फेंसिंग
14		-		पट्टा	शुष्क	आल्ला शेषय्या सुपुत्र नारायणा (पी), आल्ला श्रीनिवास राव सुपुत्र शेषय्या (ई)	0.11	सुबाबुल फेंसिंग ताड़ के पेड़-2 पाइप लाइन
15		-				आल्ला शेषय्या सुपुत्र नारायणा (पी), आल्ला श्रीनिवास राव सुपुत्र शेषय्या (ई)		सुबाबुल फेंसिंग बोर -1 ताड़ के पेड़-3 पाइप लाइन
16		306/60/5/1/3		पट्टा	शुष्क	बानोतु भाव सिंह सुपुत्र तावुर्या (पी और ई)	0.01 ½	मिर्च का बगान
17		306/1/2/1		पट्टा	शुष्क	धारावत रमेश सुपुत्र तावुर्या (पी और ई)	0.01 ½	मिर्च का बगान पाइप लाइन
18		306/1/1/1/3		पट्टा	शुष्क	भूक्या सुरेश सुपुत्र बाश्या (पी और ई)	0.02	कपास की फसल पाइप लाइन उप्पलम्मा मंदिर
19	324/2	324/3/1	0.07	पट्टा	शुष्क	भूक्या बुज्जि पत्नी बाला (पी) और (ई)	0.02	मिर्च का बगान
20		324/1/1/1/1		पट्टा	शुष्क	भूक्या बंसिलाल सुपुत्र लालु (पी और ई)	0.05	कपास की फसल मिर्च का बगान, पाइप लाइन
21	325/2	-	0.10 ½	पट्टा	शुष्क	बानोत लक्ष्मा सुपुत्र बिच्चा (पी) बानोतु वीरन्ना सुपुत्र भाश्या (ई)	0.02	मिर्च का बगान
22		-		पट्टा	शुष्क	बानोत भावसिंह (पी) बानोतु मंगीलाल सुपुत्र बुच्चा (ई)	0.02	मिर्च का बगान
23		345/1/2/1		पट्टा	शुष्क	मेडपल्ली पुल्लय्या (पी) बानोतु अनिता पत्नी शंकर (ई)	0.03 ½	मिर्च का बगान
24		325/2/1		पट्टा	शुष्क	बानोतु विक्की पत्नी रामुलु (पी और ई)		मिर्च का बगान
25		325/1/2/1/1		पट्टा	शुष्क	बदावत नागमणी पत्नी हेमला (पी और ई)	0.03	कपास की फसल
26	326/2	-	0.09 ½	पट्टा	शुष्क	भूक्या श्रीनु सुपुत्र रामजी (पी) बानोतु अशोक कुमार सुपुत्र भाव सिंह (ई)	0.01	कुछ नहीं
27		-		पट्टा	शुष्क	भूक्या रामजी (पी) भूक्या भीमुडु सुपुत्र देवला (ई)	0.02 ½	कपास की फसल
28		326/1-1/1		पट्टा	शुष्क	भूक्या हर्जा सुपुत्र देवला (पी और ई)	0.06	कपास की फसल
29	344/2	344	0.09	पट्टा	शुष्क	श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर धर्मार्थ भूमि (पी) और (ई)	0.02	कपास की फसल
30		344		पट्टा	शुष्क	श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर धर्मार्थ भूमि (पी) और (ई)	0.04	मिर्च का बगान
31		344		पट्टा	शुष्क	श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर धर्मार्थ भूमि (पी) और (ई)	0.03	मिर्च का बगान
32	345/2	344	0.11	पट्टा	शुष्क	श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर धर्मार्थ भूमि (पी) और (ई)	0.02 ¾	मिर्च का बगान
33		345/1/2/1		पट्टा	शुष्क	बानोतु शंकर सुपुत्र रामुलु (पी और ई)	0.02 ¾	मिर्च का बगान
34		345/1/1/1		पट्टा	शुष्क	बानोतु रामदास सुपुत्र सक्रिया (पी और ई)	0.05 ½	मिर्च का बगान
35	347/2	345/1/1/1	0.15 ½	पट्टा	शुष्क	बानोतु रामदास सुपुत्र सक्रिया (पी और ई)	0.09 ¾	मिर्च का बगान कपास की फसल
36		-		पट्टा	शुष्क	पार्सा वेंकट गौतम राव (पी) मंडेपुडि नागेश्वर राव सुपुत्र रामय्या(खुली जगह)	0.04	पाइप लाइन
37		348		पट्टा	शुष्क	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.01 ¾	मिर्च का बगान
38	348/2	348	0.02 ½	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.02 ½	मिर्च का बगान
39	349/2	349	0.02 ¾	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.02 ¾	मिर्च का बगान
40	363/2	363	0.02 ¼	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.02 ¼	मिर्च का बगान
41	364/2	364	0.01 ½	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.01 ½	मिर्च का बगान, सागौन के पेड़-3
42	367/2	367	0.01 ½	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.01 ½	मिर्च का बगान
43	368/2	368/1	0.01 ½	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.01 ½	मिर्च का बगान
44	369/2	369/2	0.04	पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी और ई)	0.01 ¾	मिर्च का बगान, पाइप लाइन
45		-		पट्टा	आर्द्र	दुग्गिनेनि कोटय्या सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (पी) दुग्गिनेनि वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र तिरुपतय्या (ई)	0.01 ¾	मिर्च का बगान
46		369/1		पट्टा	आर्द्र	पोनुगोटि वीरय्या सुपुत्र बुच्चय्या (पी और ई)	0.00 ½	फेंसिंग
47	374/2	374/2	0.02	पट्टा	आर्द्र	पोनुगोटि वीरय्या सुपुत्र बुच्चय्या (पी और ई)	0.02	कुछ नहीं
48	गांव के साइट	-	0.11	गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) नगरपु श्रीनु सुपुत्र मल्लय्या (121 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.01	कुछ नहीं
49		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) बडिसा लक्ष्मी पत्नी लक्ष्मी नारायणा (91 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ¾	कुछ नहीं
50		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) कुसुमा भद्रय्या सुपुत्र वेंकटेश्वर्लु (61 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ½	कुछ नहीं
51		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) दर्ना पुल्लय्या सुपुत्र वीरय्या (151 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.01 ¼	कुछ नहीं
52		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) कोंडे कुसुमा कुमारी पत्नी वेंकटेश्वर्लु (61 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ½	कुछ नहीं
53		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) निम्मल कल्याणी पत्नी रामुलु (ई)	0.02 ¼	लोहे के शीट (272 वर्ग गज)
54		-		गांव के साइट	शुष्क	सड़क (61 वर्ग गज खुली जगह)	0.00 ½	कुछ नहीं
55		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) निम्मल कल्याणी पत्नी रामुलु (ई)	0.01 ¼	लोहे के शीट (151 वर्ग गज)
56		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) पोट्लाकायला नागेश्वर राव सुपुत्र मल्लय्या (ई)	0.01	लोहे के शीट (121 वर्ग गज)
57		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) गुडिपूडि नरसय्या सुपुत्र रामय्या (61 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ½	कुछ नहीं
58		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) सय्यद खासीम सुपुत्र बाशुमिया (91 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ¾	कुछ नहीं
59		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) शेख पाशा सुपुत्र कासिम (31 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ¼	कुछ नहीं
60		-		गांव के साइट	शुष्क	ग्राम कंटम (पी) सय्यद नागुलु मीरा सुपुत्र सैंधु (61 वर्ग गज खुली जगह) (ई)	0.00 ½	कुछ नहीं

(Contd... Page 4)

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 25 सितंबर, 2025 5

सुविचार

कितने भी बड़े
क्यों ना हो जाओ
हमेशा हमें जमीन से
जुड़े रहना चाहिए..!!

टीजीएसआरटीसी एआई तकनीक को एकीकृत करने वाला पहला सार्वजनिक परिवहन निगम बना

मंत्री को एआई कार्यान्वयन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उन्नत तकनीक का लाभ उठाने की दिशा में एक अग्रणी कदम उठाते हुए, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) अपने संचालन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने वाला भारत का पहला सार्वजनिक परिवहन निगम बन गया है। यह ऐतिहासिक पहल सार्वजनिक परिवहन प्रबंधन में एक नए युग का प्रतीक है, जिसका ध्यान दक्षता बढ़ाने, परिचालन लागत कम करने, यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने और कर्मचारी कल्याण में सुधार लाने पर केंद्रित है। टीजीएसआरटीसी ने सभी डिपो में एआई परियोजना को लागू करने के लिए हंसा इक्विटी पार्टनर्स एलएलपी के साथ साझेदारी की है। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर को बुधवार को सचिवालय में एआई कार्यान्वयन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इस सत्र में परिवहन और सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री ने टीजीएसआरटीसी के दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि एआई दुनिया भर के

विभिन्न क्षेत्रों के भविष्य को आकार दे रहा है। उन्होंने निगम की पहल की सराहना की और अधिकारियों से दीर्घकालिक सफलता के लिए सहयोगात्मक कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर, पोन्नम प्रभाकर ने हंसा इक्विटी पार्टनर्स एलएलपी के त्रिनाधा बाबू और सुनील रेगुल्ला को उनकी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत 2021 में रणनीतिक तैनाती योजना (एसडीपी) की शुरुआत से लेकर अब तक उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया। टीजीएसआरटीसी के अधिकारियों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एआई परियोजना 2021 में शुरू की गई रणनीतिक तैनाती योजना की सफलता का परिणाम है। एसडीपी ने टीजीएसआरटीसी को आधुनिक परिवहन आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने, यात्री सेवाओं में सुधार, डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय स्थिरता को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई को अपनाना टीजीएसआरटीसी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। उन्होंने कहा कि एआई एकीकरण सेवाओं की गति, पारदर्शिता और सटीकता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा, साथ ही गतिशील यात्री आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्मार्ट शेड्यूलिंग को सक्षम करेगा। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि टीजीएसआरटीसी भारत के सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में ऐसी तकनीक को अपनाने वाला पहला संस्थान बनकर राष्ट्रीय मानक स्थापित कर रहा है। समीक्षा बैठक में कार्यकारी निदेशक मुनीशेखर खुशरोशा खान, वेंकन्ना, राजशेखर, मुख्य यातायात प्रबंधक श्रीदेवी, मुख्य कार्मिक प्रबंधक उषादेवी, मुख्य अभियंता (आईटी) श्रीदेवी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

1908 की मूसी बाढ़ की 117वीं वर्षगांठ पर स्मारक और एकजुटता बैठक

हैदराबाद, 24 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। 1908 की मूसी नदी बाढ़ की 117वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, फोरम फॉर ए बेटर हैदराबाद 25 सितंबर को सुबह 10.30 बजे अफजलगंज स्थित उस्मानिया जनरल अस्पताल के परिसर में ग्रेट इमली ट्री के नीचे एक स्मारक और एकजुटता बैठक का आयोजन कर रहा है। सितंबर 1908 में, हैदराबाद में मूसी नदी की विनाशकारी बाढ़ आई, जिसमें अनगिनत लोगों की जान गई और व्यापक नुकसान हुआ। यह त्रासदी बड़े शहरी नियोजन सुधारों को प्रेरित करने वाला महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिससे शहर झुग्गी बस्तियों से आधुनिक शहरी परिदृश्य में बदल सका।

एसीबी मामलों के शीघ्र निपटारे का आग्रह

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के मामलों के निपटारे में अत्यधिक देरी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने आज रेवंत रेड्डी सरकार से प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने का आग्रह किया ताकि एसीबी के मामलों का निपटारा 2 से 3 वर्षों के भीतर हो सके। फोरम ने चेतावनी दी कि मौजूदा देरी गलत संकेत दे रही है और प्रशासन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है।

एफजीजी के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने कहा कि हालांकि एसीबी नियमित रूप से जालसाजी और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में मामले दर्ज करता है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों को सजा का कोई डर नहीं है, क्योंकि मामलों में या तो देरी होती है या उन्हें कमज़ोर कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, "अभियोजन के बजाय, कई मामलों को विभागीय जाँच, जाँच आयुक्त या अनुशासनात्मक कार्यवाही न्यायाधिकरण में भेज दिया जाता है, जिससे अंततः मामले बंद होने का रास्ता साफ हो जाता है।" 2010 के शराब घोटाले का उदाहरण देते हुए, रेड्डी ने बताया कि आबकारी, पुलिस और राजस्व अधिकारियों के खिलाफ 67 मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन 13 साल बाद भी 65 मामले लंबित हैं।

उन्होंने कहा, "पिछले 10 सालों में एक भी एसीबी मामले का निपटारा नहीं हो पाया है।"

सीतक्का ने मेडारम विकास मास्टर प्लान के कार्यों में तेज़ी लाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मेदारम सम्मक्का-सरलम्मा जतारा से संबंधित विकास प्रयासों को तेज़ कर दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा योजना को आधिकारिक मंजूरी दिए जाने के बाद, मंत्रियों ने विकास गतिविधियों में तेज़ी लाने के लिए निर्णायक निर्देश जारी किए हैं। मंत्री सीतक्का ने सचिवालय से एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जबकि मंत्री कोंडा सुरेखा ने वारंगल से भाग लिया। बैठक में धर्मस्व मुख्य सचिव शैलजा रामैयार, आर एंड बी ईएनसी मोहन नाइक, पंचायती राज ईएनसी एन. अशोक और अन्य विभागीय अधिकारी शामिल थे। चर्चा के दौरान, मंत्रियों ने कहा कि मेदारम विकास योजना को मुख्यमंत्री की मंज़ूरी के साथ, इस महत्वपूर्ण घटना की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण प्रयास में सामूहिक भूमिका पर ज़ोर दिया और कहा कि इस प्रयास का दीर्घकालिक प्रभाव होगा। मंत्रियों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विकास पहलों से मेदाराम की प्रतिष्ठा सदियों तक बनी रहेगी और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा, मंत्री सीतक्का ने निर्देश दिए कि मेदाराम विकास योजनाओं से संबंधित कार्य आरेख और संरचनात्मक डिज़ाइन शीघ्रता से पूरे किए जाएँ। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, लागत अनुमान तैयार किए जाएँ और विकास कार्यों के लिए तत्काल निविदाएँ आमंत्रित की जाएँ।

कोलानू प्रदीप रेड्डी और समर्थक भाजपा छोड़ बीआरएस में शामिल

बीआरएस ने शमशाबाद में पार्टी आधार मजबूत करने का दावा किया

हैदराबाद, 24 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद नगर पालिका में भाजपा को झटका देते हुए, वरिष्ठ नेता कोलानू प्रदीप रेड्डी और उनके समर्थकों ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया और बीआरएस में शामिल हो गए। तेलंगाना भवन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने की रस्म संपन्न हुई, जिसमें रामा राव ने प्रदीप रेड्डी का गुलाबी दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। बीआरएस नेता पट्टोला कार्तिक रेड्डी भी इस अवसर पर मौजूद थे। इस मौके पर रामा राव ने कहा कि शमशाबाद में प्रदीप रेड्डी की प्रबल जनभावना और समर्थन पार्टी के आधार को मजबूत करेगा। प्रदीप रेड्डी के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी बीआरएस में शामिल हुए।

61		-		पट्टा	आर्द्र	पार्सा दुर्गा प्रसाद राव (पी) सय्यद नागुलु मीरा सुपुत्र सौंधु (खुली जगह) (ई)	0.00 ¾	कुछ नहीं
62	492/2	-	0.03 ½	पट्टा	आर्द्र	सूरा नरसय्या (पी) सामिनेनी नरसिम्हा राव सुपुत्र शेषय्या (पी और ई)	0.01 ¼	कुछ नहीं
63		-		पट्टा	आर्द्र	सूरा नरसय्या (पी) पलधी लक्ष्मी प्रसाद सुपुत्र अप्पय्या (ई)	0.01 ½	कुछ नहीं
64	5/2	5	0.06	पट्टा	आर्द्र	भूक्या सीतम्मा पत्नी लक्ष्मा (पी और ई)	0.06	सुबाबुल, कुआं -1 पाइप लाइन पत्थर की दीवार
65	6/2	5	0.02	पट्टा	आर्द्र	भूक्या सीतम्मा पत्नी लक्ष्मा (पी और ई)	0.00 ¾	सुबाबुल पत्थर की दीवार
66		-		पट्टा	आर्द्र	पार्सा सीता राम राव सुपुत्र वेंकट रंगा राव (पी) बंडि वेंकन्ना सुपुत्र रामय्या (ई)	0.01 ¼	सुबाबुल पत्थर की दीवार
67	12/2	-	0.02 ¼	पट्टा	शुष्क	पार्सा सीता राम राव सुपुत्र वेंकट रंगा राव (पी) बंडि वेंकन्ना सुपुत्र रामय्या (ई)	0.02 ¼	धान की फसल
68	13/2		0.23 ½	सरकारी भूमि	-	तालाब	0.23 ½	कुछ नहीं
69		-		पट्टा	शुष्क	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी) मुद्दामूरी ज्योति पत्नी पूर्णाचंदर राव (ई)	0.14	धान की फसल
70	163/2	-	0.35	पट्टा	शुष्क	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी) भूर्गुल मरियम्मा पत्नी वेंकय्या (ई)	0.10	धान की फसल
71		-		सरकारी भूमि	-	सड़क	0.00 ¾	कुछ नहीं
72		-		पट्टा	आर्द्र	तोटकूरी सत्य कुमारी पत्नी पिच्चय्या (पी) भूर्गुल वेंकटेश सुपुत्र वेंकटय्या (ई)	0.10 ¼	धान की फसल
73							0.04	कुछ नहीं
कुल क्षेत्र (एकड़ - गुंटा में)							5.20 ¾	

गांव :: कमलापुरम				मंडल :: सिंगरेनी			जिला :: खम्मम	
क्रम सं.	एसडीआर के अनुसार सर्वेक्षण सं.	भू भारती के अनुसार सर्वेक्षण सं.	अधिग्रहण किया जाने वाला क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	टाइटल का प्रकार	भूमि का प्रकार	पट्टेदार एवं एंजॉयर का नाम	क्षेत्र (एकड़ गुंटा में)	संरचनाएं / पेड़ आदि, यदि कोई हो तो
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	379/1/2	379/ई2	0.28	पट्टा	शुष्क	तोटकूरी राकेश सुपुत्र तिरपय्या (पी और ई)	0.23	सुबाबुल, फेंसिंग और खंभे, बोर-1, पाइप लाइन, कुआं-1, जामैल के पेड़
2		-		पट्टा	शुष्क	वड्डे रामचंद्रय्या सुपुत्र रामय्या (पी) मल्लेला अनंतलक्ष्मी पत्नी श्रीनिवास राव (ई)	0.05	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे
3		-		पट्टा	शुष्क	वड्डे रामय्या (पी) मल्लेला अनंतलक्ष्मी पत्नी श्रीनिवास राव (ई)	0.33	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे, नीम के पेड़-6, नेमली का पेड़-4, बोर-1
4	380/1/2	380/एए1/1/1	1.17	पट्टा	शुष्क	कोटि अप्पा राव सुपुत्र वेंकय्या (पी और ई)	0.18	सुबाबुल कुआं-1, बोर-1, पाइप लाइन, खेत नहर, फेंसिंग और खंभे
5		401/ए		पट्टा	शुष्क	कोटि किरण सुपुत्र अप्पा राव (पी और ई)	0.01 ½	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे, नीम के पेड़-3, नेमली का पेड़-2
6		380/एए/4		पट्टा	शुष्क	कोटि सत्यनारायणा सुपुत्र वेंकय्या (पी और ई)	0.04 ½	सुबाबुल कुआं - 1, बोर -1
7	401/1/2	401/ए	0.24	पट्टा	शुष्क	कोटि किरण सुपुत्र अप्पा राव पी और ई)	0.10	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे, कुआं -1, पाइप लाइन, कोटा तिरुपतय्या सुपुत्र सीतय्या का पाइप लाइन
8		401/1/2		पट्टा	शुष्क	काटिनेनी रामा राव सुपुत्र वेंकटय्या (पी और ई)	0.14	बोर- 1, कुआं - 1, नीम के पेड़- 5, फेंसिंग और खंभे
9		401/1/2		पट्टा	शुष्क	काटिनेनी रामा राव सुपुत्र वेंकटय्या (पी और ई)	0.03	कुछ नहीं
10	402/1/2	402	0.20	पट्टा	शुष्क	वड्डे लक्ष्मी पत्नी राम बाबू (पी और ई)	0.10	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे, कुआं-1
11		-		पट्टा	शुष्क	वड्डे रामय्या (पी) मल्लेला अनंतलक्ष्मी पत्नी श्रीनिवास राव (ई)	0.07	सुबाबुल
12		-		पट्टा	शुष्क	वड्डे रामय्या (पी) मल्लेला अनंतलक्ष्मी पत्नी श्रीनिवास राव (ई)	0.03	फेंसिंग और खंभे, कुआं-1
13	403/1/2	402	0.17	पट्टा	शुष्क	वड्डे लक्ष्मी पत्नी राम बाबू (पी और ई)	0.12 ¼	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे
14		4		पट्टा	शुष्क	वड्डे अप्पा राव सुपुत्र चिन्न वीरय्या (पी और ई)	0.01 ¾	काटिनेनी रामा राव सुपुत्र वेंकटय्या का पाइप लाइन
15	4/2/2	4	0.30 ½	पट्टा	शुष्क	वड्डे अप्पा राव सुपुत्र चिन्न वीरय्या (पी और ई)	0.30 ½	कुआं-1, बोर -1, मिर्च का बगान, पाइप लाइन
16	5/2/2	5/ए	0.32 ¼	पट्टा	शुष्क	वड्डे नागेश्वर राव सुपुत्र चिन्न वीरय्या (पी और ई)	0.07 ½	नर्सरी टैंक, फेंसिंग और खंभे, पाइप लाइन, मिर्च का बगान, कुआं-1
17		5		पट्टा	शुष्क	कोडिमल्ली चंद्रकला पत्नी कासिम (पी और ई)	0.06 ½	कपास की फसल मिर्च का बगान
18		5/ए		पट्टा	शुष्क	वड्डे नागेश्वर राव सुपुत्र चिन्न वीरय्या (पी और ई)	0.18 ¼	बोर-1, कपास की फसल
19		5/ए		पट्टा	शुष्क	वड्डे नागेश्वर राव सुपुत्र चिन्न वीरय्या (पी और ई)	0.12 ½	कपास की फसल
20	6/1/2	-	0.21 ¾	सरकारी भूमि	-	रेलवे लाइन	0.04 ½	कुछ नहीं
21		6		पट्टा	शुष्क	काटिनेनी दीप्ती सुपुत्री वेंकटेश्वर राव (पी और ई)	0.04 ¾	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे,
22	6/1/3	6	0.05 ¼	पट्टा	शुष्क	काटिनेनी दीप्ती सुपुत्री वेंकटेश्वर राव (पी और ई)	0.05 ¼	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे, कुआं-1, बोर-1, पाइप लाइन
23	16/2/2	6		पट्टा	शुष्क	काटिनेनी दीप्ती सुपुत्री वेंकटेश्वर राव (पी और ई)	0.03	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे,
24	16/2/3	16/ए/1	0.29 ¼	पट्टा	शुष्क	कट्ला नागमणी पत्नी श्रीनिवास राव (पी और ई)	0.21	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे, कुआं -1, बोर -1, पाइप लाइन, नीम का पेड़-1, सागौन के पेड़- 2, जामैल का पेड़ -1 कोटा अच्चय्या सुपुत्र सीतय्या का पाइप लाइन
25	16/2/2	16/ए/1		पट्टा	शुष्क	कट्ला नागमणी पत्नी श्रीनिवास राव (पी और ई)	0.03	कुछ नहीं
26		16/एए/1/3		पट्टा	शुष्क	बानोत वेणु सुपुत्र बिच्चा (पी और ई)	0.02 ¼	सुबाबुल फेंसिंग और खंभे
27		16/एए/1/3		पट्टा	शुष्क	बानोत वेणु सुपुत्र बिच्चा (पी और ई)	0.09 ½	कुआं -1, बोर -1, पाइप लाइन, नीम के पेड़-3
28	77/2/2	77/ए	0.22	पट्टा	शुष्क	धरावत पांड्या नायक सुपुत्र रामु (पी और ई)	0.06 ¼	फेंसिंग और खंभे, बोर -2, ड्रिप पाइप, टैंक नर्सरी, कुआं-1, पॉम का तेल और जामैल के पेड़, नीम का पेड़-1, मिर्ची के बगान के लिए शेड, उप्पलम्मा मंदिर
29		77/ए		पट्टा	शुष्क	धरावत पांड्या नायक सुपुत्र रामु (पी और ई)	0.06 ¼	कुछ नहीं
30	77/1/2	16/एए/1/1	0.16	पट्टा	शुष्क	बानोत राम बाबु सुपुत्र बिच्चा (पी और ई)	0.15	मिर्ची , बोर, कुआं, पाइप लाइन, नीम का पेड़-1,
31		74/2/1		पट्टा	आर्द्र	आल्ला नागभूषणम सुपुत्र गुरुनाथम (पी और ई)	0.01	कुछ नहीं
32	74/1/2	74/2/1	0.10 ¼	पट्टा	आर्द्र	आल्ला नागभूषणम सुपुत्र गुरुवय्या (पी और ई)	0.02 ¼	कुआं-1, धान की फसल
33		74/1		पट्टा	आर्द्र	आल्ला कोटम्मा पत्नी उपेंदर (पी और ई)	0.08	बोर-1, धान की फसल
कुल क्षेत्र (एकड़ - गुंटा में)							7.33 ¼	

[फाइल सं.: W.Con.182/SRP-05/DKJ-MU/23-24/246/20E/280825]

(सुनील कुमार वर्मा)
मुख्य इंजीनियर / निर्माण-IV
दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1496

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 25 सितंबर- 2025

डांडिया की ताल पर गूंजता शक्ति-संग्राम

सुरेश गांधी

गरबा महज़ नृत्य नहीं, यह हमारी सांस्कृतिक चेतना का उत्सव है, जहां भक्ति, उल्लास और लोककला एकाकार होते हैं। शारदीय नवरात्र हमें स्मरण कराते हैं कि शक्ति की उपासना मंदिरों में ही नहीं, हमारे सामूहिक नृत्य और संगीत में भी उतनी ही प्राणवान है। यह परंपरा पीढ़ियों को जोड़ते हुए कहती है, सृष्टि का चक्र अनंत है, और उस चक्र की धुरी पर है माता की अदम्य शक्ति। खास यह है कि जब नवरात्र की रात गहराती है और डांडिया की खनक आकाश तक पहुंचती है, तो लगता है मानो देवी की तलवारें फिर से महिषासुर के अभिमान को चीर रही हों। चमकदार डांडिया स्टीक मां की तलवार का रूप ले लेती है। गोल घेरे में पुरुष और महिलाएं जब एक साथ लयबद्ध थिरकते हैं, तो यह केवल नृत्य नहीं, देव-दानव संग्राम का नाट्यरूप होता है. मतलब साफ है यह केवल नृत्य नहीं, यह विजय का उत्सव, भक्ति का आलोक और शक्ति का शाश्वत उद्घोष है। नवरात्रि का नाम लेते ही मन में जैसे अनगिन दीपों का उजास फैल जाता है। कानों में ढोल-नगाड़ों की थाप गूंजती है, पांवों में अपने आप लय उतर आती है। मां अंबे की आराधना का यह पर्व केवल उपवास और पूजा का नहीं, बल्कि आनंद, उल्लास और रंगीन लोकजीवन का भी महोत्सव है। इस महोत्सव का सबसे जीवंत, सबसे आकर्षक और सबसे जादुई रंग है, गरबा और डांडिया नवरात्रि की रात जैसे ही उतरती है, आसमान में चांदनी घुलने लगती है और धरती पर रंगीन दीपकों का समंदर चमक उठता है। ढोल की थाप पर जब चमकदार डांडिया स्टीक आपस में टकराती हैं, तो वह सिर्फ संगीत की लय नहीं होती—वह मां दुर्गा और महिषासुर के बीच हुए उस प्राचीन युद्ध की प्रतिध्वनि होती है, जिसने अच्छाई की विजय और शक्ति की अजेयता का संदेश दिया। डांडिया का हर प्रहार, हर टकराहट मां दुर्गा की तलवार की चमक का प्रतीक है। गोल घेरे में थिरकते पुरुष और महिलाएं मानो देवासुर संग्राम का मंचन कर रहे हों। डांडिया की जोड़ी एक ओर युद्ध का आभास कराती है तो दूसरी ओर भक्तिभाव से भरे हृदय की प्रार्थना भी सुनाई देती है। यह नृत्य बताता है कि शक्ति और सौंदर्य, साधना और उत्सव—सब साथ-साथ चल सकते हैं।

डांडिया की शुरुआत 'गरबा' से होती है। छिद्रयुक्त मिट्टी के कुंभ में प्रज्वलित दीपक—गर्भदीप—ज्ञान का वह प्रकाश है जो अंधकार को चीर देता है। उसकी लौ ऊपर उठती है, संकेत देती है कि चेतना भी देह की सीमाओं से ऊपर उठे। गरबा में बजती तीन तालियां ब्रह्मा, विष्णु और महेश को नमन करती हैं, जबकि डांडिया उस आराधना का चरम बिंदु है—जहां नृत्य युद्ध बन जाता है और युद्ध पूजा। डांडिया रातों में रंगों का जो जादू बिखरता है, वह किसी स्वप्न से कम नहीं। महिलाएं चनिया-चोली में, पुरुष केडिया और पगड़ी में, झिलमिलाते आभूषणों से सुसज्जित, जब गोल घेरे में उतरते हैं तो हर टकराहट में एक बिजली सी कौंधती है। ढोल, मंजीरा, खंजरी और ढमाल की लय मिलकर ऐसा समां बांधते हैं कि लगता है देवी स्वयं रणभूमि में नृत्य कर रही हों।

यह नृत्य केवल आध्यात्मिक नहीं, शारीरिक साधना भी है। तेज गति, निरंतर घूमना और लयबद्ध थिरकन शरीर को ऊर्जा से भर देती है। चिकित्सक मानते हैं कि डांडिया कैलोरी घटाने और हृदय को सक्रिय रखने का सर्वोत्तम साधन है। यहां भक्ति के साथ स्वास्थ्य का अद्भुत संगम दिखाई देता है। गुजरात से आरंभ हुआ यह उत्सव अब देश की सीमाओं से आगे निकल चुका है। दिल्ली, कोलकाता, वाराणसी, मुंबई—हर जगह डांडिया रातों की चमक दिखती है। धर्म, जाति और भाषा की दीवारें इस नृत्य में घुल जाती हैं।

एक ही गोल घेरे में हर उम्र, हर पृष्ठभूमि के लोग शक्ति की आराधना में मग्न हो जाते हैं। समय के साथ डांडिया में फिल्मी गीतों और इलेक्ट्रॉनिक बीट्स ने नई चमक भरी है। कहीं सजीव लोकगीत गूंजते हैं तो कहीं आधुनिक रिमिक्स। परंतु असली आत्मा वही है—तलवार सी टकराती स्टीक्स, दीपशिखा की उजास और मां की अजेयता का स्मरण। जब नवरात्र की रात गहराती है और डांडिया की खनक आकाश तक पहुंचती है, तो लगता है मानो देवी की तलवारें फिर से महिषासुर के अभिमान को चीर रही हों। यह केवल नृत्य नहीं—यह विजय का उत्सव, भक्ति का आलोक और शक्ति का शाश्वत उद्घोष है।

नवरात्रि का पर्व आते ही गुजरात की धरती पर गरबे की गूंज फैल जाती है। मां अंबे की भक्ति में डूबे इस पारंपरिक उत्सव में जहां एक ओर रंग-बिरंगे परिधान, ताली की लय और डांडियों की टनक मन मोह लेती है, वहीं बदलते समय ने इसकी सादगी और आत्मिकता पर बाज़ार की परछाईं भी डाली है। कभी यह आयोजन केवल आराधना का था, कच्चे घड़े को फूल-पत्तियों से सजाकर, चार दीप जलाकर, लयबद्ध तालियों और मधुर भजनों में डूब जाने वाला। "मीठी लहक में कोई गा रहा होता है, ढोलीड़ा ढोल धीमो बगाड़..." जैसे गीतों की गूंज वातावरण को देवीमय कर देती थी।

कहा जाता है कि प्राचीन काल में जंगलों में बांस के पेड़ आपस में टकराते तो एक अनोखी ध्वनि निकलती, उसी से प्रेरित होकर डांडियां तैयार की गईं। लेकिन जैसे-जैसे समाज और बाजार का दायरा बढ़ा, गरबा भी नए रंग में ढलने लगा। अब ऊंचे पंडाल, चमकदार रोशनियां, सेलिब्रिटी की मौजूदगी और महंगे टिकट कई आयोजनों की पहचान बन चुके हैं। जहां कभी चार दीपों की लौ श्रद्धा का प्रतीक थी, वहां अब रंगबिरंगी आतिशबाज़ी उसकी आभा ढक लेती है। गुजराती लोकगीतों की जगह फिल्मी धुनें बजने लगी हैं।

फिर भी, इस आधुनिकता के बीच पारंपरिक गरबे का आकर्षण कम नहीं हुआ। चनिया-चोली में सजी युवतियां, केडिया और पगड़ी में सजे युवक जब दो, छह, आठ या बारह तालियों के साथ झूमते हैं तो पुरानी संस्कृति की आत्मा आज भी महसूस होती है। यही वजह है कि नवरात्रि के अलावा विवाह और अन्य हर्षोल्लास के अवसरों पर भी गरबा नृत्य ने अपनी जगह बना ली है।

बदलाव चाहे जितना हो, गरबा आज भी मां अंबे की उपासना का जीवंत प्रतीक है। उत्साह, रंग और भक्ति का यह अद्भुत संगम समय की हर परत को पार कर हमारे जीवन में वैसा ही उल्लास भरता है, जैसा सदियों पहले भरता था।

दो नावों पर सवार पाकिस्तान

पाकिस्तान अपनी दोगली नीतियों की वजह से पूरी दुनिया में कुख्यात है। अपनी आदत के मुताबिक अब वह चीन और अमेरिका के बीच 'डबल गेम' खेल रहा है, जो आने वाले समय में उसके लिए ही भस्मासुर साबित हो सकता है। आतंक की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान का 'डबल गेम' एक न एक दिन उसके गले की फांस बन सकता है। वह ऐसी मुसीबत में उलझ रहा है, जहां से निकलना उसके लिए टेढ़ी खीर साबित होगा। जिस दिन ऐसा होगा वह निश्चित ही भारत के लिए स्वर्णिम दिन होगा। पाकिस्तान के दोनों महाशक्तियों के बीच पिसने का मतलब है कि वह आंतरिक रूप से कमजोर हो जाएगा। क्योंकि, उसका पूरा ध्यान उन दोनों देशों को मैनेज करने में ही लगा रहेगा। दरअसल, पाकिस्तान पिछले करीब एक दशक से चीन का पिछलग्गू बना हुआ है। महंगी ब्याज दर पर बंपर कर्जा लेता रहा। बदले में चीन को अपने देश के खनिज संसाधनों की लूटने का मौका दिया। लेकिन अब पाकिस्तान का झुकाव अमेरिका की तरफ भी हो चला है। पाकिस्तान चीन के साथ भी अच्छे संबंध बनाए रखना चाह रहा है तो वहीं अमेरिका को साधने में भी पीछे नहीं है। इसकी बानगी हाल के कुछ महीनों में पूरी दुनिया ने देखा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लंच पर बुलाया वह तो निहाल हो गया। खाने की टेबल पर ही मुनीर ने ट्रंप को बलूचिस्तान में क्रिप्टो, तेल और खनिजों तक पहुंच की पेशकश तक कर दी। यही नहीं ऑपरेशन सिंदूर में भारत से बुरी तरह पिटने के बाद शहबाज शरीफ और असीम मुनीर ने सीजफायर का क्रेडिट भी ट्रंप को दे दिया। एक कदम और आगे बढ़ाते हुए पाकिस्तान ने ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की डिमांड भी कर डाली। अपनी चाल से ही पाकिस्तान दोहरी मुश्किल में फंस गया है। अब अमेरिका ने अफगानिस्तान लौटने का फैसला किया है। जाहिर है कि उसकी वापसी पाकिस्तान के रास्ते ही होगी। चीन के लिए, अमेरिका का अफगानिस्तान लौटना बडे झटके के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि बगराम एयरपोर्ट से अमेरिका के निकलने पर अफगानिस्तान की खनिज संपदा चीन की झोली में आ गई थी। चीन ने तो सीपीईसी कॉरिडोर को अफगानिस्तान तक ले जाने का प्लान बना लिया था। चीन की नजर अफगानिस्तान की उस खनिज संपदा पर है, जो 2021 में अमेरिका के जाने के बाद चीन के कब्जे में आने वाले थे। दूसरी ओर चीन पाकिस्तान को अपना 'आयरन ब्रदर' मानता आया है। वह पाकिस्तान को 62 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के एक प्रमुख साझेदार के तौर पर देखता है। इसलिए, चीन, पाकिस्तान को एक जागीरदार से ज्यादा कुछ नहीं मानता। ऐसे में असली सवाल यह है कि बीजिंग शरीफ और मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोस्ती को बहुत दिनों तक बर्दाश्त नहीं कर सकेगा। ऐसे में क्या चीन इतनी आसानी से पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अमेरिका के हाथों में जाने देगा। जाहिर है जब अमेरिका और चीन के हित आपस में टकराएंगे तो वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान जंग का एक नया अखाड़ा न बन जाए।

पंडित दीनदयाल: भारतीयता के संवाहक, विचारों के युग-पुरुष

आरके जैन

भारत की आत्मा को यदि किसी विचार ने गहराई से स्पर्श किया है, तो वह है "एकात्म मानववाद", और इसके प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय। उनकी जयंती, 25 सितंबर, केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक विचार की पुनर्जनन की प्रेरणा है—एक ऐसे भारत का संकल्प, जहाँ समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा में शामिल हो। दीनदयाल जी का जीवन सादगी का प्रतीक था, उनका चिंतन ऊँचा और दृष्टिकोण इतना विशाल कि वह आज भी हमें दिशा देता है। वे न केवल एक राजनेता या दार्शनिक थे, बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक, सामाजिक अभियंता और एक ऐसे युग-पुरुष थे, जिनके विचारों ने भारत को अपनी जड़ों से जोड़कर भविष्य का रास्ता दिखाया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को मथुरा के नगला चंद्रभान गाँव में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय रेलवे में सहायक स्टेशन मास्टर थे, और माता रामप्यारी धर्मपरायण थीं। बचपन में ही माता-पिता का साया खो देने के बावजूद, उनके नाना चुन्नीलाल शुक्ल ने उन्हें पाला। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने हार नहीं मानी। यह उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी ताकत थी—हर संकट में अवसर ढूँढना और हर कठिनाई में संतुलन बनाए रखना। यही गुण बाद में उनके वैचारिक और सामाजिक जीवन का आधार बना।

उनकी शिक्षा मथुरा, सिकंदराबाद, इलाहाबाद और कानपुर में हुई। गणित और संस्कृत में उनकी गहरी रुचि थी, और वे हमेशा अव्वल रहे। लेकिन उनकी असली शिक्षा समाज के बीच हुई। गाँवों में घूमकर, किसानों-मजदूरों से मिलकर, उन्होंने भारत की आत्मा को समझा। उनका मानना था कि भारत की प्रगति की कुंजी उसकी मिट्टी, उसके गाँवों और उसके लोगों में छिपी है। इस सोच ने उन्हें 1942 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पूर्णकालिक प्रचारक बनने के लिए प्रेरित किया, जहाँ उन्होंने संगठन, अनुशासन और सेवा के मूल्यों को आत्मसात किया।

आरएसएस में उनकी संगठन क्षमता ने उन्हें उत्तर प्रदेश में एक मजबूत आधार दिया। लेकिन उनका सबसे बड़ा योगदान 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना में रहा, जिसे उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर स्थापित किया। जनसंघ के महासचिव और बाद में अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने संगठन को वैचारिक और व्यावहारिक दोनों स्तरों पर मजबूत किया। उनके लिए राजनीति सत्ता का खेल नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का साधन थी। वे कहा करते थे, "हम सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए राजनीति करते हैं।" यह दृष्टिकोण आज भी भारतीय राजनीति में प्रासंगिक है, जब नेतृत्व से अपेक्षा की जाती है कि वह समाज के हित को सर्वोपरि रखे।

दीनदयाल जी का सबसे क्रांतिकारी योगदान "एकात्म मानववाद" का दर्शन है। उस दौर में जब विश्व पूँजीवाद और साम्यवाद के बीच बँटा था, दीनदयाल जी ने भारत के लिए एक तीसरा रास्ता सुझाया। पूँजीवाद व्यक्तिगत स्वार्थ को बढ़ावा देता है, और साम्यवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कुचलता है। इसके विपरीत, एकात्म मानववाद मनुष्य को एक समग्र इकाई मानता है—शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का संतुलन। उनका कहना था कि विकास केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक होना चाहिए। यह दर्शन भारत की सनातन परंपराओं से प्रेरित था, जो व्यक्ति और समाज के बीच सामंजस्य की बात करता है।

इस दर्शन का मूल आधार था "अंत्योदय"—समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति का उत्थान। दीनदयाल जी का मानना था कि किसी भी नीति की सफलता का पैमाना यह है कि वह समाज के सबसे कमजोर वर्ग तक कितनी पहुँचती है। यह विचार आज भारत की नीतियों में स्पष्ट दिखता है—चाहे वह गरीब कल्याण योजनाएँ हों या समावेशी विकास के प्रयास। उनकी यह सोच सामाजिक न्याय और समानता की नींव रखती है, जो आज के दौर में भी उतनी ही प्रासंगिक है।

दीनदयाल जी की पर्यावरण के प्रति चेतना भी उनकी दूरदर्शिता को दर्शाती है। वे मानते थे कि प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सहजीवन का होना चाहिए। उनकी "धर्मक्षेत्रे-कुरुक्षेत्रे" की अवधारणा में धर्म को केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और व्यक्ति के बीच संतुलन का विज्ञान बताया। आज जब जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट वैश्विक चुनौती हैं, उनकी यह सोच सतत विकास की दिशा में एक मार्गदर्शक है।

तेजस्वी के खिलाफ घर वालों की बगावत से बीजेपी गदगद

संजय सक्सेना

बिहार की सियासत में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा का विषय लालू प्रसाद यादव का परिवार बना हुआ है। लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल में नेतृत्व की बागडोर संभाल रहे तेजस्वी यादव को लेकर एक बार फिर से घर के भीतर खटपट की खबरें सामने आ रही हैं। विपक्षी नेताओं ने इस खटपट को और गहराने का मौका पकड़ लिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने तो तेजस्वी यादव को राजद का औरंगजेब तक करार दे दिया। उनका आरोप है कि तेजस्वी पहले अपने ही बड़े भाई का राजनीतिक करियर खत्म कर चुके हैं और अब अपने पिता लालू प्रसाद यादव तक को चुप करा दिया है। इस तरह का बयान मिलने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि क्या वाकई लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। तेजस्वी के खिलाफ उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव, बहन मीसा भारती और रोहणी आचार्य तीनों खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। क्या इसका असर बिहार की राजनीति और खासतौर पर आगामी चुनावों में राजद पर पड़ेगा,यह भविष्य की राजनति में छिपा है।

तेजस्वी यादव, जो लंबे समय तक लालू प्रसाद यादव के सबसे भरोसेमंद वारिस माने जाते रहे हैं, आज पूरी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। लेकिन हाल के दिनों में संगठन और परिवार के भीतर से यह खबरें लगातार आ रही हैं कि सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। लालू परिवार में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर पुराने मतभेद कई बार सतह पर आए हैं। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। तेजप्रताप कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी उपेक्षा का दर्द बयां कर चुके हैं। कभी कहा गया कि उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा तो कभी यह आरोप लगे कि उनकी अनदेखी कर सारी शक्ति धीरे-धीरे तेजस्वी के हाथों में सौंप दी गई है।

तेजप्रताप यादव के अलावा मीसा भारती भी कई मौकों पर अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को सामने ला चुकी हैं। मीसा को राजनीति में ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं मिल रही, यह सवाल समर्थकों के बीच खड़ा होता रहा है। इस तरह यह साफ है कि लालू परिवार में उत्तराधिकार और नेतृत्व का सवाल हमेशा से भीतर-भीतर तनाव का कारण बना रहा है। आज जब भाजपा जैसे विपक्षी दल लालू परिवार में इस खटपट को उभार रहे हैं और तेजस्वी यादव को औरंगजेब कहकर संबोधित कर रहे हैं, तो यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि एक गहरे संकट की ओर इशारा भी है। अमित मालवीय का आरोप यह संकेत देता है कि भाजपा आगामी चुनाव में इस परिवारिक विवाद को बड़े मुद्दे के रूप में सामने लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने जिस तरह कहा कि तेजस्वी ने अपने भाई को राजनीतिक रूप से खत्म कर दिया और पिता को जेल के हवाले छोड़ दिया, उसी तरह यह एजेंडा बनाकर जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सकता है। बिहार की राजनीति में परिवारवाद का सवाल हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। इस पर हमला कर विपक्ष अपने लिए मौका तलाशता है।

लालू यादव का प्रभाव अब भी मुस्लिम-यादव समीकरण में गहरा है लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब जनता यह भी देख रही है कि जिन नेताओं ने परिवार के नाम पर राजनीति की, उनके भीतर ही असहमति और मतभेद का माहौल क्यों है। राजद के मतदाताओं के सामने यह स्थिति असमंजस पैदा कर सकती है। तेजस्वी यादव की छवि जहां एक युवा और महत्वाकांक्षी नेता की है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर के परिवारिक विवाद विपक्ष के लिए मजबूत हथियार बनते जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वे अपनी राजनीतिक यात्राओं और अभियानों में लगे हुए हैं, लेकिन पार्टी के भीतर यह असंतोष धीरे-धीरे और गहराता जा रहा है। संगठन के कई पुराने नेता भी निजी बातचीत में स्वीकार करते हैं कि अगर परिवारिक संघर्ष सार्वजनिक रूप से और बढ़ा तो इसका नुकसान पार्टी को चुनावी मैदान में भुगतना पड़ेगा। यह नुकसान खासकर उन इलाकों में झेलना पड़ सकता है जहां राजद का सामाजिक आधार कमजोर हो चुका है या फिर जहां भाजपा और जदयू ने पैठ बना ली है।

लालू यादव का स्वास्थ्य और उनकी उम्र भी इस समय एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। जेल की सजा और बीमारी के चलते लालू यादव अब सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे में जो भूमिका पहले वे परिवार और पार्टी दोनों को एकजुट रखने के लिए निभाते थे, वैसी स्थिति आज नहीं रही। लालू प्रसाद यादव का राजनीतिक करिश्मा परिवार को जोड़े रखने का बड़ा सहारा था। लेकिन आज वही संतुलन टूटता नजर आ रहा है। इस खालीपन में तेजस्वी यादव अपनी ताकत तो बढ़ा रहे हैं, पर दूसरी ओर भाई-बहनों और यहां तक कि संगठन के भीतर एक वर्ग उपेक्षित महसूस कर रहा है। बिहार में चुनावी राजनीति पूरी तरह से समीकरण आधारित होती है। यादव-मुस्लिम मतों के साथ-साथ अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों का समर्थन जीतने की जद्दोजहद हर चुनाव में होती है। यदि लालू परिवार में झगड़े की खबरें ज्यादा उभरें और विपक्ष इसका प्रचार करे तो इससे राजद के परंपरागत मतदाता भी कमजोर पड़ सकते हैं। मतदाता यह सोचने लग सकते हैं कि अगर परिवार ही एकजुट नहीं है तो पूरी पार्टी कैसे स्थिर नेतृत्व दे पाएगी।

राजद के अंदरूनी संकट का फायदा भाजपा और जदयू जमकर उठाने की कोशिश करेंगे। तेजस्वी यादव भले ही मजबूत नेता के रूप में उभर रहे हों, लेकिन परिवार और संगठन के भीतर का यह मतभेद उनका सबसे बड़ा दुर्बल पक्ष बनता जा रहा है। चुनाव में जनता जब समर्थन देती है तो वह केवल नेता की छवि ही नहीं बल्कि संगठन और उसके आंतरिक हालात को भी ध्यान में रखती है। ऐसे में अगर लालू परिवार में अनबन की खबरें लगातार सामने आती रहीं तो इसका सीधा असर राजद की सीटों पर पड़ेगा। इस समय भाजपा और उनके नेता पूरी तरह इस रणनीति पर काम कर रहे हैं कि लालू परिवार में जो भी दरार है उसे जनता के बीच और बड़े मुद्दे के रूप में परोसा जाए। यही कारण है कि अमित मालवीय जैसे नेता तेजस्वी को औरंगजेब कहकर संबोधित करने से भी नहीं झिझक रहे हैं। यह कहानी केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि चुनावी लड़ाई की पूर्वभूमि है।

अगर तेजस्वी यादव समय रहते परिवार के भीतर के इस असंतोष को सुलझा नहीं पाए तो यह संभव है कि आगामी बिहार चुनाव में राजद को भारी नुकसान उठाना पड़े। मतदाताओं का विश्वास टूट सकता है और विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल सकता है। राजद के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह विपक्ष को इस परिवारिक अनबन पर हमला करने का मौका न दे। लेकिन हालात जिस तरह से बन रहे हैं, उस पर काबू पाना आसान नहीं होगा। राजद का सामाजिक आधार अब भी मजबूत है और तेजस्वी की लोकप्रियता युवाओं में अच्छी है, लेकिन परिवारिक विवाद को लेकर जनता के बीच अगर यह धारणा बन गई कि नेतृत्व केवल वर्चस्व की लड़ाई में उलझा है, तो यह राजद को बिहार की चुनावी जंग में नुकसान पहुंचा सकता है। यही वजह है कि आज अमित मालवीय के बयान ने इस मुद्दे को और भी ज्यादा तूल दे दिया है और इसका असर सीधे-सीधे चुनावी राजनीति में देखने को मिल सकता है।

राष्ट्रीय नीतियां और जनसंख्या का अतिरेक

संजीव ठाकुर

जनसंख्या किसी भी राष्ट्र का आधार होती है। यह न केवल समाज के ढाँचे को आकार देती है बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास को भी दिशा देती है।संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। यह स्थिति भारत के लिए दोहरी चुनौती है। एक ओर हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति और विशाल उपभोक वर्ग है।

दूसरी ओर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की कमी हमें इस जनसंख्या लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) को बोझ में बदलने की ओर धकेल सकती है। इतिहास साक्षी है कि जब भी किसी राष्ट्र ने अपनी जनसंख्या सही दिशा दिखाई है तो उसे राष्ट्र ने विकास की धारा को अपना कर एक विकसित राष्ट्र बनाया है । लेकिन जब यही जनसंख्या अनियंत्रित हो गई, तो वह गरीबी, बेरोजगारी और नियत संसाधनों के ह्रास का कारण बन कर देश को अन्य देशों की तुलना में काफी पीछे ढ़केल दिया है।

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनसंख्या का प्रश्न केवल आँकड़ों का ही नहीं बल्कि विकास के पैमाने का भी है। देश की 65 % जनसंख्या युवा जनसंख्या है यह स्थिति भारत को दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति प्रदान करती है। यदि इन्हें सही शिक्षा और प्रशिक्षण मिले तो यह जनसंख्या भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में सहायक हो सकती है।

अधिक जनसंख्या का मतलब बडी उपभोक्ता शक्ति और संभावनाएं। यही कारण है कि वैश्विक उपभोक्ता कंपनियाँ भारत को अपनी सामग्री बेचने का सबसे बड़ा बाज़ार मानती हैं। विशाल जनसंख्या के कारण यहाँ वस्तुओं और सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे उद्योग-धंधों को लगातार निरंतर प्रोत्साहन मिलता है।

अधिक लोग, अधिक विचारधारा, बड़ी आबादी के बीच से नई सोच, तकनीकी आविष्कार और सृजनशीलता के अवसर बढ़ते हैं। भारतीय युवाओं की प्रतिभा ने आईटी, स्टार्टअप और वैज्ञानिक अनुसंधान में विश्व पटल पर भारत की साख मजबूत की है।

विविध जनसंख्या भारत की सांस्कृतिक शक्ति है। अलग-अलग भाषाएँ, परंपराएँ और जीवनशैली समाज को गतिशील और समृद्ध बनाती हैं। यही विविधता भारत को विश्व मंच पर "बहुलता में एकता" का संदेश देने योग्य बनाती है।

भारत की सबसे बड़ी और गंभीर समस्या यह है कि हर साल।लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं परिणामस्वरूप बड़ी आबादी बेरोजगार रह जाती है या असंगठित क्षेत्र में कम आय पर काम करती है। बेरोजगारी तथा अत्यधिक जनसंख्या का सीधा असर परिवार की आय पर पड़ता है। बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन बिताने को विवश हैं। यही गरीबी अशिक्षा और कुपोषण को जन्म देती है, जिससे विकास का चक्र धीमा पड़ जाता है।

भूमि, जल, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। लेकिन बढ़ती जनसंख्या इनके अति-दोहन का कारण बनती है। जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याएँ तेजी से सामने आ रही हैं बढ़ती जनसंख्या का बड़ा हिस्सा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करता है। इससे महानगरों में झुग्गी-झोपड़ियाँ बढ़ती हैं, यातायात और प्रदूषण की समस्या गहराती है तथा जीवन स्तर गिरता है।

जनसंख्या वृद्धि का सबसे बड़ा दुष्परिणाम पर्यावरण पर पड़ता है। प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन ये सभी अनियंत्रित आबादी के प्रत्यक्ष नतीजे हैं।

जब जनसंख्या का बड़ा हिस्सा बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रह जाता है तो समाज में असंतोष, तनाव और अपराध बढ़ने लगते हैं। यही स्थिति सामाजिक असमानता और असुरक्षा को जन्म देती है।

चीन ने जनसंख्या नियंत्रण में "वन चाइल्ड पॉलिसी" जैसी कठोर नीतियों का सहारा लिया, जबकि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के चलते जागरूकता और परिवार नियोजन पर जोर दिया गया है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों और अशिक्षित वर्गों में अभी भी जागरूकता का स्तर कम सरकारी कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के जरिए छोटे परिवार के लाभ समझाना आवश्यक है। गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार बढ़ाना होगा। शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। खासकर महिला शिक्षा जनसंख्या नियंत्रण में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को बेहतर दिशा देती है।

युवा शक्ति को सही दिशा तभी मिल सकती है जब उन्हें काम मिले। सरकार को कौशल विकास योजनाओं और उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। स्टार्टअप और लघु उद्योग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शहरों पर बोझ कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं का विकास आवश्यक है। इससे पलायन रुकेगा और संतुलित विकास होगा।

जनसंख्या को उत्पादक संसाधन बनाने के लिए स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ और किफ़ायती बनानी होंगी। कुपोषण और मातृ-शिशु मृत्यु दर घटाने पर विशेष ध्यान देना होगा।

भारत के लिए जनसंख्या एक दोधारी तलवार है। यदि इसे सही दिशा, शिक्षा और रोजगार मिले तो यही जनसंख्या हमें विश्व शक्ति बनाने का सबसे बड़ा आधार बन सकती है। लेकिन यदि यह अनियंत्रित और अशिक्षित रही तो यही जनसंख्या गरीबी, बेरोजगारी और अशांति का सबसे बड़ा कारण भी बन सकती है।अतः आवश्यकता है कि हम इसे केवल बोझ न मानें, बल्कि अवसर के रूप में देखें और नियंत्रण, शिक्षा और विकास के माध्यम से इसे राष्ट्र की शक्ति में परिवर्तित करें।

समझदारी का झंडा उठाए घूमते लोग

डॉ. सुरेश कुमार

आजकल समझदार लोगों की बड़ी मांग है। हर जगह इन्हीं की पूछ-परख हो रही है। पहले सिर्फ़ अख़बारों में इनकी गिनती होती थी, कि फलां काम के लिए फलां समझदार व्यक्ति ने हामी भर दी। अब तो सोशल मीडिया के हर कोने में ये अपनी समझदारी का झंडा उठाए घूमते हैं।

सुबह-सुबह आप फ़ेसबुक खोलिए, कोई न कोई ज्ञानी महात्मा मिल जाएगा जो बताएगा कि जीवन को ऐसे जियो। दोपहर में वॉट्सऐप पर एक संदेश आएगा जिसमें लिखा होगा, सच्चा सुख सिर्फ़ इसमें है। शाम को आप टीवी खोलेंगे तो कोई विशेषज्ञ आपको आर्थिक समझदारी का ज्ञान देगा, कि कैसे अपनी गाढ़ी कमाई को बढ़ाएं।

और हम लोग हैं, जिन्हें कोई समझदार नहीं मानता। हम जो सुबह उठकर, बिना किसी ज्ञान के, बस उठ जाते हैं। हम जो चाय पीते हुए, यह नहीं सोचते कि इससे हमारी आध्यात्मिक उन्नति हो रही है या नहीं। हम जो दफ्तर जाते हुए सिर्फ़ यह सोचते हैं कि आज काम कैसे पूरा होगा, न कि यह कि काम ही पूजा है इस सिद्धांत को कैसे जीवन में उतारें।

समझदार लोग जब मिलते हैं तो उनकी बातचीत भी समझदारी से भरी होती है। एक कहेगा, देखो भाई, आजकल यह जो सब हो रहा है, यह सब राजनीति है। दूसरा कहेगा, अरे, आप नहीं समझते, यह तो आर्थिक चक्र है। तीसरा अपनी बात रखेगा, ये सब मानव स्वभाव की देन है। और हम सिर्फ़ सिर हिलाते रहते हैं। हमें यह भी नहीं पता होता कि 'मानव स्वभाव' में क्या-क्या आता है। शायद सुबह-सुबह उठकर नींद पूरी न होने पर चिड़चिड़ाना भी इसी में आता होगा।

सबसे बड़ी मुश्किल तब होती है जब कोई समझदार व्यक्ति हमसे सवाल पूछता है। अरे! आप क्या सोचते हैं? हम चुप रहते हैं। क्या बताएं? कि हम कुछ नहीं सोचते? कि हमारी सोच तो सिर्फ़ इस बात तक सीमित है कि आज शाम को घर के लिए कौन-सी सब्ज़ी खरीदनी है?

ये समझदार लोग ही हैं जो हर समस्या का समाधान जानते हैं। अगर देश में महंगाई बढ़ रही है, तो उनके पास उसका कारण भी है और इलाज भी। अगर बेरोजगारी है, तो वे बताते हैं कि बस, यह सब मानसिकता की बात है। उनके हिसाब से अगर हम अपनी मानसिकता बदल लें तो अगले दिन ही हमें नौकरी मिल जाएगी।

हम जैसे नासमझ लोग इसी उलझन में जीते हैं कि काश, हम भी समझदार होते! लेकिन फिर सोचते हैं, अगर हम भी समझदार हो गए तो हम भी हर बात पर ज्ञान देने लगेंगे। हमारी भी ज़िंदगी में जटिलता आ जाएगी। हमारी सोच भी 'आर्थिक चक्र' और 'मानव स्वभाव' के चक्र में फंसकर रह जाएगी।

तो चलिए, हम जैसे नासमझ लोग नासमझ ही ठीक हैं। न किसी को ज्ञान देना है, न किसी से ज्ञान लेना है। बस सुबह उठकर चाय पीनी है, काम पर जाना है, शाम को घर लौटकर परिवार के साथ बैठना है। हम सोचते हैं कि इससे ज़्यादा और क्या चाहिए? लेकिन शायद यही हमारी नासमझी का सबसे बड़ा सबूत है। क्योंकि समझदार लोग कहते हैं कि जिंदगी का असली मकसद तो जीवन को समझना है। और हम सिर्फ उसे जी रहे हैं।

आई लव मोहम्मद विवाद पर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान

'यह 3 अल्फाज लिख देने से किसी को ऐतराज क्या है'

जम्मू, 24 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर आई लव मोहम्मद के बैनर को लेकर यूपी के कानपुर से शुरू हुआ विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह तीन अल्फाज लिख देने से किसी को ऐतराज क्या है? मुझे समझ नहीं आता है कि गिरफ़्तारी की क्या वजह बनती है? जो दिमागी तौर पर बीमार होगा वही ऐसा कर रहा है, वही केस कर सकता है। अदालत इस मामले को देखे। आई लव मोहम्मद लिख देना क्या गलत है, कैसे गैरकानूनी है? क्या बाकी मजहब के लोग ईश्वर के बारे में नहीं लिखते? उमर अब्दुल्ला ने पूछा, "क्या हमारे सिख भाई ,हिन्दू भाई अपने भगवान के बारे में ऐसा नहीं लिखते। हर हिन्दू भाई की गाड़ी में भगवान की तस्वीर होती है। अगर यह गलत नहीं है तो आई लव मोहम्मद कह देना कैसे गलत हो गया।"

कैसे शुरू हुआ विवाद?

विवाद की शुरुआत यूपी के कानपुर में 4 सितंबर को बारावफात (ईद-ए-मिलादुन्नबी) के जुलूस के दौरान रावतपुर इलाके में हुई। जुलूस के रास्ते में 'आई लव मोहम्मद' का बैनर लगाया गया। इस पर स्थानीय हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई।

इस दौरान हिंदू और मुस्लिम दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर पोस्टर फाड़ने का आरोप लगाया। 9 सितंबर को कानपुर पुलिस ने 24 लोगों पर बारावफात जुलूस में नई परंपरा लाने और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मामला दर्ज किया। इसी के बाद विवाद और बढ़ गया और देश के कई हिस्सों में आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगाए गए।

पूर्ण राज्य के दर्जे पर सीएम का बयान

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एकबार फिर बुधवार (24 सितंबर) को पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग की। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में बीजेपी की विफलता की सजा जम्मू-कश्मीर के लोगों को राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी करके दी जा रही है। श्रीनगर में उमर अब्दुल्ला ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट को बताया गया था कि तीन चरणों वाली प्रक्रिया होगी - परिसीमन, चुनाव और फिर राज्य का दर्जा। परिसीमन पूरा हो चुका है, चुनाव हुए हैं और लोगों ने इसमें भाग लिया है। दुर्भाग्य से, बीजेपी नहीं जीत पाई, लेकिन यह राज्य का दर्जा देने से इनकार करने का कारण नहीं हो सकता। यह अन्याय है।"

कांग्रेसी विकास पर करने वाले थे चर्च लेकिन आपस में ही ढिशूम-ढिशूम करने लगे

हमीरपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जिला हमीरपुर में विकास पर चर्चा कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। बैठक में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू, पूर्व विधायक कुलदीप पठानिया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमन भारती, एपीएमसी चेयरमैन अजय शर्मा, विकास चर्चा प्रभारी सुनील कुमार मौजूद थे। इस दौरान डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा और दूसरे गुट के कार्यकर्ता भिड़ गए। बताया जा रहा है कि बैठक में विकास को लेकर चर्चा होनी थी, लेकिन आपसी मतभेद को लेकर लड़ाई हो गई।

कुत्ते के विवाद में हाई कोर्ट का अहम फैसला जानवर को लेकर दिल्ली में भिड़े थे पड़ोसी

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा फैसला सुनाया है जिसे सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे. दरअसल, जस्टिस अरुण मोंगा ने कुत्ते को लेकर दो पड़ोसियों में हुए झगड़े को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों को मिलकर आश्रम में पिज्जा और छाछ बांटने का आदेश दिया है. ऐसा करने के पीछे बेंच की मंशा यह थी कि मामला शांति और सौहार्द के साथ खत्म हो जाए. जस्टिस मोंगा का इस मामले पर कहना था कि यह विवाद आपराधिक नहीं है. इस मामले को तूल देना और सुनवाई करते रहने से न्यायप्रणाली का दुरुपयोग होगा और समय बर्बाद होगा. इसलिए, कोर्ट ने 19 सितंबर को इस मामले को खत्म करने के लिए आदेश दिया और इसकी आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का फैसला लिया.

कोर्ट ने दोनों पक्षों को पिज्जा और छाछ बांटने का आदेश दिया है. इस मामले में बेंच का कहना था कि पड़ोसियों के बीच प्रेम और सोहार्द बना रहना जरूरी होता है. ऐसे फैसलों से लोगों को सीख मिलेगी और साथ मिलकर काम करने से दोनों पक्षों के बीच मेल मिलाप बढ़ेगा और उनकी आपसी स्थिति में भी सुधार होगा. सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों में से एक

पड़ोसी पिज्जा बेचता है.

इसलिए, अदालत ने दोनों को मिलकर पिज्जा और छाछ बांटने का आदेश दिया है. इन्हें दिलशाद गार्डन में मौजूद जीटीबी अस्पताल के पास संस्कार आश्रम में सभी को वेजिटेबल पिज्जा और टेट्रा पैक छाछ देने होंगे. कोर्ट ने साफ कहा है कि आश्रम में मौजूद हर बच्चे, हर आश्रमवासी और कर्मचारियों को पिज्जा और छाछ देना होगा. शिकायतकर्ता द्वारा पिज्जा बनाया जाएगा लेकिन इस काम को भी पूरा करने के लिए दोनों पक्ष एक-दूसरे का सहयोग करेंगे. इस काम को सही आदेशानुसार किया जा रहा है या नहीं इसके लिए जांच टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है. टीम आगे कोर्ट को भी इसके साक्ष्य देगी.

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की अनुमति से हाईकोर्ट का इंकार

सरकार को दिए मुआवजा देने के आदेश

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार गर्भावस्था 29 सप्ताह की हो चुकी है और पीड़िता की सेहत की स्थिति गर्भपात के लिए उपयुक्त नहीं है। दुष्कर्म पीड़िता ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए गर्भ गिराने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने इसके लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का आदेश दिया था। मेडिकल बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि भ्रूण लगभग 29 सप्ताह 6 दिन का है और पीड़िता की नाड़ी व रक्तचाप असामान्य हैं। इस स्थिति में गर्भपात चिकित्सकीय रूप से सुरक्षित नहीं है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी निर्णायक मेडिकल रिपोर्ट के बाद संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत गर्भपात की अनुमति देना संभव नहीं है। पीड़िता को राहत देते हुए हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को निर्देश दिया कि उसे तुरंत न्यूनतम चार लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा दिया जाए। साथ ही हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को भी कहा गया है कि वह बीएनएसएस की धारा 396(4) या किसी अन्य उपयुक्त योजना के तहत पीड़ित को अतिरिक्त मुआवजा और सहायता देने पर विचार करे।

अदालत ने साफ किया कि यह राहत आदेश प्राप्त होने के दो महीने के भीतर दी जानी चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि पीड़िता को चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर में भर्ती कराया जाएगा और बच्चे के जन्म तक उसे सभी जरूरी चिकित्सकीय सुविधाएं व सहायता उपलब्ध कराई जाएंगी। बच्चे के जन्म के बाद उसका डीएनए नमूना संरक्षित किया जाए और जांच अधिकारी को सौंपा जाए ताकि आपराधिक मामले की जांच आगे बढ़ सके।

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा समेत कई आरोपी बरी

इस 12 साल पुराने मामले में मिली कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कांग्रेस दफ्तर के बाहर प्रदर्शन के मामले में सिरसा और 9 अन्य को बरी कर दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ 12 साल पुराने मामले में अपना फैसला सुनाया है, जिसमें इन लोगों पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का आरोप था। तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में 2013 में गैरकानूनी रूप से जमा होने और धारा 144 का उल्लंघन करने को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया था। कोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

इन नौ लोगों को मिली राहत

राउज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने अपना फैसला सुनाते हुए इस मामले से जुड़े सभी लोगों को बरी कर दिया। बरी किए गए लोगों में मनजीत सिंह जीके (तत्कालीन अध्यक्ष, शिरोमणि अकाली दल बादल, दिल्ली शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी), मनजिंदर सिंह सिरसा (तत्कालीन महासचिव, डीएसजीएमसी), ओंकार सिंह थापर (तत्कालीन सदस्य, डीएसजीएमसी), कुलदीप सिंह भोगल, मनदीप कौर बख्शी, अवतार सिंह हित (सदस्य), हरजीत सिंह (तत्कालीन उप महाप्रबंधक डीएसजीएमसी), हरमीत सिंह कालका (तत्कालीन संयुक्त सचिव), तेजिंदर पाल सिंह गोल्डी (तत्कालीन सदस्य), और बलजीत कौर खालसा का नाम शामिल है।

अभियोजन पक्ष ने दिया तर्क

अभियोजन पक्ष ने कहा कि उन्हें कोठी नंबर 26, अकबर रोड के पास लगाए गए पहले बैरिकेड पर रोक दिया गया। वे हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और जोर-जोर से नारे लगा रहे थे कि 'सज्जन कुमार को फांसी दो,' 'कांग्रेस हाय-हाय,' और 'सोनिया गांधी हाय-हाय।' पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की और बताया कि इस जगह पर धरना देना सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंधित है। चेतावनी के बावजूद, आरोपी मंजीत सिंह, जीके प्रधान और मनजिंदर सिंह सिरसा अपने उपरोक्त साथियों और समर्थकों के साथ, पहला बैरिकेड गिराने के बाद, दूसरे बैरिकेड की ओर बढ़ गए और नारेबाजी और प्रदर्शन करते हुए अपनी गतिविधियां जारी रखीं। अभियोजन पक्ष ने आगे बताया कि प्रदर्शनकारियों के साथ हुई हाथापाई की वजह से मौके पर खड़ी सरकारी बस का शीशा भी टूट गया था और इसी के आधार पर धारा 147, 149, 188 और 427 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था।

ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि आरोपियों को आईपीसी की धारा 147/188 और धारा 427 के तहत अपराधों के लिए संदेह का लाभ देती है और आरोपियों को इन अपराधों के लिए दोषी नहीं मानती है।

नेपाल में पूर्व पीएम की पत्नी को जलाया गया अब भारत में होगा इलाज

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में बीते दिनों हुई हिंसा के बाद अब हालात सामान्य होने लगे हैं। युवाओं की ओर से हुए प्रदर्शन के दौरान नेपाल के राजनेताओं के घरों पर भी हमले किए गए थे। इस दौरान नेपाल के पूर्व पीएम झालानाथ खनल के घर को भी आग के हवाले कर दिया गया था जिसमें उनकी पत्नी रवि लक्ष्मी चित्रकार बुरी तरह से जल गई थीं। अब लक्ष्मी को इलाज के लिए भारत लाया गया है। दरअसल, नेपाल में बीते 9 सितंबर को जेन-जेड युवाओं के प्रदर्शन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनल की पत्नी बुरी तरह से जल गई थीं। युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच काठमांडू के दल्लू क्षेत्र में झालानाथ के घर में भीड़ ने आग लगा दी थी। इस घटना में उनकी पत्नी रवि लक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से झुलस गई थीं। अब उन्हें आगे के इलाज के लिए भारत लाया गया है। झालानाथ खनल ने साल 2011 में फरवरी से अगस्त महीने तक नेपाल के प्रधानमंत्री का पद संभाला था। आग में झुलसने के बाद उनकी पत्नी का इलाज नेपाल के कीर्तिपुर के एक हॉस्पिटल में किया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक, रवि लक्ष्मी चित्रकार का शरीर 15 प्रतिशत तक जल चुका है। परिवारवालों ने जानकारी दी है कि उनका बांया हाथ पूरी तरह जल चुका है। आग की चपेट में आने के कारण पूर्व पीएम की पत्नी रवि लक्ष्मी चित्रकार की हालत खराब है। धुएं के कारण उनके फेफड़ों पर असर पड़ा है और उनके सीने में संक्रमण हो गया है। डॉक्टरों की सिफारिश के बाद रवि लक्ष्मी चित्रकार को इलाज के लिए भारत की राजधानी दिल्ली लेकर आया गया है।

पूर्व सैनिक की विधवा को 57 साल बाद न्याय, अब मिलेगी दो-दो पेंशन

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। 57 साल बाद एक पूर्व सैनिक की विधवा को आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) से न्याय मिला है। एएफटी की चंडीगढ़ बेंच ने आदेश दिया है कि दिवंगत सैनिक लांस नायक उमरावत सिंह की पत्नी चंदर पाती को 1968 से अमान्यता (इनवैलिड) पेंशन और 2011 से पारिवारिक पेंशन का भुगतान किया जाए। सरकार को तीन माह के भीतर बकाया राशि जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। लांस नायक उमरावत सिंह ने 12 सितंबर 1961 को भारतीय सेना में चिकित्सकीय रूप से फिट पाए जाने के बाद भर्ती ली थी। उन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में बहादुरी से हिस्सा लिया और उन्हें 'समर सेवा स्टार-65' से सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लंबे समय तक तैनाती से उन्हें मानसिक तनाव हुआ और बाद में उन्हें 'स्किजोफ्रेनिक रिएक्शन' का निदान हुआ। इसी कारण 17 दिसंबर 1968 को सात वर्ष तीन माह की सेवा के बाद उन्हें चिकित्सकीय आधार पर सेवा से हटा दिया गया। उमरावत सिंह ने 1972 में डिफेंस सिक्योरिटी कोर में दोबारा जॉइन किया, लेकिन कुछ ही महीनों में वहां से भी सेवा समाप्त हो गई। 31 जनवरी 2011 को उनका निधन हो गया। पति के निधन के बाद चंदर पाती ने 2018 में एएफटी में याचिका दायर की। उन्होंने जीवनभर की अमान्यता/विकलांगता पेंशन और फरवरी 2011 से पारिवारिक पेंशन की मांग की। याचिका के विरोध में केंद्र ने कहा कि उमरावत सिंह ने 15 वर्ष की अनिवार्य सेवा पूरी नहीं की, जो आर्मी पेंशन रेगुलेशन 1961 के तहत जरूरी है। साथ ही उनकी विकलांगता को 'न तो सैन्य सेवा से जुड़ा और न ही उससे बढ़ा हुआ' बताया गया था और यह 20% से कम आंकी गई थी। सरकार ने यह भी कहा कि इतने पुराने रिकॉर्ड तय अवधि पूरी होने के बाद नष्ट कर दिए गए हैं।

ट्रिब्यूनल का फैसला

न्यायिक सदस्य जस्टिस सुधीर मित्तल और प्रशासनिक सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह की बेंच ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि उमरावत सिंह 18 दिसंबर 1968 से लेकर 31 जनवरी 2011 तक अमान्यता पेंशन के हकदार थे। इसलिए उनकी पत्नी एक पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार है। इस फैसले से दशकों बाद सैनिक की विधवा को न्याय मिला है।

आश्रम में बाबा का 'गंदा खेल', वार्डन करवाती थी मुलाकात, 17 लड़कियों ने खोला स्कैंडल

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के एक नामी आश्रम में चल रहे गंदे खेल का पर्दाफाश हुआ है।आश्रम की काली हकीकत सामने आते ही हड़कंप मच गया। वहां पढ़ने वाली 17 लड़कियों ने जैसे ही वहां हो रही गंदी हरकतों का राज पुलिस के सामने खोला तो सबसे पहले आश्रम चलाने वाला स्वामी चैतन्यानंद वहां से फरार हो गया। दरअसल वहां मैनेजमेंट कोर्स की पढ़ाई कर रही 17 छात्राओं ने संचालक चैतन्यानंद पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। श्री शृंगेरी मठ और उसकी संपत्तियों के प्रशासक पीए।

मुरली की शिकायत पर स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ बीएनएस की कई धाराओं में यौन उत्पीड़न का केस दर्ज किया गया है। मामला दिल्ली के पॉश इलाके वसंत कुंज के एक नामी आश्रम का है। शिकायत मिलने के बाद वसंत कुंज (नार्थ) थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इस आश्रम में दो बैच चल रहे हैं, जिनमें लगभग 35 से ज्यादा छात्राएं पढ़ती हैं। इनमें से 17 छात्राओं ने पुलिस को दिए

बयान में कहा है कि आश्रम संचालक चैतन्यानंद सरस्वती ने उनके साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लिए हैं और संस्थान से मिले हार्ड डिस्क को भी एफएसएल जांच के लिए भेज दिया है। वहीं 16 पीड़िताओं के बयान अदालत (पटियाला हाउस कोर्ट) में भी दर्ज कराए गए हैं। इस मामले पर दक्षिणामन्या श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी आश्रम ने इन आरोपों पर सफाई दी है।

आश्रम ने बयान जारी कर कहा, स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल था। पीठ ने उसके खिलाफ शिकायत भी दर्ज की है। उनके आचरण और गतिविधियां अवैध, अनुचित और पीठ के हितों के खिलाफ रही हैं। इसी कारण उनसे पीठ के सभी संबंध समाप्त कर दिए गए हैं। स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती के अवैध कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही, शृंगेरी पीठ ने स्पष्ट किया है कि 'श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च' (वसंत कुंज, नई दिल्ली) एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है और यह संस्था पीठ के अधीन चल रही है। संस्थान का संचालन पीठ द्वारा गठित गवर्निंग काउंसिल करती है, जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ। कृष्णा वेंकटेश कर रहे हैं। गवर्निंग काउंसिल ने आश्वासन दिया है कि छात्रों के हितों की पूरी सुरक्षा की जाएगी और उनकी पढ़ाई तथा कार्यक्रमों में किसी तरह की रुकावट नहीं आने दी जाएगी। 4 अगस्त 2025 को पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप है कि स्वामी चैतन्यानंद ने ईडब्ल्यूएस स्कॉलरशिप पर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) कोर्स कर रही छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें कीं। अब तक 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 17 ने बताया कि आरोपी स्वामी ने उनसे अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया, आपत्तिजनक मैसेज भेजे और जबरन शारीरिक संपर्क बनाने की कोशिश की। पीड़िताओं का आरोप है कि संस्थान की कुछ महिला फैकल्टी और एडमिनिस्ट्रेशन स्टाफ ने भी स्वामी का साथ दिया और छात्राओं पर दबाव बनाया कि वे उसकी मांगें मानें।

छात्राओं का आरोप है कि आश्रम में काम करने वाली कुछ वॉर्डन उन्हें आरोपी से मिलवाती थीं। सभी पीड़ित छात्राओं के बयान अदालत में धारा 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज किए जा चुके हैं। वहीं मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है। आरोपी की तलाश में पुलिस ने कई जगह दबिश दी लेकिन अब तक उसका कुछ भी पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अपनी महंगी वॉल्वो कार पर फर्जी एंबेसी/ यूएन का नंबर प्लेट लगाकर घूमता था। चिन्मयानंद ने अपनी वॉल्वो कार पर 39 यूएन 1 लिखवाया था। पुलिस ने जब इस नंबर की जांच की और यूएन से रिपोर्ट मांगी, तो पता चला कि ऐसा कोई नंबर जारी ही नहीं किया गया है। आरोपी ने खुद ही कार पर यह फर्जी नंबर लिखवा लिया था।

हमारे पति भ्रष्टाचारी

नौकरानी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा काला चिट्ठा लेकर पहुंची डेप्युटी कलेक्टर की पत्नी

उज्जैन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में कलेक्टर की जनसुनवाई के दौरान एक महिला पहुंची। महिला एक डेप्युटी कलेक्टर की पत्नी है। उसने अपने पति पर कई आरोप लगाए हैं। साथ ही कलेक्टर से कार्रवाई की मांग की है। महिला का कहना है कि हमारे पति ने एसडीएम रहते हुए काफी भ्रष्टाचार किया है। साथ ही हमने उन्हें घर में नौकरानी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था। पत्नी का आरोप है कि उनके कई महिलाओं के साथ अवैध संबंध हैं। दरअसल, मोहम्मद सिराज मंसूरी पहले से कई मामले के आरोपी हैं।

अब वह नई मुसीबत में फंस गए हैं। डेप्युटी कलेक्टर सिराज मंसूरी की पत्नी तबस्सुम बानो ने मंगलवार को उज्जैन पहुंचकर शिकायत की है। तबस्सुम ने कहा है कि मेरे पति भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने एसडीएम रहते हुए छिंदवाड़ा, इंदौर और जबलपुर जैसे शहरों में खूब संपत्ति बनाई है। तबस्सुम बानो ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि वह कई बार बिना अनुमति के ही थाईलैंड और दुबई गए हैं।

इस दौरान वहां अय्याशी की है। पत्नी ने यह भी आरोप लगाया है कि पति के कई महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध हैं। इस बात पर हमने कई बार ऐतराज जताया है। पत्नी तबस्सुम बानो ने आरोप लगाया है कि पति सिराज मंसूरी के संबंध नौकरानी के साथ भी थे। हमने नौकरानी के साथ उन्हें आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था। इसके बाद मेरे ऊपर झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया था। पत्नी ने संपत्तियों की सूची कलेक्टर को सौंपी।

'एसआईआर से लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने और वोट चोरी का खतरा': दीपंकर भट्टाचार्य का बयान

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कहा कि यह देश की चुनावी परंपराओं से पूरी तरह हटकर है। पार्टी ने कहा कि यह प्रक्रिया बड़े पैमाने पर लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर सकती है और चुनाव में धोखाधड़ी को बढ़ावा दे सकती है। भाकपा (माले) लिबरेशन विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा रही है। पार्टी के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने इसे नोटबंदी जैसी विघटनकारी प्रक्रिया बताया और आरोप लगाया कि इसका मकसद सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मूल भावना से छेड़छाड़ करना है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग नागरिकता तय करने के वाली संस्था नहीं है। लेकिन 75 साल में ऐसा पहली बार हुआ है कि लोगों से उनकी नागरिकता साबित करने को कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह फैसला चुनावी प्रक्रिया से पूरी तरह अलग है और भारत के लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। भाकपा (माले) लिबरेशन और महागठबंधन की ओर से इस प्रक्रिया का जोरदार विरोध किया गया है। लेकिन इसके बावजूद बिहार में यह प्रक्रिया जारी है।

भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी पार्टी को आशंका थी कि प्रक्रिया शुरू होते ही बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाएंगे। करीब दो करोड़ लोग इससे प्रभावित हो सकते हैं। अब तक के घटनाक्रम में उनकी आशंका सही साबित हुई है। 65 लाख नाम अब तक हटाए जा चुके हैं और तीन लाख लोगों को नोटिस भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह कोई कल्पना नहीं, सच में हो रहा है। भट्टाचार्य ने दावा किया कि हटाए गए नामों में एक भी विदेशी घुसपैठिया नहीं था। 18 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट केआदेश के बाद जब चुनाव आयोग को हटाए गए नामों की सूची सार्वजनिक करनी पड़ी, तब यह साफ हुआ कि उनमें एक भी बांग्लादेश, नेपाल या म्यांमार का नागरिक नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की ओर से फैलाया गया घुसपैठिया का डर पूरी तरह झूठ निकला। भट्टाचार्य ने दावा किया कि बिहार में जुलाई से चलाए गए तीन जन अभियानों के चलते चुनाव आयोग को तीन बड़े फैसलों में बदलाव करना पड़ा। पहले चुनाव आयोग ने कहा था कि सभी आठ करोड़ मतदाताओं को 25 जुलाई तक फोटो और दस्तावेजों सहित फॉर्म जमा करना होगा। लेकिन जनता के विरोध के बाद यह आदेश बदल दिया गया। अब केवल फॉर्म देना था, दस्तावेज नहीं। पहली बार चुनाव पीछे हटना पड़ा।

उद्योगपति नुस्ली वाडिया और परिवार पर एफआईआर, 30 साल पुराना है मामला

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ अदालत में कार्यवाही में कथित रूप से जाली और मनगढ़ंत दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप में जाने-माने व्यवसायी नुस्ली नेविल वाडिया, मौरीन नुस्ली वाडिया, नेस वाडिया, जहांगीर नुस्ली वाडिया और अन्य सहित कुल सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। मुंबई के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन ने बीएनएस की धारा 318(4), 331(2), 336(3), 339, 340(2), 61(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि वित्तीय लाभ लेने और धोखाधड़ी तथा छल के इरादे से आरोपियों ने नकली और जाली दस्तावेजों का अवैध इस्तेमाल किया। शिकायतकर्ता ने वाडिया परिवार के खिलाफ अदालत का रुख किया था, जिसके बाद बोरीवली कोर्ट ने पुलिस को मामला दर्ज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने बांगुर नगर पुलिस को नुस्ली वाडिया, मौरीन वाडिया (78), नेस वाडिया (54), जहांगीर वाडिया (52), एच जे। बामजी (75), के। एफ। भारूचा और आर। ई। वंदेवाला (65) के खिलाफ कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह विवाद मलाड में स्थित एक जमीन के भूखंड पर वाडिया और फेरानी होटल्स के बीच 30 साल पुराने विकास समझौते को लेकर है। इस समझौते के तहत फेरानी होटल्स, बिल्डर के। रहेजा के साथ मिलकर जमीन का विकास करना था और वाडिया को कुल बिक्री आय का 12% मिलना तय था।

2008 में विवाद उत्पन्न होने के बाद वाडिया के हिस्से की बिक्री और जमीन के प्रबंधन को लेकर लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हुई। इस मामले में दुर्भावना, अधिकार की कमी और व्यावसायिक विवाद के आरोप लगे हैं और यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट समेत विभिन्न अदालतों में चला। शिकायतकर्ता, फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और उसकी समूह कंपनियों के सीईओ महेंद्र चंदे (70) ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने कथित रूप से जाली दस्तावेज बनाए और उन्हें उनके खिलाफ 2010 में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक कमर्शियल मामले में पेश किया।

तुर्किये के राष्ट्रपति ने यूएन में फिर कश्मीर मुद्दा उठाया

भारत-पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की मदद लें-2019 से 6 बार जिक्र कर चुके

वॉशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिए कश्मीर मुद्दे को हल करने की वकालत की। एर्दोगन ने कहा, "हमें खुशी है कि अप्रैल में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद सीजफायर हुआ। कश्मीर के हमारे भाइयों और बहनों के लिए, इस मुद्दे को यूएन सुरक्षा परिषद की मदद से सुलझाना चाहिए।"

भारत पहले भी ऐसी टिप्पणियों को खारिज कर चुका है। भारत का कहना है कि, जम्मू-कश्मीर हमारा आंतरिक मामला है। एर्दोगन 2019 से हर साल (2024 छोड़कर) यूएन में कश्मीर का जिक्र करते रहे हैं, जिसमें वे पाकिस्तान के तरफ अपना समर्थन दिखाते हैं।

तुर्किये ने भारत-पाक संघर्ष के दौरान पाकिस्तान का साथ दिया

एर्दोगन ने भारत-पाक संघर्ष के बाद 17 मई,2025 को कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की थी। उन्होंने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। एर्दोगन ने कहा था कि वो कश्मीर मुद्दा सुलझाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। उन्होंने भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। एर्दोगान ने कहा था कि अगर दोनों देश तैयार हो तो वो कश्मीर मामले में रोल निभाएंगे। हम शांति चाहते हैं, हम दो पड़ोसियों के बीच कोई तनाव नहीं चाहते। वही, इस्तांबुल में 24 मई, 2025 को शहबाज शरीफ ने एर्दोगन से मुलाकात की थी। इस दौरान एर्दोगन ने पाकिस्तान को खुफिया जानकारी, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट, एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और डिफेंस सेक्टरों में सहयोग देने का बाद कही थी।

भारत बोला था-जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न अंग

एर्दोगन की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। किसी दूसरे देश को इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, किसी देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने के बजाय, यह अच्छा होता कि सीमा पार आतंकवाद को रोकने पर बात करते, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई है।

ओआईसी ने भारत से कश्मीरी कैदियों को छोड़ने को कहा

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के जम्मू-कश्मीर संपर्क समूह की बैठक 23 सितंबर को महासभा के दौरान हुई। बैठक में अजरबैजान, पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब और नाइजर के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। ओआईसी महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा ने इसकी अध्यक्षता की। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के विशेष सहायक सैयद तारिक फातमी ने भारतीय हिस्से वाले जम्मू-कश्मीर (आईओजेके) की स्थिति पर जानकारी दी।

समूह ने भारत-पाक के बीच सीजफायर को अच्छा कदम बताया। साथ ही, जोर दिया कि कश्मीर मुद्दे का हल करने से ही स्थायी शांति संभव है। इसके अलावा प्रमुख कश्मीरी नेता शब्बीर अहमद शाह को लगातार हिरासत में रखने और जमानत न देने पर चिंता जताई। समूह ने ओआईसी के मानवाधिकार आयोग से आजाद जम्मू-कश्मीर और कंट्रोल लाइन पर जांच करवाने की मांग की ताकि वहां की स्थिति की सटीक जानकारी मिल सके। वहीं, समूह ने भारत से आईओजेके में लोगों की स्थिति में सुधार करने, सभी कश्मीरी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने, गैरकानूनी कश्मीरी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध हटाने, सभी कठोर कानूनों को हटाने और जम्मू-कश्मीर पर यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने की मांग की।

एस. जयशंकर ने नीदरलैंड और श्रीलंका समेत कई देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

न्यूयॉर्क, 24 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) शिखर सम्मेलन से इतर कई देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इनमें नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वान वील और श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ भी शामिल हैं। एक अन्य पोस्ट में एस जयशंकर ने लिखा, श्रीलंका की विदेश मंत्री विजिता हेराथ से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारे द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।

सेंट लूसिया के विदेश मंत्री अल्वा बैप्टिस्ट से मुलाकात के बाद जयशंकर ने पोस्ट किया, सेंट लूसिया के विदेश मंत्री अल्वा बैप्टिस्ट के साथ एक शानदार बातचीत हुई। उनकी संगति का हमेशा आनंद लेता हूं। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उन्होंने डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन के साथ चर्चा की। बैठक के बाद जयशंकर ने कहा, बातचीत की सराहना करता हूं। यूरोप और यूक्रेन संघर्ष में नवीनतम घटनाक्रमों पर उनकी अंतर्दृष्टि मूल्यवान थी। हमने द्विपक्षीय संबंधों और डेनिश प्रेसीडेंसी के तहत भारत-ईयू सहयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ भी बातचीत की और इसे समान विचारधारा वाले वैश्विक दक्षिण देशों की उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान एक त्वरित बातचीत बताया।

जयशंकर ने एक पोस्ट में लिखा, न्यूयॉर्क में समान विचारधारा वाले वैश्विक दक्षिणी देशों की उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान सिंगापुर के अपने मित्र विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ संक्षिप्त बातचीत हुई। इसके अलावा, उन्होंने मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील से भी मुलाकात की, जहां उन्होंने द्वीपीय राष्ट्र के विकास के लिए भारत के 'दृढ़ समर्थन' को दोहराया। मॉरीशस के विदेश मंत्री रितेश रामफुल के साथ अपनी बैठक में जयशंकर ने प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम की हालिया भारत यात्रा पर चर्चा की। उन्होंने कहा, न्यूयॉर्क में मॉरीशस के विदेश मंत्री रितेश रामफुल से मिलकर प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम की हालिया सफल भारत यात्रा पर चर्चा हुई।

'भारत हमारी तरफ है'

यूएनजीए में ट्रंप के दावों के उलट यूक्रेनी राष्ट्रपति का अहम बयान, जानें चीन पर क्या कहा

कीव, 24 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत को लेकर एक अहम बयान दिया है।

एक अमेरिकी मीडिया समूह को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'भारत अधिकतर हमारी तरफ ही है'। जेलेंस्की का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में किए गए उन दावों के बिल्कुल उलट माना जा रहा है, जिसके तहत ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध का मुख्य वित्तपोषक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन और भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन में चल रहे रूसी युद्ध की फंडिंग कर रहे हैं। चीन और भारत रूसी तेल खरीद कर इस युद्ध को वित्तपोषित करने वाले मुख्य देश हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह माना कि भारत-रूस के ऊर्जा सौदों के कारण कुछ जटिलताएं आई हैं, लेकिन उन्होंने आशा जताई कि भारत रूसी ऊर्जा सेक्टर के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव करेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है भारत अधिकतर हमारी तरफ है। हां हमारे पास ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप उससे निपट सकते हैं। जेलेंस्की ने साफ किया कि रूस और भारत के बीच ऊर्जा समझौतों को लेकर कुछ समस्याएं हैं।

मुंबई से पहलगाम हमले तक फैजा रिफत ने वैश्विक आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को दिया दो टूक संदेश

जिनेवा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र में राजस्थान की फैजा रिफत ने जोरदार तरीके से भारत का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। जिनेवा में मौजूद प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रिफत ने कहा कि भारत का लोकतंत्र विविधता में एकता के सिद्धांत पर मजबूती से टिका है, जिसने एक ही देश में कई संस्कृतियों, धर्मों और भाषाओं को एक साथ फलने-फूलने का असवर दिया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हर व्यक्ति को विचार, विश्वास और अभिव्यक्ति की आजादी देता है, जिससे भारत वास्तव में बहुलवाद का जीवंत उदाहरण है।

रिफत ने भारत की सबको साथ लेकर चलने की परंपरा की सराहना की और आतंकवाद से पैदा हुई अस्थिरता और खतरों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने 2008 के मुंबई हमलों और हाल के पहलगाम हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये घटनाएं याद दिलाती हैं कि हिंसा किस तरह शांति को खत्म कर देती है, निर्दोष लोगों की जान लेती है और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाती है।

उन्होंने कहा, ये हमले केवल भारत पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर हमले हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद भारत की जनता की सहिष्णुता, मानवाधिकारों और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को लेकर प्रतिबद्धता बनी हुई है। उन्होंने संवाद और अहिंसक तरीकों से विवाद सुलझाने की भारती नीति को दोहराया और वैश्विक शांति की स्थापना में भारत की जिम्मेदार भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने पूरी दुनिया से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर जवाब देने की अपील की। रिफत ने चेतावनी दी कि चरमपंथी हिंसा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने कहा, हम केवल सहयोग, आपसी सम्मान और सामूहिक संकल्प के जरिए ही नफरत का सामना कर सकते हैं और अपने शाझा भविष्य की रक्षा कर सकते हैं। फैजा रिफत ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के अनुरूप शांति और मानव गरिमा की रक्षा के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

साल का सबसे ताकतवर तूफान रागासा हॉन्गकॉन्ग पहुंचा

हॉन्गकॉन्ग, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हॉन्गकॉन्ग में इस साल का सबसे शक्तिशाली तूफान सुपर टाइफून रागासा पहुंचा। इसके चलते भारी बारिश हो रही है, जिससे बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। हॉन्गकॉन्ग सरकार ने बुधवार को टाइफून वॉर्निंग सिग्नल 10 (सबसे शक्तिशाली तूफान) जारी किया है। इस दौरान 200 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में तूफान घनी आबादी वाले शहरों पहुंच सकता है। इसके साथ ही समुद्र का स्तर दोपहर तक 4 मीटर (13 फीट) तक पहुंच सकता है। रागासा का असर ताइवान और चीन तक देखने को मिल रहा है। ताइवान में तूफान से 14 लोगों की मौत हो गई, कई लोग घायल हुए हैं। वहीं, 129 लोग लापता हैं। वहीं, चीन ने समुद्री इलाकों से 20 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। यहां, 100 लोग लापता हैं। मौसम ब्यूरो ने रागासा को 'तूफानों का राजा' कहा है। रागासा एक फिलिपीनी शब्द है, जिसका मतलब 'जुनूनी' होता है।

चार्ली किर्क को शहीद बताने पर गहराया विवाद

अश्वेत पादरियों ने जताया एतराज; नस्लवाद और हिंसा पर जताई चिंता

वॉशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में कंजर्वेटिव कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बाद उन्हें 'ईसाई धर्म का शहीद' बताने को लेकर गहरा विवाद छिड़ गया है। खासकर अश्वेत चर्चों के पादरी इस बात का जोरदार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि किर्क की हत्या दुखद जरूर है, लेकिन यह उनके जीवनभर के बयानों और कार्यों को पवित्र या सही नहीं ठहरा सकती। चार्ली किर्क की हत्या का मामला और उसके बाद हुई प्रतिक्रियाओं ने अमेरिका में राजनीति, नस्ल और धर्म की खाई को एक बार फिर उजागर कर दिया है। बीते रविवार को एक तरफ एरिजोना के बड़े फुटबॉल स्टेडियम में हजारों लोग इकट्ठा होकर किर्क को श्रद्धांजलि दे रहे थे, तो दूसरी तरफ देशभर के अश्वेत चर्चों में पादरी उनके विचारों और भाषणों की कड़ी आलोचना कर रहे थे।

मौत, गलतियों को नहीं धो सकती-अश्वेत चर्च का संदेश

वर्जीनिया के प्रसिद्ध अल्फ्रेड स्ट्रीट बैपटिस्ट चर्च के पादरी रेव. हावर्ड-जॉन वेस्ले ने अपने ऑनलाइन प्रवचन में कहा, 'चार्ली किर्क की हत्या नहीं होनी चाहिए थी। किसी के विचारों का जवाब हिंसा नहीं है। लेकिन मैं यह देखकर दुखी हूं कि देशभर में झंडे आधे झुका दिए गए हैं और उन्हें ऐसा व्यक्ति बताया जा रहा है जिसने ईसाई धर्म के लिए बलिदान दिया। सच्चाई यह है कि उन्होंने जीवनभर नफरत और विभाजन फैलाया।' वेस्ले का यह उपदेश सोशल मीडिया पर लाखों बार देखा गया। उन्होंने कहा कि 'कैसे आप जीते हैं, वही आपकी असली पहचान है। मौत उसे नहीं बदल सकती।'

अश्वेत पादरियों का चार्ली किर्क पर आरोप

चार्ली किर्क की छवि कंजर्वेटिव और ईसाई राष्ट्रवादी आंदोलन के बड़े नेता के रूप में थी। लेकिन अश्वेत पादरियों का आरोप है कि उन्होंने अपने मंच का इस्तेमाल अश्वेत लोगों, अप्रवासियों, मुस्लिमों, महिलाओं और एलजीबीटीक्यू+ समुदाय को नीचा दिखाने के लिए किया। न्यूयॉर्क की मिडल कोलेजिएट चर्च की पादरी रेव. जैक्वी लुईस ने कहा, 'सदियों से सत्ता ने धर्म का इस्तेमाल नस्लवाद और भेदभाव को सही ठहराने के लिए किया है। चार्ली किर्क की विचारधारा भी उसी परंपरा का हिस्सा है। यह ईसाई धर्म नहीं, बल्कि यीशु के नाम पर लिपटा हुआ श्वेत राष्ट्रवाद है।'

विशाल सभा, राजनीतिक संदेश

रविवार को एरिजोना के स्टेडियम में आयोजित स्मृति समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और हजारों समर्थक मौजूद थे। यह कार्यक्रम श्रद्धांजलि से ज्यादा राजनीतिक रैली जैसा था।

जेडी वेंस ने किर्क को 'अमेरिका का नायक और ईसाई धर्म का शहीद' बताया। केंटकी के पादरी रेव. जोएल बोमन ने कहा, 'यह देखना चिंताजनक है कि ईसाई प्रतीकों और दक्षिणपंथी राजनीति को इस तरह मिलाया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में यह 'क्रिश्चियन नेशनलिज्म' की पहचान बन गया है।'

9 देशों के आवेदकों को नहीं मिलेगा यूएई का वीजा

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नौ देशों के नागरिकों के लिए पर्यटक और कार्य वीज़ा जारी करने पर तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

यह घोषणा यूएई के 2026 के वीज़ा प्रतिबंध का हिस्सा है और लगभग 5 अफ्रीकी और 4 अन्य देशों के प्रवासियों को प्रभावित करेगी। जिन लोगों के पास पहले से ही वैध यूएई वीज़ा है, वे इस निलंबन से प्रभावित नहीं होंगे।

यह प्रतिबंध अफ्रीका और एशिया के नौ देशों पर लागू होता है।

इसमें युगांडा, सूडान, सोमालिया, कैमरून और लीबिया के साथ-साथ अफ़ग़ानिस्तान, यमन, लेबनान और बांग्लादेश सहित दक्षिण और पश्चिमी एशिया के देश शामिल हैं।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति को तमिल पार्टी का पत्र

वादों को अनदेखा करने पर जताई चिंता; बातचीत की मांग

कोलंबो, 24 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर श्रीलंका की प्रमुख तमिल पार्टी तमिल अरासु कच्ची (आईटीएके) ने उन्हें एक पत्र लिखा है। इसमें पार्टी ने तमिल संबंधित जो भी राष्ट्रीय स्तर के अहम मुद्दे हैं उसपर बातचीत करने की मांग उठाई है।

बता दें कि दिसानायके ने 23 सितंबर 2024 को भारी जीत के बाद राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उनकी पार्टी नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में स्थानीय सरकारों को अधिक अधिकार देने और एक नया संविधान लाने का वादा किया था। श्रीलंका में तमिल लोगों की प्रमुखता से आवाज उठाने वाली आईटीएके पार्टी ने अपने 22 सितंबर को लिखे पत्र में राष्ट्रपति दिसानायके के चुनावी घोषणापत्र का जिक्र किया। पत्र में कहा गया कि आपके राष्ट्रपति (दियानायके) कार्यभार संभालने को एक साल हो गया है। आपने चुनाव प्रचार और बाद में भी इस गंभीर मुद्दे को हल करने का वादा किया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पार्टी ने यह भी बताया कि उसने आठ सदस्यों की एक समिति बनाई है जो राष्ट्रपति से इस मुद्दे पर बातचीत शुरू करेगी।

संविधान सुधार की दिशा में क्या-क्या हुआ?

श्रीलंका की एनपीपी सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नालिंदा जयतिसा ने भी हाल ही में यह स्वीकार किया कि संविधान सुधार को लेकर अब तक कोई काम नहीं हुआ है। सरकार ने पहले वादा किया था कि स्थगित प्रांतीय परिषद चुनाव एक साल के भीतर कराए जाएंगे, लेकिन अब उसमें और देरी की घोषणा कर दी गई है।

गाजा की नाकाबंदी तोड़ने निकले कार्यकर्ताओं के काफिले पर ड्रोन हमला, कई नौकाएं क्षतिग्रस्त

एथेंस, 24 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी की इस्राइली नाकाबंदी को तोड़ने के लिए रवाना हुए अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं के बेड़े (फ्लोटिला) पर मंगलवार देर रात ड्रोन से हमला हुआ। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह हमला ग्रीस के दक्षिणी समुद्री क्षेत्र में हुआ। ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला नाम के इस काफिले के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके संचार सिस्टम को जाम कर दिया गया और कम से कम 13 धमाकों की आवाजें सुनी गईं। उनका दावा है कि ड्रोन या विमान से अज्ञात वस्तुएं 10 से अधिक नौकाओं पर गिराई गईं।

हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं

हालांकि, इस हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई नौकाएं क्षतिग्रस्त हुईं और संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। सोशल मीडिया पर फ्लोटिला ने एक छोटा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें एक नौका के पास विस्फोट होता हुआ दिखाई दे रहा है। ग्रीस के तटरक्षक बल ने बताया कि उन्हें कोई आपातकालीन कॉल प्राप्त नहीं हुई। इस्राइली सेना ने इस घटना पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बेड़े में अलग-अलग देशों से आई दर्जनों नौकाएं शामिल हैं। ये नौकाएं प्रतीकात्मक मात्रा में खाद्य सामग्री और दवाइयां गाजा के लोगों के लिए ले जा रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय का आरोप है कि इस अभियान का आयोजन करने वालों का संबंध हमास से है। मंत्रालय का कहना है कि कार्यकर्ताओं को गाजा जाने की बजाय इस्राइल के अशकेलोन बंदरगाह पर सामान उतार देना चाहिए।

रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ट्रंप ने बदले सुर, कीव से जुड़ा कर दिया चौंकाने वाला दावा

वाशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपने रुख में बड़ा बदलाव करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नया दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन 'लड़ने और जीतने' की स्थिति में है और अपने देश को मूल स्वरूप में वापस ला सकता है। ट्रंप ने दावा करते हुए लिखा, यूक्रेन-रूस की सैन्य और आर्थिक स्थिति को पूरी तरह से जानने और समझने के बाद और रूस को हो रही आर्थिक परेशानी को देखने के बाद, मुझे लगता है कि यूक्रेन, यूरोपीय संघ के समर्थन से लड़ने और पूरे यूक्रेन को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने की स्थिति में है।

समय, धैर्य, यूरोप और विशेष रूप से नाटो के वित्तीय समर्थन के साथ, जहां से यह युद्ध शुरू हुआ था, मूल सीमाएं एक बहुत अच्छा विकल्प हैं। क्यों नहीं? उन्होंने तर्क दिया कि रूस 'लक्ष्यहीन' लड़ाई लड़ रहा है और यह संघर्ष उन्हें 'कागजी शेर' जैसा बना देता है। ट्रंप ने कहा, रूस साढ़े तीन साल से बिना किसी उद्देश्य के एक ऐसा युद्ध लड़ रहा है, जिसे जीतने में एक वास्तविक सैन्य शक्ति को एक हफ्ते से भी कम समय लगना चाहिए था। यह रूस को अलग नहीं कर रहा है। वास्तव में, यह उन्हें 'कागजी शेर' जैसा बना रहा है। उन्होंने रूस के साथ संघर्ष में यूक्रेन के 'महान साहस' की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यूक्रेन अपने देश को उसके मूल स्वरूप में वापस ले पाएगा और कौन जाने, शायद उससे भी आगे चला जाए।" हालांकि, ट्रंप ने 'सभी को शुभकामनाएं' देकर संयुक्त राज्य अमेरिका को इस संघर्ष से दूर कर दिया।

ट्रंप के मुताबिक, पुतिन और रूस बड़ी आर्थिक मुश्किल में हैं और यह यूक्रेन के लिए कार्रवाई करने का समय है। बहरहाल, मैं दोनों देशों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हम नाटो को हथियार देना जारी रखेंगे ताकि नाटो उनके साथ जो चाहे कर सके। सभी को शुभकामनाएं। इससे पहले न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान, ट्रंप ने नाटो के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने पर रूसी विमानों को मार गिराने का समर्थन किया और इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, हां, मैं ऐसा करता हूं। उन्होंने संघर्ष में यूक्रेनी प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि अमेरिका यूक्रेन का बहुत सम्मान करता है, वास्तव में यह अद्भुत है।

तिहाड़ जेल से हटेगी अफजल गुरु की कब्र?

हिंदू संगठन की मांग पर दिल्ली एचसी ने लिया यह फैसला

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में आतंवादी अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रों को हटाने की मांग को लेकर एक याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की गई थी। विश्व वैदिक सनातन संघ नाम की संस्था की ओर से मांग रखी गई थी कि दोनों की कब्रों को भारत कि पवित्र भूमि से हटाकर गुप्त स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाए। कोर्ट ने याचिका सुनने से इनकार कर दिया है। इसके चलते याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव की बेंच ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि तिहाड़ जेल में इन दोनों की कब्र रखने से आपके कौन से मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है? किस नियम का उल्लंघन हो रहा है? कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर याचिकाकर्ता से कहा कि आपकी इच्छी के अनुसार किसी भी जनहित याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती।

कब्र हटाने की मांग वाली याचिका में दिया गया अजीब तर्क

याची के वकील ने अदालत में तर्क देते हुए कहा, यह बात पब्लिक डोमेन में है कि इनकी कम्युनिटी के कुछ लोग बाहर अपराध करते हैं। जेल जाते हैं तो इन दोनों कब्रों पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह आतंकियों का महिमा मंडन करने जैसा है। कोर्ट ने इस दलील पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने कहा कि हम पहले ही आपको कह चुके हैं कि आप अपनी दलील कानूनी पहलुओं तक सीमित रखें। आप हमें बताइए कि आपके किस मौलिक या संवैधानिक अधिकार का हनन हो रहा है? याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो इस बात की इजाजत देता है कि फांसी की सजा पाए किसी दोषी को जेल में ही दफनाया जाए।

'किसी के अंतिम संस्कार का सम्मान किया जाना चाहिए'- कोर्ट

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आप मूल रूप से जेल में दफनाने के खिलाफ हैं। यह साल 2013 में हुआ था, हम 2025 में हैं। किसी के अंतिम संस्कार का सम्मान किया जाना चाहिए। सरकार ने इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए जेल में दफनाने का फैसला किया। क्या हम 12 साल बाद इसे चुनौती दे सकते हैं? हाई कोर्ट ने कहा कि कब्र अधिकारियों की सहमति से बनाई गई है, जेल कोई सार्वजनिक स्थान नहीं है। यह राज्य के स्वामित्व वाला एक स्थान है, जिसे दोषियों को कैद करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

याचिका में आरोप- जेल को कट्टरपंथी तीर्थस्थल बनाया गया

हाई कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि अगर आवश्यक हो तो शव को किसी गुप्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि 'आतंकवाद का महिमामंडन' और जेल परिसर का दुरुपयोग रोका जा सके। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रों की मौजूदगी ने तिहाड़ केंद्रीय जेल को कट्टरपंथी तीर्थस्थल में बदल दिया है। जहां चरमपंथी तत्व दोषी ठहराए गए आतंकवादियों के महिमामंडन के लिए इकट्ठा होते हैं।

फाटक से गुजर रही थी वंदे भारत ट्रेन, तभी सामने आ गया बाइक सवार यात्रियों की सांसे अटकी

सोनीपत, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-पानीपत रेलवे लाइन पर अगवानपुर फाटक के पास बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बन्द फाटक पार करते समय एक बाइक वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आ गई ओर ट्रेन के अगले हिस्से में फंस गई। जिसके बाद करीब 30 मिनट ट्रेन स्टेशन पर खड़ी रही। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची ओर बाइक को ट्रेन के अगले हिस्से से निकाल ट्रेन को रवाना किया। बता दें कि गन्नौर रेलवे स्टेशन के नजदीक अगवानपुर फाटक लंबे समय से बंद है और यहां आरओबी का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके बावजूद दोपहिया चालक जान जोखिम में डालकर ट्रैक पार करते हैं। लापरवाही के चलते यहां आए दिन हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कड़ी निगरानी और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार करीब 6 बजे एक युवक बाइक पर बंद फाटक पार करने का प्रयास कर रहा था।

एआर रहमान को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली राहत

शिव स्तुति की धुन चुराने का मामला खारिज

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उस सिंगल जज बेंच के आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें रहमान की फिल्म पोन्नियिन सेलवन 2 (पीएस 2) के गाने "वीरा राजा वीरा" को डागर बंधुओं की रचना "शिव स्तुति" से हूबहू मिलान बताया गया था। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की डिवीजन बेंच ने यह आदेश रहमान की अपील पर सुनाया। हालांकि फैसले की विस्तृत कॉपी अभी आना बाकी है। कोर्ट ने कहा कि हमने समान मत दिया है। सिंगल जज ने इस आधार पर गलती की कि यदि किसी रचना को कोई कलाकार प्रस्तुत करता है तो उसे ही उसका संगीतकार मान लिया जाए। अगर हम इसे मान ले तो हमें कॉपीराइट एक्ट में 'कंपोजर' की परिभाषा ही बदलनी होगी।

यह मामला 25 अप्रैल को आए आदेश से जुड़ा है। उस दिन जस्टिस सिंह की सिंगल जज बेंच ने उस्ताद फैयाज वसीफुद्दीन डागर की याचिका पर फैसला सुनाते हुए रहमान और फिल्म निर्माताओं को निर्देश दिया था कि गाने के क्रेडिट में स्पष्ट लिखा जाए। सिंगल जज बेंच ने 117 पन्नों में विस्तृत आदेश जारी कर कहा था कि एक साधारण श्रोता के नजरिये से भी दोनों रचनाएं लगभग समान हैं। इसी आधार पर कॉपीराइट उल्लंघन का दावा मान लिया गया था। लेकिन आज, डिवीजन बेंच ने उस आदेश को खारिज कर दिया और रहमान की अपील को मंजूरी दे दी। इसका मतलब है कि अब "वीरा राजा वीरा" के क्रेडिट बदलने की कोई बाध्यता नहीं रहेगी।

बीना कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता पर सस्पेंस

बीजेपी के मंच पर किया प्रचार, हाईकोर्ट में 8 अक्टूबर को फैसला

सागर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खतरे में है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उनका आरोप है कि सप्रे ने कांग्रेस से जीतने के बाद भाजपा का समर्थन किया। उन्होंने भाजपा के मंच पर प्रचार भी किया। कोर्ट इस मामले की सुनवाई 8 अक्टूबर को करेगा। देखना होगा कि उनकी सदस्यता रहेगी या जाएगी। निर्मला सप्रे 2023 में बीना से कांग्रेस के टिकट पर विधायक बनीं। उमंग सिंघार का कहना है कि सप्रे ने दल बदल विरोधी कानून का उल्लंघन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सप्रे ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का मंच साझा किया।

उन्होंने भाजपा का दुपट्टा पहनकर प्रचार किया और कांग्रेस के खिलाफ बयान भी दिए। सिंघार ने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए। कांग्रेस पार्टी ने पहले विधानसभा अध्यक्ष को इस बारे में शिकायत की थी। उनका कहना था कि अध्यक्ष ने 90 दिन से ज्यादा समय तक कोई कार्रवाई नहीं की। इसलिए, उन्हें हाई कोर्ट जाना पड़ा। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने पहले याचिका खारिज कर दी थी। अब जबलपुर बेंच इस मामले की जांच करेगी। कांग्रेस का कहना है कि सप्रे ने खुले तौर पर पार्टी बदल ली है। वहीं, भाजपा इसे 'विचारधारा के समर्थन' का नाम दे रही है।

ओबीसी आरक्षण निर्णायक मोड़ पर सुप्रीम कोर्ट में आज से रोजाना सुनवाई

सरकार और ओबीसी महासभा की एकराय

भोपाल, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकरण को टॉप ऑफ द बोर्ड श्रेणी में शामिल कर 24 सितंबर 2025 से दैनिक सुनवाई करने का फैसला किया है। अदालत ने संकेत दिया है कि अंतिम निर्णय होने तक यह सुनवाई लगातार जारी रहेगी।

इस मामले में सरकार, ओबीसी महासभा और याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों के वकील एकजुट होकर कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखेंगे। मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है, जिसे 2019 में अध्यादेश के माध्यम से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया था। हालांकि, मामला न्यायालय में लंबित होने से 13 प्रतिशत आरक्षण प्रभावी नहीं हो पाया है। यदि शीघ्र निर्णय आता है, तो इससे वे विद्यार्थी भी लाभान्वित होंगे जो इस अतिरिक्त कोटे में आते हैं और आयु सीमा पार कर चुके हैं। इससे पहले विधानसभा में हुई सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत किए जाने पर सहमति जताई थी।

बैठक में यह संकल्प भी पारित हुआ कि अन्य पिछड़े वर्ग को उनका उचित हक दिलाने के लिए सभी दल एकजुट रहेंगे। बता दें, ओबीसी आरक्षण वृद्धि का प्रस्ताव पहली बार कमलनाथ सरकार ने पारित किया था। इसके बाद मामला अदालत में चला गया। अब सुप्रीम कोर्ट के दैनिक सुनवाई के निर्णय से उम्मीद है कि वर्षों से लंबित यह विवाद जल्द सुलझेगा और राज्य में आरक्षण व्यवस्था स्पष्ट हो जाएगी।

आप महिला विंग की वाइस प्रेसिडेंट रिंपी गरेवाल पार्टी से निलंबित

मोगा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। (पंजाब) आम आदमी पार्टी ने पंजाब महिला विंग की वाइस प्रेसिडेंट रिंपी गरेवाल और मोगा के पूर्व जिला प्रधान और प्लानिंग बोर्ड के चेयरमैन हरमनजीत सिंह दीदारे वाला को पार्टी विरोधी टिप्पणी करने के आरोप में छह महीने के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी द्वारा जारी लेटर में स्पष्ट किया गया है कि दोनों ने पार्टी अनुशासन के विरुद्ध बयान दिए थे। रिंपी गरेवाल 2013 से आम आदमी पार्टी के लिए कार्य कर रही थी और हरमनजीत सिंह दीदारे वाला भी आम आदमी पार्टी के पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। लैंड पूलिंग पॉलिसी के विरोध में 4 अगस्त को हरमनजीत सिंह दीदारे वाला ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके पार्टी के सभी पद से इस्तीफा दे दिया था।

रिंपी गरेवाल ने कुछ दिन पहले एक सोशल मीडिया पर पोस्ट करके जानकारी साझा की थी कि इस वक्त आम आदमी पार्टी के पुराने वर्कर को पीछे करके नए लोगों को आगे लाया जा रहा है। जो भी आवाज उठा रहे हैं, उनके ऊपर पर्चा दर्ज हो रहा है। आने वाला कोई भी चुनाव में पार्टी के लिए उनका परिवार काम नहीं करेगा।

आतंकी पन्नू के खिलाफ केस दर्ज

पीएम को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने के लिए 11 करोड़ का रखा था इनाम

ठाणे, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के गुरपतवंत सिंह पन्नू और अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धाराएं लगाई गई हैं। यह प्राथमिकी 19 अगस्त को दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में कहा गया है कि पन्नू ने 10 अगस्त 2025 को पाकिस्तान के लाहौर प्रेस क्लब में 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें उसने वॉशिंगटन से वीडियो लिंक के जरिए पत्रकारों को संबोधित किया।

उसके भाषण का मुख्य विषय पंजाब पर भारत की संप्रभुता को नकारना और खालिस्तान का प्रचार करना था। अपने संबोधन में पन्नू ने 15 अगस्त 2025 को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने वाले सिख सैनिकों

को 11 करोड़ रुपये का इनाम देने की पेशकश की। साथ ही उसने सिख फॉर जस्टिस 'दिल्ली बनेगा पाकिस्तान' रेफरेंडम नक्शा भी जारी किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को खालिस्तान में शामिल दिखाया गया है।

आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू पंजाब के गांव खानकोट का रहने वाला है और गांव में आज भी उसकी जमीन है। काका जी! मेरे बेटा अब बड़ा वकील बन चुका है। कनाडा में उसकी बड़े-बड़े लोगों से जान पहचान हो गई है। बात उन दिनों की है, जब आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की मां जिंदा था और गांव में ठेके पर दी गई जमीन के पैसे लेने आती थी। यहां के लोगों का कहना है कि वह यहां आकर बताती थी कि उसका बेटा कनाडा में बड़ा वकील बन गया है। इससे पता चलता है कि पन्नू की मां भी नहीं चाहती थी वह आतंकी कहलाए। पन्नू ने अपनी मां ही नहीं देश के अरमानों को भी चोट पहुंचाई है।

खानकोट गांव अमृतसर-जंडियाला गुरु जीटी रोड में स्थित कस्बा दबूरजी के साथ बहती अपर दोआबा नहर के किनारे के अंतिम छोर में बसा है। गांव की तरफ जाने वाली तंग सड़क के किनारे बह रही नहर की ओर से आने वाले ठंडी हवा के झोंके राहत देने वाले हैं।

लेकिन इस गांव में पैदा हुए आतंकी गुरपतवंत सिंह की करतूतों से ग्रामीण भी स्तब्ध थे, जब उन्हें इस बात की जानकारी मिली है कि देश की अखंडता को तोड़ने की साजिश रचने वाला पन्नू उनके गांव का रहने वाला है। आतंकवाद के दौर में भी इस गांव के आसपास के गांवों में आतंकी घटनाएं हुई थीं।

नशे में डॉक्टर ने मचाया हुड़दंग होमगार्ड जवान की फाड़ी वर्दी मरीज से की मारपीट

चरखी दादरी, 24 सितंबर (एजेंसियां)। चरखी दादरी के नागरिक अस्पताल में बुधवार सुबह करीब 4 बजे नाइट शिफ्ट पर तैनात डॉ. संदीप पर एचकेआरएन के सुरक्षाकर्मी, होमगार्ड के जवान और एक मरीज के साथ मारपीट के आरोप लगे हैं। कार्यवाहक सीएमओ वैदपाल को सौंपी गई शिकायत के मुताबिक इमरजेंसी वॉर्ड में ड्यूटी कर रहे एचकेआरएन कर्मी आशीष ने बताया कि डॉ. संदीप ने बिना किसी कारण के शराब के नशे में धुत होकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब होमगार्ड का जवान आशीष को छुड़वाने पहुंचा, तो डॉ. संदीप ने उसके साथ भी गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और उसकी वर्दी फाड़ दी।

इसी दौरान एक मरीज के साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई। इस हरकत के विरोध में एचकेआरएन कर्मियों ने सुबह 8 से 9 बजे तक एक घंटे के लिए काम ठप कर दिया, जिससे ओपीडी और चिकित्सा सेवाएं प्रभावित रहीं। सीएमओ ने दो घंटे में कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन 11 बजे तक कोई कदम न उठने पर कर्मी फिर हड़ताल पर चले गए, जिससे अस्पताल की ओपीडी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। कार्यवाहक सीएमओ वैदपाल ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी और कार्रवाई के लिए हेडक्वार्टर को पत्र लिखा जाएगा। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है।

दशहरा से पहले भारी बारिश

25 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में क्या होने वाला है? दिल्ली सहित 10 राज्यों का मौसम

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर के कई प्रदेशों से मानसून के वापसी का समय आ गया है। हालांकि जाते-जाते भी मानसून के कई प्रदेशों में बरस के जाने की उम्मीदे हैं। कुछ राज्यों में खासतौर पर दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर में अच्छी-खासी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा और उत्तर बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। 25 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिमी और मध्य बंगाल की खाड़ी के पास एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है। इसके प्रभाव से कई राज्यों में दशहरा से पहले भारी भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। देश की राजधानी दिल्ली से बारिश की छुट्टी हो चुकी है। अगले पांच दिन यानी 29 तारीख तक प्रदेश में बारिश की संभावना नहीं है। लोगों को दोपहर में गर्मी महसूस हो रही है। हालांकि रात के समय तापमान सामान्य रह रहा है। दिल्ली में 26 तारीख तक आसमान साफ रहेगा। उसके बाद 27 से 29 तारीख तक राज्य में आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा।

यूपी में कैसा रहेगा मौसम?

उत्तर प्रदेश में इस समय लोग भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार, आज पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं पर बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, जबकि पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रह सकता है। इसी तरह कल भी पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं पर बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रह सकता है।

बिहार-झारखंड में होगी बारिश

आज बिहार का मौसम मिलजुला रहने वाला है। कुछ जिलों में भारी बारिश हो सकती है, जबकि कहीं-कहीं धूप भी देखने को मिल सकती है। आज कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गयाजी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में भारी बारिश की संभावना है। पटना सहित दक्षिण बिहार के जिलों और सीमांचल के जिलों में मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है। झारखंड के दक्षिणी जिलों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग की ओर जारी की गई है।

इन राज्यों में भी बरसेंगे बदरा

ओडिशा में 26 तारीख तक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 26 और 27 सितंबर को भारी से बहुत भारी हो सकती है। कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 25 से 29 सितंबर के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सड़क से लेकर रेलवे यार्ड तक पानी में डूब चुके है। कोलकाता में 26 तारीख तक भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

क्या है पहाड़ों का हाल?

उत्तराखंड के उत्तरकाशी, बागेश्वर, देहरादून, चमोली, नैनीताल, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ में अगले 3 दिन तक तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश से मानसून जल्द विदा हो सकता है। हालांकि आज और कल प्रदेश के कई इलाकों में बारिश की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है।

'कांग्रेस और द्रमुक के बीच आ गई दरार, जल्द खाली हो जाएगा स्टालिन का खेमा', द्रमुक का दावा

कुन्नूर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। (केरल) अन्नाद्रमुक के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ द्रमुक और उसकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस के बीच दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि द्रमुक का खेमा जल्द ही खाली होने वाला है। पलानीस्वामी कुन्नूर में एक बड़ी चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पलानीस्वामी ने कहा कि द्रमुक और कांग्रेस के बीच टकराव शुरू हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में तिरुनेलवेली में हुई कांग्रेस की बैठक में पार्टी के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर ने साफ तौर पर 'फिफ्टी-फिफ्टी' की मांग रखी। पलानीस्वामी के मुताबिक, चोडणकर ने 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस को सत्ता में भागीदारी और 117 सीटों (जो कुल 234 सीटों का 50 फीसदी है) की मांग की है। उन्होंने आगे दावा किया कि तमिलनाडु कांग्रेस विधायक दल के नेता एस राजेश कुमार ने कहा है कि द्रमुक चुनाव नहीं जीतेगी और अगर जीतती भी है तो कांग्रेस ने गठबंधन सरकार की मांग की है। उन्होंने आगे कहा, इससे साफ है कि गठबंधन में दरार आ गई है। अब कांग्रेस सत्ता में हिस्सेदारी चाहती है। द्रमुक का खेमा धीरे-धीरे खाली होने वाला है।

आखिर कब तक वे (द्रमुक) अकेले लूटते रहेंगे? अब तक निराश कांग्रेस भी जाग गई है और अपना हिस्सा मांग रही है। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष केएस अलागिरी ने भी सत्ता में भागीदारी की मांग की है। उन्होंने कहा, आखिरकार कांग्रेस को समझ आ ही गया। कांग्रेस-द्रमुक के गठबंधन में दरार अब साफ नजर आ रही है। विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने द्रमुक सरकार पर कथित किडनी बेचने के रैकेट को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, द्रमुक के शासन में अब किडनी चोरी शुरू हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक द्रमुक विधायक द्वारा संचालित अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट में गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं और सरकार ने उन्हें बचाया है। उन्होंने कुल्लाकुरिची में जहरीली शराब त्रासदी का भी जिक्र किया, जिसमें 68 लोगों की मौत हो गई थी।

पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि जब सीबीआई जांच की मांग की गई, तो द्रमुक सरकार ने अपराधियों को बचाने के लिए इसकी अनुमति नहीं दी। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के यूरोप दौरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जर्मनी दौरे को निवेश लाने के बजाय गलत तरीके से प्रचारित किया गया। उन्होंने कहा, जर्मनी की यात्रा निवेश लाने के लिए नहीं बल्कि खुद निवेश करने के लिए थी।

पुलिस अधिकारी भी असुरक्षित आईजी इंटेलीजेंस का मोबाइल लूट ले गए बदमाश

भोपाल, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में लुटेरों और बदमाशों के हौसले कितने बुलंद हो चुके हैं, इसका अंदाजा हबीबगंज थाना क्षेत्र में घटित एक लूट से हो रहा है। लुटेरों ने बीती रात चार इमली के पास से ही मध्यप्रदेश के महानिरीक्षक गुप्त वार्ता (आईजी इंटेलीजेंस) का ही मोबाइल लूट ले गए। बाइक सवार लुटेरे मोबाइल लूटने के बाद चूनाभट्टी की तरफ भागे और दुर्गा नगर झुग्गी बस्ती में मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद से आईजी के मोबाइल की लोकेशन नहीं मिल रही है। पुलिस के अनुसार आईजी डॉ. आशीष चार इमली में रहते हैं और खाना खाने के बाद टहल रहे थे। वह सड़क पर टहल रहे थे, तभी किसी का फोन आ गया। आईजी फोन पर बात करते हुए चल रहे थे, तभी पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर आईजी का मोबाइल लूट लिया

खड़गे बोले- बिहार में आया नीतीश गया नीतीश शुरू है: गया तो जाने दो

पटना, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस ने बुधवार को पटना में 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प योजना' जारी की। इस दौरान राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, VIP प्रमुख मुकेश सहनी और लेफ्ट के बड़े नेता मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'भाजपा संविधान को खत्म कर रही है। मैंने हाइड्रोजन बम की बात की थी वो आएगा और फिर आपको भाजपा की सच्चाई पता चलेगी।' इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'यह संकल्प राहुल गांधी और तेजस्वी जी मिलकर तैयार किए हैं। जब हमारी सरकार बनेगी तो इस पॉइंट को पूरा किया जाएगा। हमको ऐसे जातियों को उठाना है, जो पिछड़े हैं। ऐसे समाज है, जो हक से वंचित हैं। उनको हक दिलाना है। पहले आया राम गया राम बोलते हैं। बिहार में आया नीतीश गया नीतीश हो रहा है। एक बार गया तो जाने दो। जनता के हित में मत लड़ो।' इस दौरान उन्होंने राहुल-तेजस्वी से कहा कि एक बार जब वो बीजेपी के साथ चले गए तो चले गए..अब वापस आएं तो मत लेना।' खड़गे ने कहा, नीतीश का बीजेपी के साथ जाना मतलब वो मनुवाद को चलना चाहते हैं।' अति पिछड़ा अत्याचार निवारण नियम पारित किया जाएगा। आबादी के अनुसार आरक्षण के 50% की सीमा को बढ़ाया जाएगा और विधानसभा से पारित होने के बाद प्रस्ताव को संविधान के 9वीं सूची में शामिल करने के लिए केंद्र को भेजा जाएगा। नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया में नॉट फॉर सूटेबल का कार्यक्रम चलता है, उसे अवैध घोषित किया जाएगा। EBC की लिस्ट में अल्प या अति समावेशन से संबंधित सभी मामलों का एक कमेटी बनाकर समाधान किया जाएगा। EBC, SC, ST के आवासीय और भूमिहीन लोगों को शहर में 3 और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 डिसमिल जमीन दी जाएगी। UPA सरकार द्वारा पारित शिक्षा के अधिकार योजना के तहत प्राइवेट स्कूलों में आरक्षित सीटों का आधा हिस्सा EBC के लिए, लाएंगे। EBC के लिए 25 करोड़ रुपए तक के ठेके में 50% आरक्षण का दायरा किया जाएगा। संविधान की धारा 5 के तहत राज्य के सभी निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाएगा आरक्षण की देखरेख के लिए, उच्च अधिकार प्राप्त आरक्षण नियामक प्राधिकरण का गठन किया जाएगा।

सेंसेक्स 386 अंक गिरकर 81,716 पर बंद

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी बुधवार, 24 सितंबर को सेंसेक्स 386 अंक गिरकर 81,716 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 113 अंक की गिरावट रही, ये 25,057 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में गिरावट रही। टाटा मोटर्स, बीईएल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर्स गिरे। वहीं, एनएसई के सेक्टोरल इंडाइसेज में रियल्टी, ऑटो, आईटी और मीडिया में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.30% गिरकर 45,630 पर और कोरिया का कोस्पी 0.40% नीचे 3,472 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.37% ऊपर 26,519 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.83% चढ़कर 3,854 पर बंद हुआ। 23 सितंबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.19% नीचे 46,293 पर बंद हुआ।

जीएसटी 2.0 आजाद भारत में अब तक की सबसे बड़ी टैक्स क्रांति, अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार को कहा कि जीएसटी 2.0 आजाद भारत में अब तक की सबसे बड़ी टैक्स क्रांति है और इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इसका एक चम्मच सोने से पहले और आप एक हफ्ते में 7 किलोग्राम वजन कम कर लेंगे। पटेल ने आगे कहा कि जीएसटी सुधार से टैक्स कम होने से आर्थिक गतिविधियां आगे बढ़ेंगी, जिससे देश के विकास की रफ्तार को तेज करने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर आम आदमी हो या देश की आर्थिक गतिविधि हर दृष्टि से जीएसटी 2.0 फायदेमंद है।

केंद्रीय राज्य मंत्री के मुताबिक, जीएसटी सुधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 का भी समर्थन करते हैं, क्योंकि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें देश को स्वस्थ बनाना होगा और इसके लिए किफायती और गुणवत्तापूर्व स्वास्थ्य सुविधा जरूरी है। जीएसटी 2.0 के तहत कई दवाओं पर टैक्स को कम या शून्य किया गया है। लाइफ सेविंग ड्रग्स पर टैक्स को शून्य कर दिया है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस पर भी टैक्स को 18 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। भारत का नया गुड्स एंड सर्विस टैक्स सिस्टम सोमवार से लागू हो गया। जीएसटी सुधार से रोजमर्रा की जरूरी चीजें और लाइफ सेविंग मेडिसिन सहित लगभग 370 प्रोडक्ट पर टैक्स कम हो गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि इस बदलाव का मकसद उपभोक्ताओं की डिस्पोजेबल इनकम बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का निवेश करना है। कैंसर और दुर्लभ बीमारियों जैसी स्थितियों के लिए 33 जरूरी दवाएं और थेरेपी अब शून्य जीएसटी के तहत आते हैं, जबकि कई अन्य दवाओं पर भी टैक्स रेट 12 प्रतिशत से घटाकर जीरो कर दिया गया है। डायग्नोस्टिक किट और ग्लूकोमीटर जैसे मेडिकल डिवाइस पर अब केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा।

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी से 11 राज्यों ने जुटाए 25000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) की ताजा नीलामी में देश के 11 राज्यों ने कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। नीलामी में कट-ऑफ प्रतिफल 7.26 प्रतिशत से 7.45 प्रतिशत के बीच रहा।

इन राज्यों ने जुटाई राशि

बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल भाग लेने वाले राज्यों में शामिल थे। नीलामी के लिए अधिसूचित कुल राशि 27,000 करोड़ रुपये थी, जबकि कुल आवंटन 25,000 करोड़ रुपये था। तेलंगाना इस नीलामी में सबसे बड़े प्रतिभागियों में से एक रहा, जिसने 22 से 26 वर्ष की परिपक्वता अवधि के चार चरणों के माध्यम से कुल 5,000 करोड़ रुपये जुटाए। यह सब 7.44 प्रतिशत की एकसमान कट-ऑफ प्रतिफल पर हुआ। बिहार दूसरे स्थान पर है, जिसने 7.45 प्रतिशत की कट-ऑफ यील्ड पर 20 वर्षीय और 25-वर्षीय परिपक्वता वाले दो निर्गमों के माध्यम से 4,000 करोड़ रुपये जुटाए। छत्तीसगढ़ ने 6.67 प्रतिशत की कम यील्ड पर अपने 7.0 प्रतिशत एसजीएस 2029 के पुनर्निर्गम के माध्यम से 500 करोड़ रुपये जुटाए। गुजरात ने अपने 2032 के बॉन्ड के लिए 7.07 प्रतिशत की यील्ड पर 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। केरल ने 25 साल की सिक्योरिटी के साथ बाजार में प्रवेश किया और 7.44 प्रतिशत की दर से 1,000 करोड़ रुपये जुटाए।

मध्य प्रदेश ने दो किस्तों में, एक 18 साल की और दूसरी 21 साल की, 7.43 से 7.44 प्रतिशत की दर से कुल मिलाकर 3,000 करोड़ रुपये जुटाए। महाराष्ट्र ने 11 वर्षीय एसजीएस 2036 जारी किया, जिससे 7.27 प्रतिशत ब्याज दर पर 1,000 करोड़ रुपये जुटाए गए। हालांकि, राज्य ने इस वर्ष की शुरुआत में जारी किए गए 7.14 प्रतिशत एसजीएस 2045 और 7.15 प्रतिशत एसजीएस 2046 के प्रस्तावित पुनर्निर्गम के लिए कोई भी बोली स्वीकार करने से इनकार कर दिया। पंजाब ने अपनी 6.98 प्रतिशत ब्याज दर वाली 2033 सिक्योरिटी को दोबारा जारी करके 1,000 करोड़ रुपये जुटाए, जिसका भारित औसत प्रतिफल 7.36 प्रतिशत रहा। राजस्थान ने 7.29 प्रतिशत ब्याज दर पर 10 वर्षीय बॉन्ड के जरिए 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। तमिलनाडु ने चार अलग-अलग निर्गमों के साथ बाजार में प्रवेश किया, जिनमें से प्रत्येक 1,000 करोड़ रुपये का था। यह 2031, 2032, 2033 और 2035 में परिपक्व होंगे। प्रतिफल 7.02 प्रतिशत और 7.26 प्रतिशत के बीच रहा। साथ ही भारित औसत 7.00 और 7.23 प्रतिशत के बीच रहा।

आरबीआई की बैंकों से अपील : अनक्लेम डिपॉजिट को लौटाने के लिए प्रयास तेज करें

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों से अपील की है कि 67,000 करोड़ रुपए से अधिक से अनक्लेम डिपॉजिट उनके सही मालिकों को लौटाने के प्रयास तेज करें। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन निष्क्रिय खातों के मालिकों का पता लगाने और उनका निपटान करने के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में अक्टूबर से दिसंबर तक एक विशेष आउटरीच पहल की योजना बनाई गई है। दस वर्षों तक निष्क्रिय रहने वाले बचत और चालू खातों में शेष राशि या मैच्योरिटी डेट से दस वर्षों के भीतर क्लेम न किए गए एफडी को अनक्लेम डिपॉजिट के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और बाद में बैंकों द्वारा केंद्रीय बैंक द्वारा संचालित डीईए कोष में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

आरबीआई की यह पहल कम साक्षरता और जागरूकता वाले क्षेत्रों को लक्षित करेगी और प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विभिन्न भाषाओं में स्थानीय प्रचार करेगी। राज्य स्तरीय बैंक समितियां (एसएलबीसी) अनक्लेम डिपॉजिट के आंकड़ों का आयु प्रोफाइल और बकेट-वार संकेंद्रण के आधार पर विश्लेषण करेंगी ताकि अधिक स्थानीयकृत विश्लेषण प्रदान किया जा सके, साथ ही जमाओं का पता लगाने और उनका निपटान करने के लिए विशेष प्रयास किए जा सकें। उदगम पोर्टल, आरबीआई द्वारा शुरू किया गया एक केंद्रीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो जनता को भारत के विभिन्न बैंकों में अपनी अनक्लेम डिपॉजिट खोजने में मदद करता है। यह पोर्टल वर्तमान में लगभग 30 बैंकों की भागीदारी के साथ लगभग 90 प्रतिशत दावा न किए गए जमा मूल्य को कवर करता है। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण के अनुसार, सभी बीमा कंपनियों, जिनके पास पॉलिसीधारकों से 10 वर्ष से अधिक की अवधि के लिए दावा न की गई राशि है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

कन्या	कन्या-- 05-35 बजे	
तुला	तुला---- 07-41 बजे	
तुला	वृश्चिक... 09-52 बजे	
कन्या	धनु...... 12-04 बजे	
मिथुन	मकर... 14-10 बजे	
सिंह	कुंभ.... 16-01 बजे	
मीन	मीन.... 17-39 बजे	
कुंभ	मेष..... 19-15 बजे	
सिंह	वृष.... 21-00 बजे	
	मिथुन.. 23-00 बजे	
	कर्क... 01-13 बजे	
	सिंह--- 03-25 बजे	

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने, ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-08**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **18-10**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल गुरुवार **25 September**
तिथि - तृतीया **07-06** तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - स्वाति **19-08** तक उपरान्त विशाखा
योग - वैधृति **21-53** तक उप विष्कुंभ
गर - तैतिल **07-06** तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार **नवरात्रि ३**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-38 से 15-08 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06-08 - 07-37	शुभ	अमृत	18-10 - 19-38	शुभ
रोग	07-37 - 09-07	अशुभ	चंचल	19-38 - 21-08	शुभ
उत्पात	09-07 - 10-37	अशुभ	रोग	21-08 - 22-38	अशुभ
चंचल	10-37 - 12-08	शुभ	काल	22-38 - 00-08	अशुभ
लाभ	12-08 - 13-38	शुभ	लाभ	00-08 - 01-37	शुभ
अमृत	13-38 - 15-08	शुभ	उत्पात	01-37 - 03-07	अशुभ
काल	15-08 - 16-38	अशुभ	शुभ.	03-07 - 04-37	शुभ
शुभ	16-38 - 18-10	शुभ	अमृत	04-37 - 06-08	शुभ

रेलवे कर्मचारियों को 1866 करोड़ रुपये दिवाली बोनस देगी सरकार

कैबिनेट मीटिंग में फैसला, 10.91 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रेलवे कर्मचारियों को दिवाली पर बोनस देने का ऐलान किया। आज यानी 24 सितंबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के प्रोडक्टिविटी-लिंक्ड बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दी गई। इसके लिए 1,866 करोड़ रुपए का बजट दिया गया, जिसका फायदा 10.91 लाख रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा।

यह बोनस कर्मचारियों की 78 दिन की सैलरी के बराबर है, जिसे हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा-दशहरा की छुट्टियों से पहले नॉन गजेटेड रेलवे कर्मचारियों दिया जाएगा। इस बोनस के तहत हर एक एलिजिबल रेल कर्मचारी को अधिकतम 17,951 रुपए मिलेंगे। यह राशि ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मिनिस्टीरियल स्टाफ और अन्य ग्रुप 'सी' कर्मचारियों को दी जाएगी। यह बोनस रेल कर्मचारियों को और बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे रेलवे के प्रदर्शन में सुधार होता है। साल 2024-25 में भारतीय रेलवे का प्रदर्शन शानदार रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढोया और करीब 7.3 अरब यानी 730 करोड़ यात्रियों को उनके डेस्टिनेशंस तक पहुंचाया। सरकार ने कहा कि यह बोनस कर्मचारियों की मेहनत का सम्मान है।

'हिंडनबर्ग रिसर्च ने सिर्फ हमें नहीं पूरे भारत को निशाना बनाया'

> शेयरधारकों को लिखे पत्र में गौतम अदाणी

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग रिसर्च ने सिर्फ अदाणी समूह को ही नहीं, बल्कि पूरे भारत को निशाना बनाया है। अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने बुधवार को कंपनी के शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में यह बात कही है।

अदाणी ने पत्र में अपने समूह को सेबी से मिली राहत की भी सराहना की। बंदरगाहों से लेकर बिजली तक कारोबार करने वाले इस अरबपति समूह के संस्थापक ने बुधवार को शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कहा, यह रिपोर्ट सिर्फ अदाणी समूह की आलोचना नहीं थी। यह वैश्विक स्तर पर सपने देखने के भारतीय उद्यमों के साहस को सीधी चुनौती थी।

अदाणी ने कहा, समूह के लिए यह एक ऐसे परीक्षण की शुरुआत थी जिसने हमारी लचीलेपन के हर आयाम को प्रभावित किया। इसने हमारे शासन, हमारे उद्देश्य और यहां तक कि इस विचार पर भी सवाल उठाया कि भारतीय कंपनियां पैमाने और महत्वाकांक्षा के मामले में दुनिया का नेतृत्व करने का साहस कर सकती हैं।

अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी ने क्या कहा है?

18 सितंबर को शेयर बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अदाणी समूह और गौतम अदाणी को राहत मिली है। नियामक ने इन्हें 2023 की शुरुआत में अब बंद हो चुके अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से लगाए गए अनियमितताओं के आरोपों से मुक्त कर दिया है। समूह को स्टॉक में हेराफेरी और संबंधित पक्ष के लेन-देन का खुलासा न करने से जुड़े दो मामलों में सेबी की ओर से बरी कर दिया गया है।

गौतम अदाणी ने पत्र में आगे कहा, सेबी के स्पष्ट और अंतिम वचन के साथ, सत्य की जीत हुई है, या जैसा कि हम हमेशा कहते आए हैं, 'सत्यमेव जयते' (सत्य की ही जीत होगी)। जिसका उद्देश्य हमें कमजोर करना था, उसने हमारी नींव को और मजबूत कर दिया है।

अदाणी समूह की कंपनियों पर क्या आरोप थे?

जानकारी के अनुसार इन मामलों में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स लिमिटेड, अदाणी एनर्जी लिमिटेड और अदाणी पावर लिमिटेड की ओर से कुछ शेयरधारकों को गलत तरीके से सार्वजनिक शेयरधारकों के रूप में वर्गीकृत करने के आरोप शामिल थे। अदाणी समूह की इन कंपनियों ने अपने नवीनतम वित्तीय विवरणों में बताया था कि सेबी गलत वर्गीकरण के आरोपों की जांच कर रहा है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता बहुत मजबूत है, जो आपको काम या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित कर रही है। आपको अचानक जल्दी से काम करने की इच्छा हो सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें। आपकी कल्पना और सहज ज्ञान आपका अच्छा मार्गदर्शन करते हैं। सही क्षणों को पहचानने और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए खुद पर भरोसा रखें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आज आप अपने काम से गहराई से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं, और आपके कार्यों का मार्गदर्शन एक मज़बूत भावनात्मक भावना से होगा। आत्मविश्वास आपकी सफलता में सहायक होगा, लेकिन ध्यान रखें कि आप खुद को ज़रूरत से ज़्यादा न बढ़ाएँ। स्पष्ट और विचारशील संवाद महत्वपूर्ण है। परियोजनाओं में अनावश्यक प्रयास से बचें और पेशेवर या व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना ईमानदारी से करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
अपने अहंकार को नियंत्रित करने से आपके करियर और पढ़ाई को लाभ होगा। तार्किक दृष्टिकोण अपनाएँ जिससे आपको उन्नति की एक श्रृंखला मिल सके। आध्यात्मिक जागरूकता को अपनाएँ, जो आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में आपकी मदद करती है। क्रूर प्रवृत्ति से सावधान रहें और सद्भाव बनाए रखने के लिए अहंकारी उद्देश्यों से बचें।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आपका करियर पथ उज्ज्वल रूप से चमकता है, पोषण ऊर्जा और एक सहायक वातावरण प्रदान करता है। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आपको खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। मान्यता और अपने पेशेवर आकांक्षाओं में वृद्धि की उम्मीद करें। हालाँकि, मानसिक क्षेत्र में लाभहीन अटकलों और संभावित नुकसान से सावधान रहें।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आपका तर्क और अनुशासन निरंतर प्रगति में सहायक होते हैं, जिससे आपको अपने क्षेत्र में सम्मान प्राप्त होता है। आपकी रचनात्मकता आपके काम में निखार लाती है और आपके विचारों को विशिष्ट बनाती है। आप दूसरों की आलोचना करने की प्रवृत्ति महसूस कर सकते हैं, इसलिए टीम वर्क में सहानुभूति रखें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका कार्य जीवन ऊर्जा को पोषित करने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने और आपके पेशेवर संबंधों में सहानुभूति द्वारा निर्देशित होता है। निर्णय लेने में अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें। प्रमुख मोड़ आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन चोट या तीव्र, कुंद आदान-प्रदान जैसे जोखिमों से सावधान रहें जो उपलब्धि के लिए आपकी इच्छा के साथ उत्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ट्रंप से टैरिफ पर तनाव के बाद चीन ने उठाया बड़ा कदम, डब्ल्यूटीओ में विकासशील देशों का दर्जा छोड़ेगा

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। चीन अब विश्व व्यापार संगठन के समझौतों में विकासशील देशों को दिए जाने वाले विशेष सुविधाओं की मांग नहीं करेगा। चीन के रुख में यह एक ऐसा बदलाव है। इसकी मांग अमेरिका लंबे समय से कर रहा था। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि यह कदम ऐसे समय में वैश्विक व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने का प्रयास है, जब यह टैरिफ युद्धों और अलग-अलग देशों द्वारा आयात को प्रतिबंधित करने के संरक्षणवादी कदमों से खतरे में है। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम नहीं लिया, न ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस वर्ष चीन सहित कई अन्य देशों पर टैरिफ लगाए जाने का उल्लेख किया।

अमेरिका लंबे समय से यह तर्क देता रहा है कि चीन को विकासशील देश का दर्जा छोड़ देना चाहिए क्योंकि वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विश्व व्यापार संगठन में इस दर्जे के फायदों में आयात के लिए अपने बाजार खोलने की कम जरूरतें और बाज़ार खोलने के ऐसे क़दमों को लागू करने के लिए लंबी संक्रमण अवधि शामिल है। विश्व व्यापार संगठन वैश्विक व्यापार वार्ता के लिए एक मंच प्रदान करता है और समझौतों को लागू करता है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता कम हो गई है, जिसके कारण सुधार की मांग उठ रही है। जिनेवा स्थित संगठन के प्रमुख ने चीन के इस कदम को डब्ल्यूटीओ सुधार के लिए एक बड़ी खबर बताया और एक्स पर एक पोस्ट में देश के नेताओं की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।

आज सोने-चांदी के दाम में गिरावट-सोना 270 रुपए गिरकर 1.14 लाख रुपए पर आया

चांदी 1.35 लाख रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 24 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 270 रुपए गिरकर 1,14,044 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,14,314 रुपए पर था।

ये इसका ऑल टाइम हाई भी है। वहीं चांदी भी 362 रुपए गिरकर 1,34,905 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 1,35,267 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 36,000 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,14,044 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 46,852 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,34,905 रुपए प्रति किलो हो गई है।

'यूपी और गुजरात में किसानों से उड़द मूंगफली की शत-प्रतिशत खरीद होगी'

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश से मूंग, तिल, मूंगफली और गुजरात से सोयाबीन, मूंग व मूंगफली की उपज शत प्रतिशत खरीदेगी। इससे दोनों राज्यों में 13,890.60 करोड़ की उपज खरीदी होगी, जिससे किसानों को फायदा होगा।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, खरीफ 2025-26 के लिए उत्तर प्रदेश और गुजरात में प्रमुख दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीद को स्वीकृति दी है। किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से करने के लिए राज्यों को निर्देश दिए है। केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई वर्चुअल बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, गुजरात के कृषि मंत्री राघवजी पटेल भी शामिल हुए।

पाक के बॉर्डर पर आमने-सामने हुए अंबानी और अडानी!

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। एनर्जी सेक्टर में कारोबार को लेकर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लग गए हैं। देश के इन दो बड़े कारोबारियों के बीच अब कारोबार का कम्पटीशन पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक पहुंच गया है। दरअसल, गुजरात के कच्छ के रण में पाकिस्तान बॉर्डर के पास अंबानी और अडानी के बीच एक बड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। यह प्रतिस्पर्धा नए ऊर्जा कारोबार में दबदबा बनाने के लिए है। यह कारोबार कई बिलियन डॉलर का है।

अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने 5.5 लाख एकड़ जमीन हासिल की है। यह जमीन इतनी बड़ी है कि इसमें तीन सिंगापुर समा सकते हैं। वहीं, अडानी ग्रुप की अक्षय ऊर्जा कंपनियों के पास 4.6 लाख एकड़ जमीन है। यह जमीन रिलायंस की जमीन से सटी हुई है। दोनों ही कंपनियां इस बंजर जमीन को 'ग्रीन गोल्डमाइन' में बदल रही हैं। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि इससे भारत की ऊर्जा व्यवस्था बदल सकती है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज नई ऊर्जा में 75,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। यह निवेश सोलर पीवी मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी सेल और इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन में किया जा रहा है। अडानी भी इसी तरह एकीकृत सोलर पीवी मैन्युफैक्चरिंग, पवन टर्बाइन, इलेक्ट्रोलाइजर और अक्षय ऊर्जा उत्पादन में निवेश कर रहे हैं। शेयर बाजार के जानकार इस प्रतिस्पर्धा पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

बर्नस्टीन के निखिल निगानिया का कहना है कि रिलायंस मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर और हाइड्रोजन जैसे नए क्षेत्रों में आगे रहेगी। वहीं, अडानी अक्षय ऊर्जा की बिक्री, थर्मल और ट्रांसमिशन में आगे रह सकते हैं।

नवरात्रि पूजा का केंद्र हैं हैदराबाद के ये मंदिर

बिरला मंदिर

श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर, सिकंदराबाद

हैदराबाद जहां एक ओर ऐतिहासिक चारमीनार और रामोजी फिल्म सिटी की चकाचौंध है, वहीं दूसरी ओर यह शहर एक गहरी आध्यात्मिक शांति का भी केंद्र है। और नवरात्रि का पर्व आते ही यह शांति एक उल्लास और उत्सव में बदल जाती है। शहर के मंदिरों में एक अद्भुत ऊर्जा और रौनक छा जाती है, जो भक्तों और पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करती है। अगर आप इस नवरात्रि में हैदराबाद में हैं, तो इन मंदिरों के दर्शन करना न भूलें।

बिरला मंदिर: नवरात्रि में बिरला मंदिर की छटा निराली हो जाती है। नायपल्ली पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर जो सफेद संगमरमर से बना है। नवरात्रि के दिनों में रोशनी से जगमगा उठता है। पूरे मंदिर परिसर को हज़ारों दीयों और रंगीन बल्बों से सजाया जाता है। रात के समय यह नज़ारा अत्यंत मनोरम लगता है। मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु और भगवान शिव की मूर्तियों का विशेष श्रृंगार किया जाता है। यह पारिवारिक दर्शन के लिए एकदम सही जगह है।

श्री पेद्दम्मा मंदिर मेहदीपट्नम

श्री जगदम्बा मंदिर, हैदराबाद का सबसे प्राचीन शक्तिपीठः चारमीनार के निकट स्थित यह मंदिर हैदराबाद के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। नवरात्रि के दौरान यहां का माहौल देखने लायक होता है। नौ दिनों तक चलने वाले विशेष पूजा-अनुष्ठान और हवन होते हैं। मां जगदम्बा की मूर्ति को फूलों और आभूषणों से सजाया जाता है। यहां की खास बात है बोनालु उत्सव की झलक, जो तेलंगाना की एक अनूठी परंपरा है।

श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर, सिकंदराबादः सिकंदराबाद में स्थित यह मंदिर मां काली को समर्पित है। इसे हैदराबाद-सिकंदराबाद का सबसे प्रमुख शक्ति मंदिर माना जाता है। नवरात्रि में यहां विशाल मेले जैसा माहौल होता है। मंदिर को फूलों और लाइट्स से अत्यंत आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। अष्टमी और नवमी के दिन यहां विशेष पूजा होती है और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

श्री पेद्दम्मा मंदिर, मेहदीपट्नमः मेहदीपट्नम में स्थित यह मंदिर तेलंगाना क्षेत्र की कुलदेवी, मां पेद्दम्मा को समर्पित है। यह मंदिर न केवल आस्था बल्कि स्थानीय संस्कृति का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। नवरात्रि में यहां नौ दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। जिसमें शास्त्रीय संगीत, नृत्य और भजन संध्या शामिल हैं। मंदिर परिसर में हजारों भक्तों के लिए विशेष प्रसाद का वितरण किया जाता है।

श्री चिलकुर बालाजी मंदिरः हैदराबाद से कुछ किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। इसे हैदराबाद का तिरुपतिर कहा जाता है। नवरात्रि के दिनों में यहां विशेष धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। मंदिर की प्राकृतिक सेटिंग और हरियाली के बीच दर्शन करने का अनुभव अदभूत है।

श्री चिलकुर बालाजी मंदिर

मां कूष्मांडा की आराधना से रोगमुक्त होंगे

भौतिक और आध्यात्मिक सुख भी होगा प्राप्त

नवरात्रि के चौथे दिन माता कूष्मांडा स्वरूप को समर्पित है। 'कू' का अर्थ है छोटा, 'ष' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला- सृष्टि या ऊर्जा का छोटा सा वृहद ब्रह्मांडीय गोला। माना जाता है कि सृष्टि की उत्पत्ति से पूर्व जब चारों ओर अंधकार था तो मां दुर्गा ने इस अंड यानी ब्रह्मांड की रचना की थी। आठ भुजाओं वाली कूष्मांडा देवी अष्टभुजा देवी के नाम से भी जानी जाती हैं।

स्वरूप मां कूष्मांडा का वाहन सिंह है। इनके हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमलपुष्प, अमृत-पूर्ण कलश, चक्र तथा गदा रहते हैं। महत्त्व मां कूष्मांडा के पूजन से हमारे शरीर का अनाहत चक्र जाग्रत होता है। इनकी उपासना से हमारे समस्त रोग और शोक दूर हो जाते हैं। साथ ही भक्तों को आयु, यश, बल और आरोग्य के साथ-साथ सभी भौतिक और आध्यात्मिक सुख भी प्राप्त होते हैं। नवरात्रि के चौथे दिन श्रद्धालु ब्रह्मांड की रचना करने वाली कूष्मांडा मां की आराधना करते हैं। माता कूष्मांडा के रचे इस ब्रह्मांड को बचा रही हैं, कर्नाटक के रामनगर जिले के मगदी तालुका की थिमक्का जैसी सांसारिक देवी। अब 107 बरस की हो चुकीं थिमक्का 8 हजार से ज्यादा पेड़ों की मां हैं। इनमें 400 से ज्यादा बरगद के वृक्ष हैं। यही वजह है कि उन्हें 'वृक्ष माता' की उपाधि मिली है।

विवाह के काफी समय बाद थिमक्का को पता चला कि वे कभी मां नहीं बन सकतीं। परेशान होकर वे आत्महत्या के बारे में सोचने लगीं तो पति की सलाह पर उन्होंने बरगद का एक पौधा लगाया। उसकी बच्चे की तरह देखभाल की। समय से पानी दिया और मवेशियों से भी बचाया।

थिमक्का के जीवन में मां न पाने का खालीपन बरगद के इस पेड़ ने भरना शुरू कर दिया। इसके बाद तो उन्होंने एक के बाद एक पेड़ लगाने शुरू कर दिए। धीरे-धीरे उनका जुनून बढ़ने लगा। अब तक वह 8 हजार से ज्यादा पौधों को पालकर उन्हें पेड़ बना चुकी हैं। लोग उन्हें अब सालुमारदा थिमक्का के नाम से पुकारते हैं। दरअसल, 'सालुमारदा' कन्नड़ भाषा का एक शब्द है, जिसका अर्थ है 'वृक्षों की पंक्ति'।

यूपी के 5 शक्तिपीठ, जहां सती के गिरे थे केश और चूड़ामणि सहित ये 5 अंग

श्रीउमा शक्तिपीठ

वृंदावन में भूतेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित यह शक्तिपीठ 'उमा देवी मंदिर' के नाम से प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां माता सती के केश और चूड़ामणि गिरे थे। यह स्थान श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां वर्षभर भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

रामगिरि शक्तिपीठ

चित्रकूट के रामगिरि स्थान पर स्थित इस शक्तिपीठ का पौराणिक महत्व है। मान्यता है कि यहां सती का दायां वक्ष गिरा था। यहां माता को शिवानी नाम से पूजा जाता है। नवरात्रि में इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो जाता है।

विशालाक्षी शक्तिपीठ

वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट के पास स्थित विशालाक्षी शक्तिपीठ को 51 शक्तिपीठों में विशेष स्थान प्राप्त है। यहां माता सती की मणिकर्णिका गिरी थी और वे विशालाक्षी एवं मणिकर्णी रूप में प्रसिद्ध हुईं। वाराणसी का धार्मिक महत्व इस शक्तिपीठ से और भी बढ़ जाता है।

पंचसागर शक्तिपीठ

इस शक्तिपीठ का वास्तविक स्थान स्पष्ट रूप से ज्ञात नहीं है, किंतु मान्यता है कि यहां माता की निचली दाढ़ गिरी थी। इस कारण यह स्थान वाराही शक्ति के रूप में जाना जाता है।

प्रयाग शक्तिपीठ

संगम तट पर स्थित प्रयाग शक्तिपीठ का महत्व अत्यधिक है। मान्यता है कि यहां सती का हस्तांगुल गिरा था। प्रयागराज में तीन मंदिर ललितादेवी, कल्याणीदेवी और अलोपीदेवी धाम को शक्तिपीठ माना जाता है। संगम स्नान और इन मंदिरों के दर्शन-पूजन को मोक्षदायक माना जाता है।

उत्तर प्रदेश के ये पांच शक्तिपीठ न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा भी हैं। शारदीय नवरात्रि जैसे पर्व इन स्थानों की महिमा को और बढ़ा देते हैं। यहां दर्शन और पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उन्हें शक्ति और शांति की प्राप्ति होती है।

दंतेश्वरी माता के दरबार में नवरात्रि में उमड़ती है भक्तों की भीड

बस्तर। भारत में नवरात्रि पर्व शुरू हो चुका है। इस पर्व में जगह-जगह पर दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापित की जाती है।बस्तर में नवरात्रि के दौरान बस्तर ही नहीं, आसपास के लोग भी दंतेवाड़ा में माता दंतेश्वरी देवी के दर्शन करने पैदल जाते हैं।

नवरात्रि के समय लाखों पदयात्री केवल बस्तर से नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से हर साल दंतेवाड़ा जाते हैं। बस्तर के अनेक श्रद्धालु जगदलपुर से दंतेवाड़ा तक लगभग 100-200 किलोमीटर की यात्रा दंतेश्वरी देवी के दर्शन करने के लिए करते हैं। दंतेवाड़ा भारत के 52 शक्तिपीठों में से एक है, इस कारण इसकी धार्मिक मान्यता भी बहुत अधिक है। जगदलपुर से निकले पदयात्री दो-तीन दिनों में दंतेवाड़ा पहुंच जाएंगे।

नवरात्रि के समय रात के दो बजे से पदयात्रियों की लंबी लाइन लगी रहती है।यह लाइन लेनिन मंदिर से चार किलोमीटर तक तीन-चार लाइनों में होती है। दर्शन करने में आपको छह से आठ घंटे तक का समय लग सकता है।

नवरात्रि के समय लगभग लाखों भक्त दंतेश्वरी माई के दर्शन करने के लिए आते हैं

दंतकथा के अनुसार वंश के राजा अन्नदेव वारंगल से जब दंतेश्वरी माता को लेकर आ रहे थे, तब दंतेश्वरी देवी ने शर्त रखी थी कि मैं आऊंगी, लेकिन तुम पीछे मुड़कर नहीं देखोगे।जहाँ पीछे मुड़कर देखोगे, वहीं मैं आगे नहीं आऊंगी।अन्नदेव दंतेश्वरी देवी के पैरों की पायल से जान लेते थे कि वे साथ-साथ चल रही हैं। वहीं दंतेवाड़ा के शक्नी-डंकनी नदी में पायल की आवाज़ नहीं आई, तो राजा ने पीछे मुड़कर देखा।तब दंतेश्वरी देवी वहीं रुक गईं और कहा, अब इससे आगे नहीं आऊंगी।दंतेवाड़ा जाने वाले पदयात्रियों के लिए प्रशासन ने जलपान और खाने की व्यवस्था की है, ताकि पैदल यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पैदल यात्री संत राम गुप्ता का कहना है कि हम लोगों को आठ साल हो गए हैं, पैदल यात्रा करते हुए। हम लोग बस्तर के दंतेश्वरी माता को अपनी आराध्य देवी मानते हैं, इसलिए उनके प्रति गहरी आस्था जुड़ी हुई है। हर साल नवरात्रि में हम लोग जाते हैं। जगदलपुर से दंतेवाड़ा का यह सफर हम लोग दो दिन में पूरा करते हैं।पैदल यात्रा से स्वास्थ्य भी ठीक रहता है।

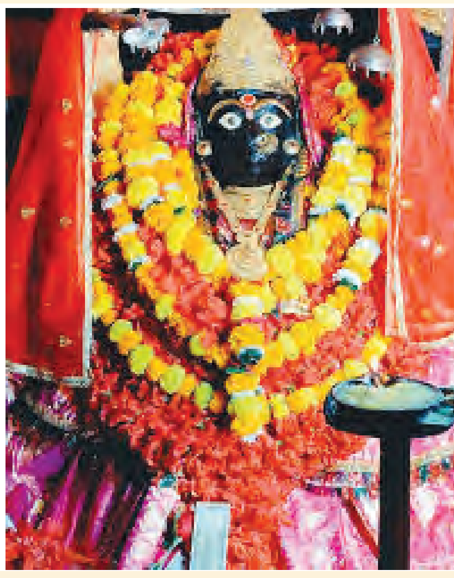

दंतेश्वरी मंदिर

अयोध्या आए हैं और कर चुके हैं राम मंदिर में दर्शन तो इन प्राचीन मंदिरों में जाना न भूलें

अयोध्याः अगर आप परिवार के साथ अयोध्या आने का प्लान बना रहे हैं और अयोध्या के मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन करना चाहते हैं, लेकिन आपको केवल राम मंदिर के बारे में ही पता है, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। राम मंदिर के अलावा और कौन-कौन से पौराणिक मठ-मंदिर हैं, उनकी दूरी कितनी है और वहां कैसे पहुंच सकते हैं, यह सभी जानकारी यहां दी जा रही है।

दरअसल, अयोध्या में 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद प्रभु राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। अगर आप परिवार के साथ राम मंदिर दर्शन-पूजन करने आ रहे हैं और आपने राम मंदिर में दर्शन-पूजन कर लिया है, तो अब आपके मन में यह सवाल हो सकता है कि और कहां दर्शन-पूजन करने जाएं। कैसे सरयू घाट पहुंचें, कितनी दूरी पर है अयोध्या में सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी, कनक भवन, दशरथ महल और सरयू घाट। आइए, विस्तार से एक नजर डालते हैं।

सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर

राम मंदिर से मात्र 700 मीटर की दूरी पर सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर है। धार्मिक मान्यता है कि अगर आप परिवार के साथ अयोध्या आ रहे हैं, तो पहले आपको सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में हनुमान जी महाराज का दर्शन-पूजन करना होगा, यानी कि हनुमान जी महाराज से आज्ञा लेनी होगी। तब आप राम मंदिर के लिए जा सकते हैं। राम मंदिर से बिरला धर्मशाला के रास्ते हनुमानगढ़ी के लिए रास्ता मुड़ा हुआ है।

कनक भवन मंदिर

इसके अलावा, राम मंदिर से कनक भवन और दशरथ महल के लिए आपको भक्ति पथ का चयन करना होगा। अमावा मंदिर होते हुए दशरथ महल और दशरथ महल के ठीक बाद कनक भवन मंदिर है, जो राम मंदिर से मात्र 600 मीटर की दूरी पर स्थित है।

सरयू घाट

इसके अलावा, राम मंदिर से सरयू घाट की दूरी लगभग 1 से 2 किलोमीटर है, जहां आप लता मंगेशकर चौक होते हुए सरयू घाट पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर आप परिवार के साथ अयोध्या आने का प्लान बना रहे हैं और यह जानकारी आपको पता है, तो आपकी यात्रा बेहद सुगम होगी।

गायक जुबीन गर्ग के निधन के बाद मुख्यमंत्री ने उठाया कदम, असम में नहीं होगा कोई फेस्टिवल

असम सरकार ने बुधवार को नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत पर राज्य में कोई भी समारोह या कार्यक्रम आयोजित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। गायक जुबीन गर्ग अपने निधन से पहले इस महोत्सव में शामिल होने सिंगापुर गए थे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने यह जानकारी दी।

सिंगापुर में हुआ था जुबीन का निधन

जुबीन गर्ग का 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय निधन हो गया। वह महंत और उनकी कंपनी द्वारा आयोजित चौथे नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में भाग लेने के लिए दक्षिण-पूर्व एशियाई देश गए थे।

सीएम ने पोस्ट में क्या लिखा?

सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'राज्य सरकार ने श्यामकानु महंत और उनसे जुड़े किसी भी संगठन को असम के भीतर कोई भी समारोह या उत्सव आयोजित करने से प्रतिबंधित करने का फैसला किया है। राज्य सरकार केंद्र से यह भी अनुरोध करेगी कि वह उन्हें किसी भी तरह की वित्तीय सहायता न दे।'

कई राज्य सरकारों का है समर्थन

नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल को कई केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा प्रायोजित किया जाता है। इसे लगभग सभी पूर्वोत्तर राज्य सरकारों से भी समर्थन प्राप्त है।

23 सितंबर को हुआ गर्ग का अंतिम संस्कार

मंगलवार को गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र कामारकुची के वन्य क्षेत्र में जुबीन गर्ग का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान हजारों फैंस ने उनके गीतों को गाकर उन्हें अंतिम विदाई दी।

विक्रांत के नेशनल अवॉर्ड जीतने पर पत्नी शीतल ने दी बधाई

विक्रांत मैसी को बीते मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह के दौरान भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से '12वीं फेल' में उनके शानदार अभिनय के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसी खुशी को जाहिर करते हुए विक्रांत की पत्नी शीतल ने सोशल मीडिया हैंडल पर विक्रांत के लिए एक भावुक नोट लिखा है।

शीतल ठाकुर का पोस्ट

शीतल ने आज इंस्टाग्राम पर पति विक्रांत मैसी को नेशनल अवॉर्ड जीतने की खुशी में एक पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है। शीतल ने अपनी और विक्रांत की एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'जब मुझे लगता है कि मैं इससे अधिक गर्व नहीं कर सकती, तो आपने मुझे गर्व करने का एक और कारण दे दिया। आपके पहले राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए बधाई। आप जहां भी जाते हैं, वहां आपकी सबसे जोरदार चीयरलीडर बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।'

सेलेब्स के कमेंट्स

विक्रांत को नेशनल अवॉर्ड जीतने पर कई सेलेब्स ने उन्हें बधाई संदेश भेजे हैं। जीत रैदत्त ने लिखा, 'चमकते रहो', तमन्ना भाटिया ने लिखा, 'बधाई', हिना खान ने लिखा, 'बहुत गर्व है', गौहर खान ने लिखा, 'हां, वह सचमुच इसके हकदार हैं बधाई', विक्रांत को पहला नेशनल अवॉर्ड मिलने पर उनके फैंस ने भी उन्हें जमकर बधाई दी है।

विक्रांत का वर्कफ्रंट

विक्रांत के अलावा शाहरुख खान को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं शाहरुख खान को यह अवॉर्ड फिल्म 'जवान' में उनके अभिनय के लिए दिया गया। काम की बात करें तो कथित तौर पर विक्रांत बहुप्रतीक्षित बायोपिक 'व्हाइट' में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

'अल्फा' को पहली एक्शन फिल्म बता कर ट्रोल हुईं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चाओं में हैं। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होनी है। अब आलिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म बता रही हैं। आलिया के ऐसा बताने पर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल कर दिया है। वहीं आलिया के लुक को लेकर भी उन्हें निशाने पर लिया गया और दीपिका को कॉपी करने की बात कही।

आलिया ने 'अल्फा' को कहा अपनी पहली एक्शन फिल्म

मिलान फैशन वीक में गुच्ची स्प्रिंग/समर 2026 फैशन शो के दौरान आलिया ने मीडिया से बात करते हुए आलिया ने 'अल्फा' को लेकर अपना उत्साह जताया। इसी दौरान अभिनेत्री ने 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म कहकर संबोधित किया। फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'यह रिलीज के काफी करीब है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि यह मेरी पहली एक्शन फिल्म है, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं।'

यूजर्स ने किया ट्रोल, 'जिगरा' और 'कलंक' की दिलाई याद

अब आलिया के 'अल्फा' को अपनी पहली फिल्म बताने पर नेटिजेंस ने एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि आलिया इससे पहले 'जिगरा' और 'हार्ट ऑफ स्टोन' जैसी एक्शन फिल्में कर चुकी हैं। तो वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि आलिया ने अपनी फिल्मोग्राफी से 'सड़क 2' और 'कलंक' जैसी फिल्में हटा ही दी हैं। नेटिजेंस का कहना है कि क्या अभिनेत्री अपनी पिछली एक्शन फिल्मों, खासकर 'जिगरा' को नजरअंदाज कर रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आलिया यह एक एक्शन फिल्म थी। दोनों ही बुरी तरह फ्लॉप हुईं।'

जबकि एक अन्य ने लिखा, 'आलिया ने अपनी फिल्मों से 'शानदार', 'सड़क', 'कलंक', 'जिगरा' और 'हार्ट ऑफ स्टोन' हटा दी हैं।' एक और ने लिखा, 'मजाक छोड़ो, अपनी नाकामियों को स्वीकार न करना (हम सब पर लागू होता है) इंसान के बारे में बहुत कुछ कहता है। यह इस बात का भी संकेत हो सकता है कि इंसान कभी उससे सीख नहीं लेता।' एक यूजर ने लिखा, 'शश्श, हम कभी सड़क, कलंक, हार्ट ऑफ स्टोन या जिगरा के बारे में बात नहीं करते।'

अपने लुक को लेकर भी ट्रोल हुईं आलिया

इसके अलावा आलिया को मिलान फैशन वीक में उनके लुक को लेकर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

यहां लोगों ने उनके लुक की तुलना दीपिका पादुकोण के लुक से कर दी।

इसके बाद नेटिजेंस ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ ने लिखा, 'आलिया दीपिका को कॉपी करने का प्रयास कर रही हैं।' तो वहीं कई ने आलिया को सस्ती दीपिका करार दिया।

दिसंबर में रिलीज होगी 'अल्फा'

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर 'अल्फा' इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

इसके अलावा आलिया पति रणबीर कपूर और अभिनेता विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' की भी शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होनी है।

'मास जथारा' मूवी में रवि तेजा के साथ श्रीलीला आयेंगी नजर

आज 'मास जथारा' के निर्माता नागा वामसी ने सोशल मीडिया हैंडल पर रवि तेजा और श्रीलीला की आगामी फिल्म 'मास जथारा' की रिलीज को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है। जिससे रवि और श्रीलीला के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।

'मास जथारा' रिलीज की तारीख

नागा वामसी ने आज एक्स पर फिल्म 'मास जथारा' की रिलीज डेट को लेकर एक खास घोषणा की है। निर्माता नागा वामसी ने आखिरकार मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मास जथारा' की रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए एक्स पर लिखा, 'हम इस दशहरा पर 2 अक्बतूर को रिलीज की तारीख की घोषणा करेंगे... उसके बाद, लगातार अपडेट और प्रमोशन जारी रहेंगे। हमारे ऊर्जावान मास महाराज को देखने के लिए तैयार हो जाइए।' वैसे यह फिल्म पहले मूल रूप से 27 अगस्त, 2025 को रिलीज होने वाली थी। इस फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक तौर पर इसकी तारीख आगे बढ़ाने की घोषणा की थी। अब, नागा वामसी ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी देकर फैंस को खुश कर दिया है।

'मास जथारा' के बारे में

'मास जथारा' का निर्देशन भानु भोगवरपु ने किया है। इस फिल्म के निर्माता नागा वामसी हैं। इस फिल्म में मास महाराज रवि तेजा और श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं। वैसे श्रीलीला और रवि पहले सुपरहिट एक्शन कॉमेडी फिल्म 'धमाका' में एक साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का संगीत भीम्स सेसिरेलो ने तैयार किया है। इस एक्शन-ड्रामा फिल्म की सिनेमैटोग्राफी विधु अयन्ना और संपादन नवीन नूली ने किया है। फिल्म का निर्माण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज ने मिलकर किया है।

रानी मुखर्जी ने पिता को समर्पित किया नेशनल अवॉर्ड

अभिनेत्री रानी मुखर्जी को हाल ही में फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला है। अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बुधवार को कहा कि अपने 30 साल के करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतना एक भावुक क्षण है। रानी ने यह सम्मान अपने दिवंगत पिता राम मुखर्जी को समर्पित किया।

पिता को समर्पित किया सम्मान

मंगलवार को 71वें नेशनल फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रानी मुखर्जी को 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया। आशिमा छिब्बर द्वारा निर्देशित यह फिल्म मार्च 2023 में रिलीज हुई।

अवॉर्ड मिलने पर रानी ने कहा 'एक अभिनेत्री के रूप में अपने 30 साल के सफर में पहला राष्ट्रीय पुरस्कार पाकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। यह सम्मान मेरे लिए मेरी दुनिया है। मैं इसे अपने दिवंगत पिता को समर्पित करना चाहती हूं, जिन्होंने हमेशा मेरे लिए इस पल का सपना देखा था।'

मां से मिली प्रेरणा

47 साल की अभिनेत्री ने बयान में कहा 'आज मुझे उनकी बहुत याद आ रही है और मैं जानती हूं कि यह उनका आशीर्वाद और मेरी मां की प्रेरणा है, जिसने मुझे श्रीमती चटर्जी की भूमिका निभाने में मार्गदर्शन दिया।'

उन्होंने अपने प्रशंसकों और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के कलाकारों और क्रू के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

फैंस का शुक्रिया अदा किया

रानी मुखर्जी ने कहा 'मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे की पूरी टीम ने इस शक्तिशाली कहानी में अपना दिल लगा दिया। मैं उनमें से प्रत्येक के प्रति बहुत आभारी हूं। मेरे फैंस हर उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। आपका अटूट प्यार और समर्थन मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा रही है। मैं जानती हूं कि यह पुरस्कार आप सभी के लिए कितना मायने रखता है। यह देखकर मुझे बहुत खुशी और आनंद मिलता है कि आप कितने खुश हैं।'

फिल्म की कहानी

फिल्म 'मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे' नॉर्वे में रहने वाली एक भारतीय मां देबिका चटर्जी (मुखर्जी) की कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि वह अपने बच्चों से जबरन अलग कर दिए जाने के बाद उनकी कस्टडी वापस पाने के लिए अधिकारियों से लड़ती हैं। मुखर्जी अगली बार अपनी अपराध ड्रामा फिल्म 'मर्दानी 3' में दिखाई देंगी।

सौरभ शुक्ला के अलावा इन सितारों ने अदा की जज की भूमिका हामिद अली मुराद ने तो 300 फिल्मों में किया यही किरदार

कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में वकील के रूप में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। वहीं, फिल्म में जज के किरदार में सौरभ शुक्ला नजर आए हैं और उनके अभिनय को भी दर्शक दाद दे रहे हैं। इस फ्रेंचाईजी की पिछली दोनों फिल्मों में भी सौरभ ने ही जज की भूमिका से कमाल किया। उनसे पहले भी कई चर्चित सितारे परदे पर जज बन चुके हैं। एक अभिनेता ने तो करीब 300 बार यह भूमिका निभाई। पढ़िए इस रिपोर्ट में...

डीके सप्रू

एक्टर डी के सप्रू ने साल 1947 में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने तीन दशक से भी ज्यादा समय तक कैरेक्टर एक्टर के रूप में काम किया। उन्होंने 'साहिब बीवी और गुलाम', 'हीर रांझा', 'पाकीजा', 'शाहिद' और 'लीडर' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने 'फूल और पत्थर दुनिया', 'प्रेम पुजारी' और 'हलचल' जैसी फिल्मों में जज की भूमिकाएं निभाईं। उनके बेटे तेज सप्रू भी कलाकार हैं।

जगदीश सेठी

जगदीश सेठी ने अपने करियर की शुरुआत साल 1931 में भारत की पहली साउंड फिल्म से की थी, जिसका नाम था 'आलम आरा'। जगदीश फिल्म में जज के रूप में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने सुनील दत्त और साधना अभिनीत कोर्टरूम ड्रामा 'मेरा साया' में जज की भूमिका निभाई थी।

पृथ्वीराज कपूर

दिवंगत अभिनेता पृथ्वीराज कपूर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। लोकप्रिय फिल्म 'मुगल-ए-आजम' में बादशाह अकबर की भूमिका के लिए उन्हें जाना जाता है। पृथ्वीराज कपूर ने अपने बेटे राज कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आवारा' में जज की भूमिका निभाई थी। दरअसल, 'आवारा' में कपूर परिवार की तीन पीढ़ियां देखी गईं। क्लाइमेक्स में, जब पृथ्वीराज कपूर को गवाह के तौर पर देखा गया। उनके पिता दीवान बशेश्वरनाथ कपूर जज की भूमिका में दिखाई दिए।

हामिद अली मुराद

हामिद अली मुराद, जो मुराद के नाम से इंडस्ट्री में मशहूर रहे। उनका जन्म साल 1911 में उत्तर प्रदेश के रामपुर में हुआ। वे फिल्मों में सहायक किरदार निभाने के लिए मशहूर थे। यूं तो मुराद ने पर्दे पर कई भूमिकाएं निभाईं, मगर जज का रोल उन्होंने दस या बीस बार नहीं, बल्कि करीब 300 फिल्मों में अदा किया। 1940 से करियर शुरू करने वाले मुराद ने 1990 तक करीब 500 फिल्मों में काम किया। इनमें से करीब 300 फिल्मों में वे जज के रोल में नजर आए। बता दें कि मुराद के बेटे रजा मुराद इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और विलेन का किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं।

क्या 'कांतारा' से टक्कर होने पर डरे वरुण?

वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। यह फिल्म 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर इस साल की मच अवेटेड फिल्म 'कांतारा 2' से होनी है। यही कारण है कि वरुण-जान्हवी की फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर सबकी नजरें लगी हुई हैं। अब वरुण ने खुद बताया है कि क्या उन्हें ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा' से डर लग रहा है या नहीं?

वरुण बोले- मैं चाहता हूं सभी मुस्कुराएं

वरुण धवन ने एक्स पर Varunsays के नाम से फैंस के साथ एक बातचीत का सेशन रखा। इसी दौरान ने एक प्रशंसक ने वरुण से पूछा, 'कांतारा से डर नहीं लगा?' इस पर वरुण ने जवाब देते हुए कहा, 'रिलीज की तारीख तो प्रोडक्शन वाले तय करते हैं। पर हम बस अपनी फिल्म पर मेहनत कर रहे हैं और लोगों को हंसाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं कामना करता हूं कि 2 अक्तूबर को सभी हंसें, मुस्कुराएं और जश्न मनाएं।'

'बेबी जॉन' को वरुण ने बताया फ्लॉप

फैंस के साथ बातचीत सेशन के दौरान वरुण ने अपनी पिछली फिल्म 'बेबी जॉन' के फ्लॉप होने पर भी प्रतिक्रिया दी। एक फैन ने वरुण से 'बेबी जॉन' को लेकर सवाल किया कि क्या यह उनकी पहली फ्लॉप फिल्म थी? इस पर जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, 'हां, नहीं चली यार। सबने बहुत मेहनत की है। इसलिए 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की स्क्रिप्ट बिल्कुल नई है, उम्मीद है 2 अक्तूबर को सबको मजा आएगा।'

बॉक्स ऑफिस पर होगी 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'कांतारा चैप्टर 1' में टक्कर

बात करें 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की तो शशांक खेतान द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में वरुण के साथ जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अक्षय ओबेरॉय और मनीष पॉल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म के ट्रेलर और गानों को काफी पसंद किया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर इस फिल्म की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर उसी दिन रिलीज हो रही ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' से होनी है। अब देखना ये है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' का मुकाबला करक पाएगी या नहीं।

3,848 सरपंच बनेंगे प्रशासक

पंचायतों का बढ़ेगा कार्यकाल; वार्ड पंचों की भी लगी लॉटरी

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 3,848 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने का फैसला किया है, जिनका कार्यकाल सितंबर और अक्टूबर 2025 में समाप्त होने वाला था। इस निर्णय के तहत वर्तमान सरपंचों को प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि तत्काल नए पंचायत चुनाव कराना संभव नहीं होने के कारण यह कदम उठाया गया है।

बता दें, इन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 15 अक्टूबर 2025 तक समाप्त हो रहा है। अब इन पंचायतों में वर्तमान सरपंच, नए चुनाव होने तक प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। उनके सहयोग के लिए एक प्रशासकीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें उप-सरपंच और वार्ड पंच शामिल होंगे। यह समिति निर्वाचित पंचायत की सभी शक्तियों का प्रयोग करेगी।

इसके अलावा, पंचायत के बैंक खातों के संचालन से संबंधित वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियां प्रशासक और ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) द्वारा संयुक्त रूप से प्रयोग की जाएंगी। यह व्यवस्था ग्रामीण प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने के लिए की गई है।

प्रशासकीय समिति का गठन ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के शासन सचिव और आयुक्त जोगाराम ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, जिन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 15 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो रहा है और जहां किसी कारणवश तत्काल चुनाव संभव नहीं है, वहां यह नई व्यवस्था लागू होगी।

निर्वाचन प्रक्रिया में देरी का कारण

प्रशासकीय समिति में ग्राम पंचायत के कार्यकाल समाप्त होने से पहले के उप-सरपंच और वार्ड पंचों को शामिल किया जाएगा। यह समिति ग्राम पंचायत के दैनिक कार्यों और विकास योजनाओं के संचालन में प्रशासक की सहायता करेगी। यह व्यवस्था पूरे राजस्थान में लागू होगी। बताते चलें कि अधिसूचना में कहा गया है कि कुछ अपरिहार्य कारणों से नई पंचायतों के लिए तत्काल चुनाव कराना संभव नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने सिंगल बेंच का फैसला रखा बरकरार

एसआई भर्ती रद्द का आदेश लागू

ट्रेनिंग पर रोक; डबल बेंच को दिया आदेश

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सब-इंस्पेक्टर भर्ती 2021 के पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश जारी किया है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के 8 सितंबर 2025 के अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग की अनुमति दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले में अंतिम फैसला नहीं सुना देता, तब तक चयनित अभ्यर्थियों की किसी भी प्रकार की ट्रेनिंग पर पूरी तरह रोक रहेगी। साथ ही, कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह तीन महीने के भीतर इस अपील का निपटारा करे।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट की जस्टिस समीर एकलपीठ के उस आदेश को यथावत रखा, जिसमें पूरी चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। एकलपीठ ने अपने फैसले में भर्ती प्रक्रिया में पेपर लीक और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के आधार पर चयन प्रक्रिया को रोकने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले में किसी भी प्रकार के बदलाव से इनकार करते हुए कहा कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं लेता, तब तक एकलपीठ का आदेश लागू रहेगा।

कोर्ट में सरकार ने दी ये दलील

इस मामले में राजस्थान सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) शिव मंगल शर्मा ने दलील दी कि चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग की अनुमति दी जानी चाहिए, भले ही उनकी फील्ड पोस्टिंग न हो। यह तर्क हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के 8 सितंबर 2025 के आदेश पर आधारित था, जिसमें अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन फील्ड पोस्टिंग पर रोक लगाई गई थी।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठने के कारण ट्रेनिंग सहित सभी गतिविधियों पर रोक रहेगी।

तीन महीने में लेना होगा फैसला

मामले की सुनवाई के दौरान मूल याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट राजीव शकधर ने पैरवी की, जबकि चयनित अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने दलीलें पेश कीं। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि पेपर लीक और अनियमितताओं के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया संदेह के घेरे में है और इसलिए चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग या नियुक्ति की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट को तीन महीने में अंतिम फैसला सुनाने का निर्देश दिया।

सतीश पूनिया के तीखे तेवर, बोले- विपक्ष का धर्म भूल गए हैं गहलोत, जरूरत पड़ी तो कोचिंग दूंगा

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि गहलोत राजनीतिक असुरक्षा महसूस कर रहे हैं और विपक्ष की जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। पूनिया ने तंज कसते हुए कहा कि गहलोत अगर चाहें तो उन्हें विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए वे कोचिंग देने को तैयार हैं।

पूनिया ने कहा कि गहलोत आजकल बिना सिर-पैर के बयान दे रहे हैं। इतने बड़े कद के नेता होकर अगर वे इस तरह की बयानबाजी करेंगे तो यह समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत एक सामान्य परिवार से आए व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं और मुख्यमंत्री की कुर्सी को अपना मौलिक अधिकार समझते हैं। भाजपा नेता ने गहलोत के कार्यकाल पर हमला बोलते हुए कहा कि 2018 से 2023 के दौरान राजस्थान अपराध, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मामलों में देशभर में बदनाम हुआ। पूनिया के मुताबिक उस समय रोजाना 17 दुष्कर्म और 8 हत्याएं होती थीं। महिला अपराध और बच्चों की तस्करी के मामलों में राजस्थान देश में नंबर वन बन गया था। यहां तक कि शांतिप्रिय प्रदेश में 10 प्रतिशत अधिक सांप्रदायिक दंगे गहलोत के कार्यकाल में हुए।

कोरोना काल का जिक्र करते हुए पूनिया ने कहा कि जब रोजाना 162 मौतें हो रही थीं, उस समय गहलोत सरकार बाड़े में बंद होकर अपनी ही पार्टी के नेताओं पर राजद्रोह जैसे मुकदमे दर्ज करवा रही थी। उन्होंने कहा कि गहलोत की प्रेस वार्ता महज दिखावा है और उनके बयान सिर्फ अखबारों की सुर्खियों तक सीमित हैं।

कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भी पूनिया ने गहलोत को घेरा और कहा कि यह अपराध उनके शासनकाल में ही हुआ था। कन्हैयालाल ने बार-बार पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई थी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस लापरवाही की वजह से अपराधियों ने जघन्य वारदात को अंजाम दिया। पूनिया ने कहा कि अपराधियों को जनता ने पकड़ा और अब मामला एनआईए में है, न्यायपालिका की प्रक्रिया में कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

रविंद्र भाटी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

बोले- वोट चोरी अभियान केवल राजनीतिक मुद्दा

बीकानेर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर के शिव जिले के निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी बीकानेर के दौरे पर पहुंचे। नाल एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर समर्थकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच गर्मजोशी भरा स्वागत कार्यकर्ताओं के उत्साह का केंद्र बन गया।

एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में भाटी ने कांग्रेस के वोट चोरी चुनावी अभियान को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- जहां कांग्रेस जीतती है वहां वोट चोरी नहीं होती लेकिन जहां हारती है, वहां चोरी होती है? मुझे नहीं लगता कि आज की तारीख में ऐसा कुछ संभव है। यह महज एक राजनीतिक मुद्दा है।

खेजड़ी पेड़ों की कटाई पर पूछे गए सवाल पर भाटी ने कहा कि ट्री प्रोटेक्शन एक्ट को सख्ती से लागू करवाने के लिए कई लोग प्रयासरत हैं और उम्मीद है कि इस दिशा में जल्द ही ठोस कानून बनेगा।

राजस्थानी भाषा को मान्यता देने के विषय में उन्होंने कहा कि यह हमारी मातृभाषा है और इसे मान्यता दिलाने के लिए लंबा संघर्ष जारी है। हम लगातार लड़ रहे हैं और राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाकर रहेंगे।

बीकानेर पहुंचने पर भाटी के काफिले का जगह-जगह स्वागत किया गया। इसके बाद वे पूगल के लिए रवाना हुए। भाटी ने बीकानेर के लोगों से मिले प्यार के लिए भी आभार जताया।

'जब भी बाजार जाएं, स्वदेशी समान लाएं'

जोधपुर में बोले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को जोधपुर के बाजारों में आम जनता और व्यापारियों से मिलकर जीएसटी रिफॉर्म्स का संदेश पहुँचाया और स्वदेशी सामान को बढ़ावा देने के नारे लगाए। उन्होंने कहा, "जब भी बाजार जाना है, स्वदेशी समान लाना है, घर-घर स्वदेशी, हर घर स्वदेशी।" पत्रकारों से बातचीत में शेखावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए जीएसटी स्लैब को दो कर दिया है। इसके तहत सामान्य घरेलू वस्तुएं, विद्यार्थियों के उपयोग की सामग्री और किसानों के उपकरणों सहित अधिकांश उपयोगी वस्तुओं की GST दर कम कर दी गई है। आम उपयोग की 90% वस्तुओं को अब जीरो और पांच प्रतिशत स्लैब में लाया गया है।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इससे आम जनता की बचत बढ़ेगी, और जब लोगों के पास अधिक पैसा होगा, तो उसका सकारात्मक असर मार्केट पर पड़ेगा। इससे खरीदारी बढ़ेगी और रोजगार के अवसर सुरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के GST रिफॉर्म्स ने देश में दीवाली से पहले ही हर घर में उत्साह और जोश का माहौल पैदा कर दिया है।

जोधपुर प्रवास के दौरान शेखावत सरदारपुरा क्षेत्र में भाजपा के जन जागरण अभियान के तहत व्यापारियों और दुकानदारों से मिले और जीएसटी रिफॉर्म्स को "बचत उत्सव" के रूप में मनाया। उन्होंने स्वदेशी सामान को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर व्यापारियों ने गजेंद्र सिंह शेखावत का स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, राजस्थान सरकार के मंत्री के. के. विश्नोई, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, शहर भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परमाणु बिजलीघर के विस्थापितों का धरना प्रदर्शन

सांसद राजकुमार रोत के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा

बांसवाड़ा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांसवाड़ा में परमाणु बिजलीघर की आधारशिला रखने वाले हैं। इससे दो दिन पहले 23 सितंबर को भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद राजकुमार रोत के नेतृत्व में विस्थापितों और कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट में करीब तीन घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद सांसद ने विस्थापितों की 30 सूत्री मांगों का ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी हुई।

सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि कलेक्टर ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली मांगों को हल करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि परमाणु बिजलीघर से जुड़े मुद्दों पर एनपीसीआईएल और स्थानीय नेताओं ने 50 लाख रुपए प्रति बीघा मुआवजा देने का माहौल बनाया लेकिन अंत में सिर्फ 7.68 लाख रुपए प्रति बीघा मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा कि माही बांध से विकास तो हुआ लेकिन कुशलगढ़, आम्बापुरा और डूंगरपुर तक पानी नहीं पहुंचा और विस्थापितों को आज भी स्थायी ठिकाना नहीं मिला। रोत ने जोर देकर कहा कि उनकी मांगें वैध हैं और प्रशासन, सरकार और पीएम मोदी के आने पर विकास की झलक दिखाने वाले वीडियो नहीं बल्कि वास्तविक स्थिति जनता के सामने रखी जाए।

सांसद ने कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि जो कांग्रेस के नेता बीजेपी के लिए काम करते हैं, उनके खिलाफ कड़ा विरोध है। प्रदर्शन में विधायक जयकृष्ण पटेल, हेमंत राणा और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन के दौरान विस्थापितों ने हम हमारा हक मांगते हैं, किसी से भीख नहीं और मोदी सरकार होश में आओ, परमाणु बिजलीघर निरस्त करो, जैसे नारे लगाए और अपनी मांगें रखीं।

एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत के बाद फूटा लोगों का गुस्सा, अलवर-जयपुर रोड किया जाम

अलवर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में 5 साल का बच्चा भी शामिल है। हादसे के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने अलवर-जयपुर रोड जाम कर दिया है। हालात तनावपूर्ण होने के चलते बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल, ग्रामीणों को समझाने का प्रयास जारी है।

हादसा बुधवार सुबह करीब 9 बजे थानागाजी क्षेत्र में दौसा रोड पर झिरी स्टैंड के पास हुआ। थानागाजी के मेजोड़ गांव के रहने वाले चार लोग बाइक पर सवार होकर झिरी से प्रतापगढ़ की ओर जा रहे थे। तभी प्रतापगढ़ से झिरी की ओर आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार लोगों को कुचल दिया है। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक घायल ने अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया।

डंपर चालक को पीटकर पकड़ा

भीषण हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग छूटा। लेकिन, ग्रामीणों ने पिपलाई स्टैंड के पास डंपर को रुकवा लिया और डंपर के टायरों की हवा निकाल दी। गुस्साए ग्रामीणों ने चालक को पकड़कर पीट दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर चालक को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया।

ग्रामीणों ने अलवर-जयपुर रोड पर लगाया जाम

एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने थानागाजी इलाके में अलवर-जयपुर रोड पर जाम लगा दिया। इस दौरान कुछ राहगीरों की प्रदर्शनकारियों से झड़प हो गई।

मामला बढ़ता देख पुलिस उपाधीक्षक महावीर सिंह, प्रतापगढ़ तहसीलदार दाताराम गुर्जर, थानागाजी तहसीलदार मोहित पंचोली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से समझाइश के प्रयास जारी है। लेकिन, ग्रामीण अवैध रूप से चल रहे ओवरलोड डंपरों को बंद करने की मांग पर अड़े हुए है।

हादसे में इनकी गई जान

हादसे में मारे गए लोगों की पहचान बाबूलाल पुत्र बद्रीलाल (40), मोनू पुत्र जगन्नाथ (5), अशोक पुत्र श्रवण (22) और नरसी पुत्र नैना राम (25) निवासी मेजोड़ के रूप में हुई है। मरने वाले एक ही परिवार के बताए जा रहे है। मोनू का बड़ा भाई जमवारामगढ़ के दंताला स्कूल के हॉस्टल में रहता है। ये सभी लोग मोनू को उसके बड़े भाई से मिलवाने जा रहे थे। तभी हादसे का शिकार हो गए। हादसे में बाइक भी बुरी तरह चकनाचूर हो गई।

मछली शिकार पर सख्त कार्रवाई, 25 हजार जुर्माना

भीलवाड़ा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में बांधों और तालाबों पर अवैध तरीके से मछलियों के शिकार को रोकने के लिए राज्य सरकार ने जुर्माना कई गुना बढ़ाते हुए 25 हजार रुपए तक कर दिया है। इसके साथ ही सजा का प्रावधान भी और कड़ा किया है। भीलवाड़ा जिले में संशोधित राजस्थान मत्स्य विधेयक को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मत्स्य विभाग ने मशक्कत शुरू कर दी है। राजस्थान मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) विधेयक- 2025 विधानसभा के मानसून सत्र में पारित किया गया। इसके अनुसार अब बिना अनुज्ञा पत्र के मछली पकड़ने, विस्फोटक अथवा विष डालकर मछली मारने जैसे मत्स्य अपराधों पर जुर्माना बढ़ाया गया है। अब तक पहली बार अपराध साबित होने पर 500 रुपए की शास्ति, 3 माह कैद की सजा या दोनों का प्रावधान था।

बंद हो गए 1-2 रुपए के सिक्के सीधे 5 रुपए करने पड़ रहे खर्च

झालावाड़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भवानीमंडी में एक-दो रुपए के सिक्कों का चलन लगभग समाप्त हो गया है। इसके कारण आमजन को एक रुपए की माचिस, टॉफी, शैंपू या अन्य छोटी वस्तुओं के लिए भी सीधे पांच रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। केवल भवानीमंडी ही नहीं पूरे जिले में यह समस्या दिखाई दे रही है।

नगरवासियों ने बताया कि अब एक-दो रुपए की वस्तुओं के लिए भी पांच रुपए अदा करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, एक रुपए की माचिस खरीदनी हो तो पांच रुपए देने पड़ते हैं। यही हाल अन्य छोटी वस्तुओं जैसे सुपारी, फोटो कॉपी, ब्लेड आदि का भी है। इस व्यवस्था का असर गरीब और आमजन पर सबसे अधिक पड़ रहा है।

हमारे जिले मे ही एक-दो रुपए के सिक्कों पूरी तरह से बंद कर दिए गए है। प्रशासन को मुनादी आदि करवाकर फिर से भारतीय मुद्रा का चलन शुरू करवाना चाहिए।

एक रुपए की वस्तु के लिए सीधे पांच रुपए खर्च करने पड़ते है। एक-एक रुपए करके हर माह 100-200 रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। यह गलत है।

एक-दो रुपए के सिक्कों को लेने से मना करता है तो उपभोक्ता इसकी शिकायत आरबीआई या स्थानीय पुलिस थाने में कर सकते हैं। ऐसे मामलों में भारतीय मुद्रा अधिनियम और आईपीसी के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

3 प्रोबेशनर एसआई गिरफ्तार, लीक सॉल्वड पेपर पढ़कर पास की थी परीक्षा, अब तक 130 लोग पकड़े गए

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुरः राजस्थान पुलिस की सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। राज्य के एसओजी ने तीन प्रोबेशनर एसआई परमेश चौधरी (26), मनोहर सिंह जाट (25) और मनोहर लाल विश्नोई (26) को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि इन आरोप है कि तीनों ने पेपर लीक गिरोह से पहले से लीक हुआ सॉल्वड पेपर पढ़कर परीक्षा पास की थी। इनके आधार पर परमेश चौधरी 180वें, मनोहर सिंह 38वें और मनोहर लाल 171वें रैंक पर एसआई के रूप में नियुक्त हुए थे।

परमेश चौधरी जयपुर ग्रामीण के त्योदा गांव का रहने वाला है और वर्तमान में टोंक पुलिस लाइन में तैनात था। मनोहर सिंह जालोर जिले के सेड़िया गांव के निवासी हैं और कोटा शहर पुलिस लाइन में सेवा दे रहे थे।

वहीं, मनोहर लाल विश्नोई जालोर जिले के पूनासा गांव से हैं और सिरोही पुलिस लाइन में कार्यरत थे। एसओजी ने बताया कि तीनों ने पेपर लीक माफिया से परीक्षा से पहले सॉल्वड पेपर हासिल कर लिखित परीक्षा पास की।

एसओजी की अब तक की कार्रवाई में कुल 59 एसआई और अन्य 71 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यानी कुल 130 लोग इस मामले में पकड़े जा चुके हैं। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है, जिसमें पेपर लीक गिरोह और अन्य जुड़े लोगों के संबंध में कई अहम खुलासे होने की संभावना है।

मॉब लिंचिंग: गौतस्करी के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या

भीलवाड़ा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के 32 वर्षीय शेरू सुसाड़िया को राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गौतस्करी के शक में पीट-पीटकर मार दिया गया। उनके परिवार का कहना है, शेरू भीलवाड़ा के लांबिया पशु मेले से पशु खरीदकर घर लौट रहा था। इस घटना ने उनके परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया।

बता दें कि शेरू के चचेरे भाई मंजूर पेमला ने बताया, शेरू अपने साथी मोहसिन डोल के साथ पिकअप ट्रक में घर लौट रहे थे, तभी लगभग सुबह 3 बजे एक वाहन उनका पीछा करने लगा और रास्ता रोक दिया। उन्होंने दोनों को वाहन से बाहर खींचा और हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने शेरू और मोहसिन पर गायों को मारने का आरोप लगाया। शेरू ने पुलिस बताया था, ये घरेलू पशु मेले से खरीदे गए हैं, लेकिन हमलावर नहीं माने। मोहसिन भागने में सफल रहे, लेकिन शेरू को बुरी तरह पीटा गया और उनके पास मौजूद 36,000 रुपए छीन लिए गए। चचेरे भाई मंजूर ने यह भी बताया कि एक आरोपी ने शेरू के फोन से उन्हें कॉल की और कहा कि अगर शेरू को जीवित देखना चाहते हैं तो 50,000 की मांग पूरी करनी होगी।

रेप के आरोपी को पकड़ने आई पुलिस से सीकर में मारपीट

महिलाओं ने नोंचे बाल, जड़े थप्पड़; केस दर्ज

सीकर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सीकर जिले के धोद कस्बे में नाबालिग से रेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पकड़ने आई डीडवाना कुचामन जिले की मौलासर पुलिस के साथ मारपीट की गई। आरोपी के परिवार के लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। परिवार की महिलाओं ने पुलिसकर्मियों के बाल नोंचे और थप्पड़ भी जड़े। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। मौलासर पुलिस के कांस्टेबल ने धोद पुलिस थाने में राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करवाया है।

दरअसल डीडवाना-कुचामन के मौलासर एरिया की रहने वाली 16 साल की नाबालिग लड़की को धोद कस्बे की अनोखू रोड का रहने वाला गौतम अपने साथ बहला-फुसलाकर ले गया था। इस संबंध में नाबालिग के परिजनों के मौलासर पुलिस थाने में मामला भी दर्ज करवाया। नाबालिग को दस्तयाब करने के बाद जब उसके बयान हुए तो सामने आया कि आरोपी गौतम ने उसके साथ रेप भी किया। ऐसे में पुलिस ने मुकदमे में पोक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं को जोड़ते हुए इन्वेस्टिगेशन किया। बीती शाम को 5:30 बजे के करीब मौलासर पुलिस के दो कांस्टेबल मुकेश और विजेंद्र आरोपी गौतम को पकड़ने के लिए उसके घर पहुंचे। दोनों आरोपी को अपने साथ बड़ी मुश्किल से घर के बाहर लेकर आ गए। लेकिन यहां एक बिजली के पोल के पास गौतम के परिवार के लोगों ने दोनों पुलिसकर्मियों को रोक लिया। जिन्होंने कभी पुलिसकर्मियों के बाल नोंचे तो कभी थप्पड़ जड़े। आरोपी गौतम ने भी कई बार भागने की कोशिश की। लेकिन दोनों पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़े रखा।

इसके बाद स्थानीय धोद पुलिस को इस पूरे मामले के बारे में सूचना दी गई। यहां मौके पर धोद पुलिस पहुंची। जिन्होंने आरोपी गौतम सहित अन्य लोगों को पकड़ लिया। मौलासर पुलिस के दोनों कांस्टेबल मुकेश और विजेंद्र की रिपोर्ट पर राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दिया गया।

बीआरएस ने पिछड़े वर्गों के आरक्षण को कानूनी दर्जा देने की माँग की

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधान पार्षद मधुसूदनचारी ने मंगलवार को तेलंगाना में 42% पिछड़े वर्गों के आरक्षण को कानूनी दर्जा देने की माँग की।

पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ और विधायक गंगुला कमलाकर के साथ तेलंगाना भवन में बोलते हुए, उन्होंने कांग्रेस सरकार पर अवसर मिलने के बावजूद कार्रवाई न करके पिछड़े वर्गों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पिछड़े वर्गों की उपेक्षा जारी रही तो इसके 'गंभीर परिणाम' होंगे। कांग्रेस शासन में देश में कहीं भी जाति जनगणना नहीं होने का हवाला देते हुए, वरिष्ठ बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल कामारेड्डी घोषणापत्र की अनदेखी कर रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा संख्या:23 _2025 _26 _एसआर.डीइइ_टीआर _एचवायबी दि.19-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीइइ/टीआर/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निविदा संख्या:23 _2025 _26 _एसआर.डीइइ_टीआर _एचवायबी दि.19-09-2025, बंद करने की तिथि 14-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

निविदा संख्या:23 _2025 _26 _एसआर.डीइइ_टीआर _एचवायबी दि.19-09-2025, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन: टीएमएक्स एण्ड कोच पर डीकेसी-केएसएन ब्रांच लाइन के लिए फीडर, बीएम का प्रावधान-एचवायबी के आलमपूर रोड स्टेशन पर पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन। अनुमानित मूल्य रू.1,61,26,259.92, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,30,600.00, पूरा करने की अवधि: 4 महिने, बंद करने की तिथि:14-10-2025, निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: एसआर.डीइइ/टीआर/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (ट्रैक्शन), हैदराबाद

निविदा संख्या:24 _2025 _26 _एसआर.डीइइ_टीआर _एचवायबी दि.22-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीइइ/टीआर/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निविदा संख्या:24 _2025 _26 _एसआर.डीइइ_टीआर _एचवायबी दि.22-09-2025, बंद करने की तिथि 14-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

निविदा संख्या:24 _2025 _26 _एसआर.डीइइ_टीआर _एचवायबी दि.22-09-2025, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन: काचीगुडा-पार्सल लोडिंग/अनलोडिंग हेतु एडीशनल स्टैबलिंग का प्रावधान-बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रू.97,02,297.50, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.194100.00, पूरा करने की अवधि: 4 महिने, बंद करने की तिथि:14-10-2025, वेबसाइट विवरण:www.ireps.gov.in, निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: एसआर.डीइइ/टीआर/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (ट्रैक्शन), हैदराबाद

निविदा सूचना संख्या: टीआरएसओ/एससी/04/2025-26 दि.23-09-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदा आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथि: सी/ई.29/टीआरएसओ/एससी/16/2025-26, दि.23-09-2025 (ई-निविदा संख्या: सीई-29-टीआरएसओ-एससी-16-2025-26 दि.23-09-2025), कार्य विवरण: दो वर्ष की अवधि के लिए, काझीपेट (केजेडजे) क्रू लाबी से विविध क्रू चेंजिंग पाइंट्स तक निरंतर (24x7) क्रू ट्रांसपोर्टेशन या परिवहन के लिए नान-एसी -मात्रा -4 एमयुवी व्हीकल्स को भाडे पर लेना। निविदा मूल्य रू.1,14,91,099.20, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा(बोली सुरक्षा) रू.2,07,500.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य, पूरा करने की अवधि: 2 वर्ष, बंद करने एवं खोलने की तिथि व समय: 20-10-2025 के 15.00 बजे तथा 20-10-2025 के 15.30 बजे

निविदा शर्ते/अन्य विवरण आईआरपीएस वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, पूर्व धरोहर राशि- पूधरा (बोली सुरक्षा) को, केवल आनलाइन पेमेन्ट द्वारा ही जमा करें। निविदा दस्तावेज की प्रस्तुति आईआरपीएस वेबसाइट: www.ireps.gov.in के माध्यम से करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरएसओ, सिकंदराबाद

निविदा सूचना संख्या: जी/ई.29/टीआर./निविदा सूचना/23/2025-26, दि.22-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या: जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-46-2025-26, कार्य विवरण: गुण्टकल डिविजन-स्टील गिर्डर्स के लिए पीएससी स्लैब्स (पोस्ट टेन्शन्ड) सहित प्रस्तावित प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट के साथ तत्संबंधित ओएचइ परिवर्तन या माडिफिकेशन्स-I) केएनएलपी-बीकेपीटी स्टेशनों के बीच किमी 245/5-6 पर, पुल सं.4%6 डीएन (इएक्सजी.9x9.15एम), II) डीएमएम-सीसीआय स्टेशनों के बीच किमी 181/1-3 पर, पुल सं.111 (इएक्सजी.11x12.2एम), III) जीवाय-केएलयु सेक्शन के किमी 251/7-9 पर, पुल सं.25, IV) आरसीसी बाक्सेस (5x1.50x1.50एम) सहित इएक्सजी. पाइप कलवर्ट्ज (4x0.90) का सीजीआय-टीपीटीवाय स्टेशन के बीच किमी 93/22-24 पर, पुल सं.154 का प्रस्तावित प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट्। अनुमानित मूल्य रू.77,53,249.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.1,55,100.00, निविदा बंद करने की तिथि व समय:14-10-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणी: निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रूप से वेबसाइट: www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुण्टकल

सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं महाराजा अग्रसेन: प्रमोद केडिया

नांदेड़, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान अग्रसेन जी महाराज सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं, उन्होंने राष्ट्र,समाज निर्माण की जो भूमिका एक रुपया और एक ईंट समाज के सामने प्रस्तुत की इस से बड़ा और कोई उदाहरण विश्व में कहीं नहीं मिलता। उक्त विचार अग्रसेन कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन प्रमोद केडिया ने व्यक्त किये।

नांदेड़ अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए श्री केडिया ने कहा कि हमें महाराजा अग्रसेन जी के बताये मार्ग पर चलना होगा उसी से समाज और राष्ट्र का उत्थान होगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि अग्रसेन जी महाराज ने विश्व बंन्धुत्व की जो परिकल्पना की थी उसको साकार करना हमारा कर्तव्य है। समाज का संगठित होना ही आज की आवश्यकता है। इस अवसर पर अग्रवाल समाज नांदेड़ के बनारसी दास अग्रवाल, नरेश गोयनका, दिलीप मोदी,नवल गुप्ता सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

अग्रसेन समाज, नांदेड़ द्वारा आयोजित 5149वीं महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर प्रमोद कुमार केडिया को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। हैदराबाद से राधे राधे ग्रुप के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल को भी समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

बाल संस्कार केंद्र का उद्घाटन कल

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन का बाल-संस्कार-केन्द्र का उद्घाटन शुक्रवार 26 सितंबर को होगा। उक्त जानकारी विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में संत सम्मेलन में सद्गुरुदेव सुधांशु महाराज ने 108 बाल संस्कार केंद्र और 10 गुरूकुल की स्थापना संपूर्ण भारत वर्ष में करनें का संकल्प लिया था ।

इसी संकल्प को पूर्ण करने हेतु विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल में 2 बाल संस्कार केंद्र स्थापित करने की पहल श्रीमती डा. किशोरी भटनागर ,कु. सान्वी जायसवाल और श्रीमती कांता अग्रवाल, कोमल अग्रवाल ने की है। हिमायतनगर में सायंकाल 4 बजे बाल संस्कार केंद्र की शुरुआत मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर द्वारा दीप प्रज्वलन कर की जायेगी। मिशन हैदराबाद मण्डल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल और शंकरलाल अग्रवाल ने समस्त गुरूभक्तो से बालक-बालिकाओं को समयानुसार उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनानें का निवेदन किया है ।

53 व रामायण कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 53वां रामायण मेला के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन नुमाइश मैदान में संपन्न हुआ।

उपरोक्त जानकारी देते हुए कवि सम्मेलन की संयोजिका रूबी मिश्रा ने बताया कि भारी बरसात के बावजूद भी कवियों एवं श्रोताओं की कमी नहीं रही। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता हास्य व्यंग्य के कवि वेणुगोपाल भट्टड़ व संचालन पंडित रामकृष्ण पांडेय ने किया । रामायण मेले के प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने सभी कवियों एवं श्रोताओं का अपने उद्बोधन द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा रामायण मेला के अंतर्गत आगामी 2 अक्टूबर को होने वाले भव्य दशहरा मेला की जानकारी देते हुए सभी से भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारे डॉक्टर मोहन गुप्ता, जसमत भाई पटेल, मेघा रानी, डॉ भगवंत राव, महेंद्र व्यास का स्वागत किया गया।

कवि सम्मेलन में वेणुगोपाल भट्टड़, प. रामकृष्ण पाण्डेय, ज्योति नारायण, पुष्पा वर्मा, नंद गोपाल भट्टड, गोविंद राठी, राजकुमार यादव, रामनिवास पाराशर, विद्या दवे श्रीमाली, अंजनी कुमार गोयल, दुर्गा प्रसाद पठून, पुरुषोत्तम कड़ेल, सीताराम माणे एवं सहसंयोजिका सविता सोनी ने काव्य पाठ किया।

मंच पर रामायण मेला के कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, संयोजक मनोज जायसवाल, प्रेमलता कांकाणी, रामदेव नागला, पवन मिश्रा ,सुमित राठी आदि उपस्थित थे। नंदगोपाल भट्टड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कवि सम्मेलन का समापन हुआ।

मूसापेट में श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मन्दिर में समस्त मार्बल कांट्रेक्टर ग्रुप राजस्थान द्वारा आगामी 28 सितम्बर से आयोजित शिवपुराण का कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारने का सांसद इटेला राजेन्द्र, बीजेपी नेता सतीश अग्रवाल को निमंत्रीत करते हुए महंत मदनमोहन महाराज, जसमत पटेल, सतीश जाजु, के. प्रकाश, निशा, भावना एवं अन्य महानुभव।

बतुकम्मा समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख सचिव के. रामकृष्ण राव ने अधिकारियों को हैदराबाद में भव्य बतुकम्मा समारोह के सफल आयोजन के लिए समन्वय से काम करने का निर्देश दिया है। समारोह में 29 सितंबर को सरूर नगर स्टेडियम में आयोजित होने वाला प्रमुख कार्यक्रम और 26 सितंबर को बतुकम्मा कुंता में बथुकम्मा उत्सव शामिल हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी बथुकम्मा कुंता समारोह में शामिल होंगे। मुख्य सचिव ने बुधवार को राज्य सरकार की देखरेख में आयोजित प्रतिष्ठित बथुकम्मा उत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस की।

निविदा सूचना संख्या: एलजीडी/एल/08/2025-26/ओटी दि.22-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीइइ/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा संख्या: एलजीडी/एल/08/2025-26/ओटी-ई-टेंडर- बंद करने की तिथि 21-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को यह अनुमति दी जाती है कि, इस निविदा की पूर्व धरोहर राशि-पूधरा (बोली सुरक्षा) को, ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रूप में जमा करें अथवा भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारण्टी बाण्ड के रूप में प्रस्तुत करें अथवा निविदा दस्तावेज में विवरित निर्देशानुसार तत्संबंधित राशि जमा करें। बैंक गारण्टी बाण्ड तत्संबंधित निर्देशानुसार होना चाहिए तथा यह बाण्ड बोली वैधता से परे 60 दिनों तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारण्टी बाण्ड को, बोलियों की प्रस्तुति की अंतिम तिथि के 5 दिनों के भीतर, निविदा दस्तावेज में विवरित सूचनानुसार, व्यक्तिगत रूप में, नामित पदाधिकारी के सुपुर्द करना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन्ड कापी की अप्रस्तुति पर तथा/निर्धारित अवधि में ओरिजिनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर, बिड या बोली को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या: एलजीडी/एल/08/2025-26/ओटी, कार्य विवरण: एसी शाप की नान-कोर गतिविधियों, ईआर शाप तथा इएमयु/एमइएमयु मोटर कोचेस की आउटसोर्सिंग करना एवम् सीडबल्यूएस/ एलजीडी कंडेमन्ड कोचेस से इलेक्ट्रिकल आयटम्स का स्ट्रिपींग कार्य। विज्ञापित मूल्य रू.1,57,62,665.00 (रु.एक करोड सत्तावन लाख बासठ हजार छह सौ पैंसठ मात्र), बोली सुरक्षा रू.2,28,800.00, पूरा करने की अवधि: लेटर आफ एक्सेप्टेन्स या स्वीकृति पत्र की जारी करने की तिथि से लेकर 36 महिने, बंद करने की तिथि: 21-10-2025 के 15.00 बजे, वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in , निविदा का संपूर्ण विवरण देखने के लिए नोटिस बोर्ड स्थान: उप मुख्य बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र के लिए कृपया हमारे वेबसाइट: https:www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

A1483

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया हमारे वेबसाइट्स: www.ireps.gov.in अथवा http://scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

टीम इंडिया एशिया कप के फाइनल में

बांग्लादेश को 41 रन से हराया
अभिषेक ने फिफ्टी लगाई; कुलदीप को 3 विकेट

दुबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)भारत ने एशिया कप के चौथे सुपर-4 मैच में बांग्लादेश को 169 रन का टारगेट दिया है। जवाब में बांग्लादेश ने 19 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन बना लिए हैं। नसूम हसन और मुस्तफिजुर रहमान क्रीज पर हैं।

सैफ हसन 69 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने अक्षर पटेल के हाथें कैच कराया।

कुलदीप यादव ने तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन को लगातार बॉल पर आउट किया। उन्होंने परवेज हुसैन इमोन को भी आउट किया।

मोहम्मद सैफुद्दीन (4 रन) को वरुण चक्रवर्ती ने कैच कराया। उन्होंने शमीम हुसैन (शून्य) को भी आउट किया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने डायरेक्ट थ्रो पर जाकिर अली को रनआउट कर दिया। वरुण चक्रवर्ती ने अक्षर पटेल ने तौहीद हृदॉय (7 रन) को और जसप्रीत बुमराह ने तंजिद हसन (1 रन) को पवेलियन भेजा।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने पावरप्ले में 72 रन बना लिए थे। उसके बाद अगले 12 ओवर में भारतीय टीम 96 रन ही बना सकी।

इस तरह 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन ही बने। अभिषेक शर्मा ने 37 बॉल पर 75 रन की पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 6 छक्के लगाए। हार्दिक पंड्या ने 38 और शुभमन गिल ने 29 रन बनाए।

बांग्लादेश से रिशाद हुसैन ने 2 विकेट झटके। मुस्तफिजुर रहमान को एक विकेट मिला। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। वे बांग्लादेश के टॉप विकेट टेकर भी बन गए हैं।

हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग की व्यावसायिक बैठक

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग एच2एच % आदित्य (बालानगर चैप्टर) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यावसायिक बैठक का आयोजन किया। यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

यह बैठक कोमपल्ली स्थित होटल क्लास में आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष सुजाता नांबियार के साथ-साथ श्रीकांत रियानी, पंकज वर्मा, सुदेश पाटिल, विवेक गुप्ता और सलाहकार पीके विनोद कुमार जैसे अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

बैठक अध्यक्ष सुजाता नांबियार के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर संस्थापक गीतेश काटे भी उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती के मुख्य यजमान पद्म किरण रेड्डी एच थे। आज के प्रसाद में श्रीखंड एवं कचौरी वितरित की गई। आज के पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल पद्म किरण रेड्डी संतोष अग्रवाल दिया अग्रवाल विजय रेड्डी विजय कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा प्रवीण अग्रवाल प्रमोद कुमार सरायवाला विठ्ठलदास अग्रवाल सुभाष अग्रवाल कैलाश अग्रवाल दांडू विजय कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले अशोक लाखोटिया लक्ष्मीकांत इनानी डॉ राधा कृष्ण, अशोक कुमार रूंगटा एवं अन्य भक्त उपस्थित थे।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता बडेर में साँवरिया सेठ मंडल द्वारा 28 सितम्बर को आयोजित एक शाम माँ भगवती के नाम जागरण मे बतौर मुख्य अतिथि गौशामहल विधायक टी.राजासिंह को निमंत्रण देते हुए आयोजक धर्मेन्द्र सीरवी, चेतन सीरवी, सुरेश सीरवी, रविशंकर पांडे, किरन, कमलेश व अन्य।

अन्नोजीगुडा स्थित शिवास फंक्शन हॉल में नवयुग यूथ एसोशिएशन द्वारा 26 सितम्बर को माँ भगवती के द्वितीय जागरण को भव्यरूप से मनाने के लिए विचार-विमर्श करते हुए एसोशिएशन के प्रकाश, नवीन, उत्तम, किशोर, अनिल, दिनेश, ओमप्रकाश, घनश्याम, धनराज सीरवी व सदस्यगण।

नागारम स्थित देवड़ा परिवार द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर श्री आईमाँ के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सांवलराम देवासी, वोराराम सीरवी। अवसर पर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए भंवरलाल, फुआराम, निर्मल, देवेन्द्र, कमलेश देवड़ा, आलोक सोलंकी, प्रदीप राजपुरोहित व अन्य।

एक शाम माताजी का नाम जागरण 28 को

कोरेमुला स्थित श्री आईमाताजी बडेर मे साँवरिया सेठ मंडल बोडुप्पल के सानिध्य में एक शाम माताजी के नाम रविवार 28 सितम्बर सायं 7.30 बजे से भोजन-प्रसादी एवं रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति मे साँवरिया सेठ मंडल के धर्मेन्द्र, चेतन व सुरेश सीरवी ने संयुक्त रुप से बताया कि नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर प्रथम विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा। माँ भगवती का पंडाल सजाकर सायं 7.30 बजे पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी एवं रात्रि 9.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे मरुधरा की सुरीली आवाज दुर्गा जसराज एवं मोहित राज राजस्थानी अंदाज़ मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम को भव्यरुप प्रदान करने के लिए साँवरिया सेठ मंडल के सभी कार्यकर्ता सपरिवार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का युट्युब पर सीधा प्रसारण एवं साउंड की व्यवस्था आईजी साउंड पी.एम.एल सीरवी द्वारा की जाएगी। भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेकर, माताजी के दर्शनकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा लगाया गया रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेडचल शाखा के उपाध्यक्ष जयेश सिरवी ने बताया की श्री आईजी गौशाला में आयोजित 12वां माँ भगवती का विशाल जागरण का आयोजन रखा गया जिस पर राजस्थान की भजन गायिका अनीता जांगिड द्वारा भजनों को प्रस्तुति दी गई। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन रखा गया । इस शिविर में संग्रहित हुआ रक्त थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए भेजा जाएगा । इस अवसर पर मंच के उपाध्यक्ष जयेश सिरवी, हेमाराम पटेल ,सहसचिव कमलेश सिरवी ,कुणाल सिरवी , मनोहरलाल, वीरेंद्र चौधरी आदि सदस्यों का उपस्थिति रही ।

प्रोत्साहित होने पर युवा अद्भुत कार्य कर सकते हैं: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बुधवार को कहा कि युवाओं में अपार ऊर्जा और क्षमता है, और मार्गदर्शन व प्रोत्साहन मिलने पर वे अद्भुत कार्य कर सकते हैं। वे तेलंगाना सिख सोसाइटी द्वारा मेडचल में सिख युवाओं के लिए आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, 'डेयर टू ड्रीम' का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। श्रीधर बाबू ने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे अपने विचारों और आकांक्षाओं पर कोई सीमा न रखें। उन्होंने कहा, "सपने देखना महत्वपूर्ण है, लेकिन उन सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सफलता के लिए दृढ़ता की आवश्यकता होती है, और लक्ष्य प्राप्त होने तक एक योद्धा की तरह प्रयास करते रहना चाहिए।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-33-2025, दिनांक : 15.09.2025

कार्य का नाम: सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन NG लाइन में फाटकों के बीच ट्रैक तक पैरलेल सड़क के प्रावधान द्वारा मानव युक्त समपार फाटक (05 संख्यक) अर्थात् NG-12,NG-16, NG-19, NG-35 & NG-61 को बंद करना।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 7,47,41,339.78, EMD(रुपये में): 5,23,700/-।

(2)निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-34-2025, दिनांक : 15.09.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन RV लाइन में विभिन्न समपार में स्टैन्डर्ड हाइट गेज का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 1,91,03,318.39, EMD(रुपये में): 2,45,500/-।

(3)निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-35-2025, दिनांक : 17.10.2023

कार्य का नाम: ठेकेदारों के 51695 घनमीटर मात्रा की कठोर पत्थर को, यांत्रिकी क्रशर नियोजन करते हुए (विनिर्देश के अनुसार) 50mm गेज में बदल कर उसका कोटाबोम्मालि डिपो तक परिवहन, उतरान एवं जमीन को साफ करने के साथ-साथ लेवल ग्राउन्ड (Level Ground) पर ढेरीकरण तथा ठेकेदार के स्वयं की लदान व्यवस्था में उसको वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोटाबोम्मालि डिपो में किसी भी प्रकार के रेलवे वैगनों में लदान का कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 7,29,96,441.70, EMD(रुपये में): 5,15,000/-।

कार्य पूरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने (क्रम सं. 1 हेतु), 06 (छः) महीने (क्रम सं. 2 हेतु) एवं 15 (पंद्रह) महीने (क्रम सं. 3 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 07.10.2025 को 1500 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु) एवं दिनांक 10.10.2025 को 1500 बजे (क्रम सं. 3 हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/वाल्टियर

PR-626/Q/25-26

आईसीसी टी-20 रैंकिंगः भारत तीनों कैटेगरी में टॉप पर बरकरार

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। आईसीसी की बुधवार को जारी हुई टी-20 वीकली रैंकिंग में लगातार दूसरे हफ्ते भी बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर तीनों कैटेगरी में भारतीय खिलाड़ी टॉप पर बरकरार हैं। यहां तक कि टी-20 टीम रैंकिंग में भी भारतीय टीम टॉप पर मौजूद है। पिछले सप्ताह ही सभी चारों कैटेगरी में भारत का दबदबा बना था। ऐसा पहली बार हुआ कि एक ही टीम और उसके खिलाड़ियों ने किसी एक फॉर्मेट की सभी चार कैटेगरी में नंबर-1 स्थान हासिल किया। वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बने हुए हैं। बैटर अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बरकरार हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं। बैटर्स में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप स्टेज के मुकाबले में 38 और रविवार को पाकिस्तान के 74 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा, तिलक वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुच गए हैं। पाकिस्तानी बैटर साहिबजादा फरहान 31 स्थानों की छलांग लगाकर 24वें नंबर पर पहुच गए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती टॉप पर बने हुए हैं। 34 साल के इस स्पिनर का एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन जारी है। फिलहाल उनका रेटिंग पॉइंट 747 हो गया है। वरुण ने पिछले सप्ताह ही नंबर-1 पोजीशन हासिल की थी। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के जैकब डफी हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान छह स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में वापस आ गए हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप में अपने पिछले दो मैचों में छह विकेट लिए हैं। भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि पाकिस्तान के अबरार अहमद 12 स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। फिलहाल उनकी रेटिंग पॉइंट्स 703 है।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को किया सस्पेंड

टी-20 वर्ल्ड कप और एलए 2028 ओलिंपिक में अमेरिकी टीमें खेलती रहेंगी

खेल डेस्क, 24 सितंबर (एजेंसियां)। यूएसए क्रिकेट को नियम तोड़ने की वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट ने निलंबित कर दिया है। इसका मतलब है कि यूएसएसी अब आईसीसी की पूर्ण सदस्यता के अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाएगा।

हालांकि, अमेरिका की क्रिकेट टीमें आईसीसी के टूर्नामेंट और 2028 ओलिंपिक की तैयारियों में हिस्सा ले सकेंगी। आईसीसी अब यूएसएसी को सुधार करने का मौका देगा और इसकी निगरानी करेगा, ताकि भविष्य में निलंबन हटाया जा सके। यह कदम क्रिकेट को अमेरिका में और मजबूत करने और इसकी छवि को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है।

क्यों हुआ निलंबन

आईसीसी ने यूएसएसी को पहले 2024 की वार्षिक आम बैठक में गैर-अनुपालन के लिए नोटिस पर रखा था। यूएसएसी को अपनी कमियों को सुधारने के लिए 12 महीने का समय दिया गया था। जुलाई 2024 में आईसीसी सदस्यों ने यूएसएसी को नोटिस पर बनाए रखने और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने तथा शासन सुधार करने का निर्देश दिया था।

आईसीसी के अनुसार, यूएसएसी पर इन कारणों से लगाया गया बैन

प्रशासनिक ढांचे की कमीः यूएसएसी एक कार्यात्मक शासन संरचना लागू करने में विफल रहा।

यूएस ओलिंपिक और पैरालिंपिक समिति के साथ राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा प्राप्त करने में प्रगति की कमी:यूएसएसी ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

क्रिकेट की छवि को नुकसानः यूएसएसी के कुछ कदमों ने अमेरिका और वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

टीम पर क्या असर पड़ेगा

आईसीसी ने साफ किया कि निलंबन का असर अमेरिकी टीम की भागीदारी पर नहीं पड़ेगा।

फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका की टीम खेल सकेगी।

लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में भी अमेरिका की पुरुष और महिला टीमें हिस्सा ले पाएंगी।

आईसीसी अस्थायी रूप से अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के प्रबंधन और संचालन की जिम्मेदारी खुद संभालेगा।

निलंबन खत्म करने के लिए अमेरिका क्रिकेट को क्या करना होगा

निलंबन हटाने की शर्तें

यूएसएसी का निलंबन हटाने के लिए उसे आईसीसी की सामान्यीकरण समिति और प्रबंधन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। इसमें यूएसएसी की शासन संरचना, संचालन और क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में ठोस और विशिष्ट बदलाव शामिल होंगे। सामान्यीकरण समिति यूएसएसी की प्रगति की निगरानी करेगी और परामर्श सहायता प्रदान करेगी।

वैभव सूर्यवंशी ने 41 छक्के मारकर तोड़ा बड़ा रिकॉर्ड

ब्रिस्बेन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम के खिलाफ 14 साल के तूफानी ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने एक और कमाल कर दिखाया है। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबा ने दूसरे यूथ वनडे में 6 छक्कों की मदद से 70 रन ठोके और इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे मैचों में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वैभव ने अंडर 19 वर्ल्ड कप जितने वाले कप्तान उनमुक्त चंद को पीछे छोड़ा जिनके नाम 38 छक्के थे और वैभव के नाम अब 41 छक्के हो गए हैं।

सूर्यवंशी ने रिकॉर्ड स्पीड से तोड़ा छक्कों का रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने 41 छक्के भी रिकॉर्डतोड़ स्पीड में मारे हैं। उनमुक्त चंद को 38 छक्के लगाने में 21 मैच खेले थे जबकि वैभव ने सिर्फ 10 मुकाबलों में उनसे ज्यादा छक्के मार दिए हैं। सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में अबतक 540 रन बनाए हैं। जिनमें से एक-चौथाई से ज्यादा यानी 26 फीसदी रन उन्होंने बाउंड्री मारकर बनाए हैं. भारतीयों में. वैभव और उनमुक्त चंद के बाद. यशस्वी जायसवाल का नंबर है जिन्होंने यूथ वनडे में 30 छक्के लगाए थे.

शतक से चूक गए सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहले मैच में अर्धशतक से चूके थे लेकिन दूसरे मैच में वह शतक से ही चूक गए. सूर्यवंशी ने 68 गेंदों में 70 रनों की पारी खेली. एक समय ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से शतक पूरा कर लेंगे लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर आर्यन शर्मा ने उनका जबरदस्त कैच लपक लिया.

अभिषेक शर्मा को कड़ी टक्कर देंगे सूर्यवंशी

मौजूदा वक्त में अभिषेक शर्मा का नाम ताबड़तोड़ छक्के मारने के लिए जाना जाता है लेकिन अंडर 19 क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के नाम का बोलबाला है. सिर्फ अंडर 19 ही नहीं ये खिलाड़ी आईपीएल में भी अपना जलवा दिखा चुका है. अपने पहले ही सीजन में वैभव ने 24 छक्कों के दम पर 252 रन ठोक दिए थे. उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा. साफ है आने वाले वक्त में अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी.

युवराज सिंह से ईडी ने 7 घंटे पूछताछ कीः सट्टेबाजी एप प्रमोशन केस में पूछे सवाल; बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद से भी पूछताछ

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व स्टार क्रिकेटर युवराज सिंह ऑनलाइन सट्टेबाजी एप 'वन एक्स बेट' से जुड़े धन शोधन के मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने मंगलवार को पेश हुए। इस दौरान उनसे लगभग सात घंटे तक पूछताछ हुई। 43 वर्षीय युवराज दोपहर 12 बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे थे और करीब रात आठ बजे बाहर निकले।

अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने इस हरफनमौला से पूछताछ की और धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत उनके बयान दर्ज किए। एक इन्फ्लुएंसर अन्वेशी जैन भी इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुई। ईडी इससे पहले क्रिकेटर सुरेश रैना, शिखर धवन, रॉबिन उथप्पा, टीएमसी की पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ कर चुका है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

इस सट्टेबाजी एप के संचालन की जांच ईडी की ऐसे प्लेटफार्मों के खिलाफ व्यापक जांच का

हिस्सा है, जिन पर करोड़ों रुपये की ठगी करने और कथित तौर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की भारी मात्रा में चोरी करने के आरोप हैं। कुराकाओ में पंजीकृत 'वन एक्स बेट' खुद को 18 साल के अनुभव वाला एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त ऑनलाइन सट्टेबाजी एप बताता है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, यह अपने ग्राहकों को हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगाने की सुविधा देता है और इसकी वेबसाइट और एप 70 भाषाओं में उपलब्ध है। इस जांच के तहत आने वाले दिनों में एजेंसी द्वारा कुछ अन्य खिलाड़ियों, फिल्म अभिनेताओं, ऑनलाइन प्रभावशाली व्यक्तियों और मशहूर हस्तियों से पूछताछ किए जाने की संभावना है।

बड़ी कार्रवाई की तैयारी में ईडी

सूत्रों के अनुसार ईडी जल्द ही इस मामले में उन लोगों की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर सकता है जो एप की प्रचार गतिविधियों से अर्जित कथित आपराधिक आय का इस्तेमाल करते पाए गए हैं। बाद में अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार एजेंसी की जांच का उद्देश्य मशहूर हस्तियों से यह जानना है कि सट्टेबाजी कंपनी ने उनसे समर्थन प्राप्त करने के लिए किस प्रकार संपर्क किया, भारत में संपर्क के लिए नोडल व्यक्ति कौन है, भुगतान का तरीका (हवाला या बैंकिंग चैनल के माध्यम से नकद) और भुगतान का स्थान (भारत या विदेश में) आदि क्या है ।

समझा जाता है कि एजेंसी क्रिकेटरों और अभिनेताओं के बयान दर्ज करते हुए उनसे पूछ रही है कि क्या उन्हें पता था कि भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग अवैध है। एजेंसी ने उनसे इस ऐप के साथ किए गए उनके अनुबंधों और सभी संबंधित ईमेल और कागजी दस्तावेजों की एक प्रति भी मांगी है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का प्रस्ताव पेश किया

अहमदाबाद में हो सकता है आयोजन

लंदन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति के समक्ष 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का प्रस्ताव औपचारिक रूप से पेश किया। भारतीय दल का नेतृत्व गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने किया। इसकी जानकारी गुजरात सरकार ने दी।

गुजरात सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। भारत की बोली ने अहमदाबाद को इस शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए मेजबान शहर बनाया है। अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन स्थलों, मजबूत परिवहन प्रणालियों और उच्च-गुणवत्ता वाले आवास के साथ एक सघन खेल माहौल उपलब्ध है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'खेलों के रीसेट सिद्धांतों के अनुरूप यह प्रस्ताव सामर्थ्य, समावेशिता, लचीलेपन और स्थिरता पर जोर देता है। यह पैरा खेलों के एकीकरण, मानवाधिकारों की सुरक्षा, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और एक दीर्घकालिक विरासत ढांचे को स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि यह सुनिश्चित करता है कि खेलों से परे खिलाड़ियों, समुदायों और व्यापक राष्ट्रमंडल को भी लाभ मिले।'

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लिया : पीठ की समस्या और दबाव के कारण फैसला लिया; अब वनडे-टी-20 पर फोकस करेंगे

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को सूचित किया है कि वह अब लाल गेंद (रेड-बॉल) क्रिकेट यानी टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं।

यह फैसला उन्होंने लखनऊ में चल रहे इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच मैच से हटने के दो दिन बाद लिया।

दो महीने के बाद 31 साल के होने वाले अय्यर ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात कर अपनी परेशानी बताई। अय्यर ने कहा कि उनके लिए लंबे फॉर्मेट के क्रिकेट का दबाव झेलना मुश्किल हो रहा है और उन्हें पीठ में तकलीफ महसूस हो रही है। इसी कारण उन्होंने इंडिया-ए के मैच से नाम वापस ले लिया।

अय्यर टी-20 और वनडे पर कर सकेंगे फोकस

अय्यर का यह फैसला उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। अब वह वनडे और टी-20 क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। साथ ही, पीठ की समस्या को ठीक करने के लिए वह रिहैबिलिटेशन और फिटनेस पर भी काम कर सकते हैं।

टेस्ट टीम चयन से पहले बड़ा कदम

चयनकर्ता 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली दो मैचों की वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 24 सितंबर को टीम चुनने वाले हैं। माना जा रहा था कि सिलेक्टर्स अय्यर को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का मौका दे सकते हैं। अय्यर फरवरी 2024 से टेस्ट टीम से

बाहर चल रहे हैं। लेकिन उनके इस फैसले के बाद अब यह संभावना खत्म हो गई है।

टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का प्रदर्शन

श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 से टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं की है। उन्होंने 14 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनकी एकमात्र शतकीय पारी 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में डेब्यू टेस्ट में आई थी।

हाल ही में दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन ने निराश किया, जहां उन्होंने 25 और 12 रन बनाए। इसके बाद इंडिया-ए के लिए पिछले हफ्ते वह सिर्फ 8 रन ही बना सके। हालांकि, पिछले घरेलू फर्स्ट क्लास सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था, जिसके चलते चयनकर्ताओं ने उन्हें इंडिया-ए का कप्तान बनाया था।

वनडे में अपना स्थान पक्का किया, टी-20 में मिल रही है चुनौती

श्रेयस अय्यर ने वनडे क्रिकेट में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस साल उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे है। विदेशी पिचों पर तेज और शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी और 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं का उन पर से भरोसा कम हुआ था।

मिडिल ऑर्डर में चयनकर्ताओं को चुनौती का सामना करना पड़ सकता है

अब चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट के सामने टेस्ट मिडिल ऑर्डर को मजबूत करने की चुनौती है। करुण नायर भी खराब फॉर्म में हैं, जबकि ऋषभ पंत चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में देखना होगा कि क्या चयनकर्ता सरफराज खान को मौका देते हैं।

कुल मिलाकर, अय्यर का यह कदम भारतीय टेस्ट टीम के भविष्य की रणनीति को काफी प्रभावित कर सकता है।

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

बेन स्टोक्स कप्तान और हैरी ब्रूक उपकप्तान चुने गए, 6 फास्ट बॉलर्स को मौका

लंदन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित कर दी गई है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड को 21 नवंबर से 8 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 टेस्ट मैच खेलने हैं।

ओली पोप से उपकप्तानी छीन ली गई है। उनकी जगह युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को यह जिम्मेदारी दी गई है। भारत के खिलाफ जुलाई-अगस्त में हुई सीरीज में ओली पोप उपकप्तान थे। हालांकि, पोप 16 मेंबर्स वाली टीम में अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं।

इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड में होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज के लिए भी इंग्लैंड की टीम घोषित कर दी गई है। ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड जाएगी। वहां 18 अक्टूबर से नवंबर तक इंग्लैंड को तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं।

टीम में फास्ट बॉलर्स शामिल

इंग्लैंड की टीम में 6 तेज गेंदबाज शामिल हैं। जोफ्रा आर्चर पूरी तरह फिट हैं और वे इंग्लैंड के पेस अटैक को लीड करेंगे। उनके अलावा ब्रायडन कार्स, गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, जोश टंग, मार्क वुड और खुद कप्तान स्टोक्स टीम के अन्य तेज गेंदबाज हैं। पूरी तरह फिट नहीं होने की वजह से क्रिस वोक्स बाहर हो गए हैं। शोएब बशीर और विल जैक्स के रूप में दो स्पेशलिस्ट स्पिनर्स को भी शामिल किया गया है।

नंबर-3 पर खेल सकते हैं जैकब बेथल

ओली पोप ने भले ही टीम में जगह बना ली है लेकिन उनका नंबर-3 पर खेल पाना मुश्किल माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को इस नंबर पर मौका मिल सकता है। बेथेल ने भारत के खिलाफ अगस्त में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में डेब्यू किया था। उन्हें हैरी ब्रूक के बाद इंग्लैंड में इस समय सबसे प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज माना जा रहा है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, जैक क्रॉउली, सैम करन, लियाम डाउसन, जेमी ओवर्टन, आदिल राशिद, फिल साल्ट और ल्यूक वुड।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, सैम करन, लियाम डाउसन, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, आदिल राशिद, जो रूट, जेमी स्मिथ और ल्यूक वुड।

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक (उपकप्तान), ब्रायडन कार्स, जैक क्राउली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और मार्क वुड।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले लगा बड़ा झटका

केएल राहुल-देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल हुए फ्लॉप

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल से अच्छी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए. लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में केएल राहुल का खेल केवल 24 गेंदों में ही खत्म हो गया. वहीं देवदत्त पडिक्कल और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल केवल 1-1 रन बनाकर आउट हो गए. वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट सीरीज से पहले इस मुकाबले को एक प्रैक्टिस मैच के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन तीनों खिलाड़ी इसका फायदा उठा नहीं पाए.

केएल राहुल हुए फ्लॉप

वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में केएल राहुल को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है. ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण उनको टीम का उप कप्तान बनाया जा सकता है. इसी को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन वो 24 गेंदों में एक चौके की मदद से केवल 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

इंग्लैंड में किया था शानदार प्रदर्शन

भारतीय टेस्ट टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था. इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 532 रन ठोके थे. उनके इस शानदार प्रदर्शन की वजह से टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2-2 से बराबर की थी.

इंग्लैंड दौरे के बाद केएल राहुल ने कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है. ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें खेलने का मौका मिला, लेकिन वो ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाए. इसके अलावा पिछले मैच में शानदार शतक जमाने वाले देवदत्त पडिक्कल ने इस बार टीम को निराश किया.

देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल ने भी टीम को किया निराश

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच में शानदार शतक लगाने वाले देवदत्त पडिक्कल दूसरे मैच की पहली पारी में कुछ खास नहीं कर पाए. वो 11 गेंदों में केवल एक रन बनाकर आउट हो गए. इसके अलावा इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल भी 3 गेंद में केवल एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

सलामी बल्लेबाज नारायण जगदीशन 45 गेंदों में 6 चौके की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए. दूसरे अनाधिकारिक मैच में ऑस्ट्रेलिया-ए की पहली पारी 420 रनों पर सिमट गई. जवाब में समाचार लिखे जाने तक इंडिया-ए ने 4 विकेट पर 68 रन बना लिए हैं.

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है सरकार : पोन्नम प्रभाकर

मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सीताक्का ने महिला भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सीताक्का, जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, विधायक दानम नागेंद्र और जीएचएमसी उप महापौर मोते श्रीलता ने बंजारा हिल्स स्थित एनबीटी नगर में 93.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित महिला भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद, 29.80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए आंगनवाड़ी भवन का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत है। लंबे समय तक बातें सिर्फ़ बातों तक ही सीमित थीं, लेकिन अब पूरे हैदराबाद में काम हो रहा है। इस महिला भवन का उद्घाटन इसका प्रमाण है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि नए राशन कार्ड वितरित किए जा रहे हैं, 200 यूनिट मुफ़्त बिजली, गरीबों को उत्तम चावल का वितरण, इंदिराम्मा आवास, मुफ़्त बस यात्रा और महिला समूहों को बिना ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बाल विकास व महिला कल्याण मंत्री सीतक्का ने कहा कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से पहले से कहीं ज़्यादा कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में महिलाओं के विकास के लिए उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि स्वरोज़गार योजनाओं के ज़रिए महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि सरकार और जीएचएमसी ने एनबीटी नगर में महिला भवन बनाने के इस क्षेत्र के लोगों के 15 साल पुराने सपने को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में आने वाले अदालती मामलों को सुलझाने के लिए उन्होंने ईमानदारी से काम किया है। उन्होंने कहा कि महिला भवन का उपयोग महिलाओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों, प्रशिक्षणों और समूह बैठकों के आयोजन स्थल के रूप में किया जाएगा। जीएचएमसी आयुक्त आर वी कर्णन, खैरताबाद क्षेत्रीय आयुक्त अनुराग जयंती और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

"स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" के तहत हैदराबाद में स्वास्थ्य शिविर

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए)" पूरे भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और जागरूकता को मज़बूत कर रही है। इस अभियान के तहत, हैदराबाद के सीजीएचएस वेलनेस सेंटरों में स्वास्थ्य जाँच और जागरूकता शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है। सीजीओ टावर्स, कवडीगुडा स्थित सीजीएचएस वेलनेस सेंटर में, वरिष्ठ सीएमओ डॉ. प्रदीप के मार्गदर्शन में एक कैंसर जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर पर निःशुल्क जाँच और विशेषज्ञ परामर्श दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. ज्योति जोनादुला ने प्रभावी कैंसर उपचार में शीघ्र पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। पत्र सूचना कार्यालय के अतिरिक्त महानिदेशक ने भी 'स्वच्छोत्सव' अभियान के प्रतिभागियों को संबोधित किया, जिसमें अच्छे स्वास्थ्य को स्वच्छ परिवेश से जोड़ा गया और प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने के लिए जूट के थैले वितरित किए गए।

29.21 करोड़ रुपये की लागत से हाफ़िज़पेट रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहा है कार्य

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से, "अमृत भारत स्टेशन योजना" (एबीएसएस) के तहत बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ भारतीय रेलवे में एक बड़ा परिवर्तन प्रगति पर है। तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है और उन्हें आधुनिक यात्री सुविधाएँ प्रदान करने और क्षेत्रीय आबादी के लिए विकास केंद्रों में बदलने के लिए 2,752 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। इस मिशन को उस समय और बल मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2023 और फरवरी, 2024 के दौरान तेलंगाना राज्य में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस सूची में सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों का प्रमुख उन्नयन शामिल है, जिनका कार्य विश्व स्तरीय मानकों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है। रेल मंत्रालय द्वारा एबीएसएस नीति तैयार की गई है जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है, जिसमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर विकास की परिकल्पना की गई है।

यह विचार एक मास्टर प्लान के अनुसार विभिन्न महत्वपूर्ण तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है जो रेलवे स्टेशनों की बढ़ती आवश्यकताओं और बढ़ते संरक्षण को पूरा करता है। हाफिजपेट रेलवे स्टेशन तेलंगाना के उन 40 रेलवे स्टेशनों में से एक है जिनका एबीएसएस के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। इसे उपनगरीय ग्रेड-3 (SG-3) के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहर क्षेत्र के महत्वपूर्ण उपनगरीय रेलवे स्टेशनों में से एक है। वर्तमान में, यह स्टेशन मुख्य रूप से उपनगरीय यात्रियों और कम दूरी की ट्रेनों की ज़रूरतों को पूरा कर रहा है। स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन लगभग 9,000 लोग आते हैं। इस स्टेशन से लगभग 60 एमएमटीएस ट्रेनें और 8 एक्सप्रेस ट्रेनें गुजरती हैं। हैदराबाद शहर का पश्चिमी भाग हाल के दिनों में तेज़ी से विकसित हो रहा है और हाफ़िज़पेट स्टेशन पश्चिम दिशा में स्थित होने और आईटी कंपनियों के नज़दीक होने के कारण, यह स्टेशन दिन-प्रतिदिन अपना महत्व प्राप्त कर रहा है।

हाफ़िज़पेट स्टेशन के पुनर्विकास की अनुमानित लागत 29.21 करोड़ रुपये है। पुनर्विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति में प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन भवन के सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं।

प्रतीक्षालय के नवीनीकरण के साथ-साथ स्टेशन भवन में सुधार कार्य अंतिम चरण में है। दमरे के अनुसार कार्य तेज़ी से प्रगति पर है और एक या दो महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

खम्मम शहर के लिए 525 करोड़ रुपये की रिटेनिंग वॉल परियोजना शुरू

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने खम्मम शहर में मुन्नरू नदी के दोनों किनारों पर 17 किलोमीटर लंबी रिटेनिंग वॉल बनाने के लिए 525.36 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की है, जो बार-बार आने वाली बाढ़ का स्थायी समाधान प्रदान करेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, व्यापार और कृषि का तेजी से बढ़ता केंद्र, खम्मम, लंबे समय से मुन्नरू नदी के उफान से आने वाली मानसूनी बाढ़ से जूझ रहा है। सितंबर 2024 में, बादल फटने से अचानक बाढ़ आई जिससे 757 करोड़ रुपये के सरकारी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुँचा और सैकड़ों परिवार विस्थापित हो गए। खम्मम शहरी और ग्रामीण मंडलों में 8.5 किलोमीटर लंबी और 10 से 15 मीटर ऊँची यह रिटेनिंग वॉल सर्विस रोड और आधुनिक जल निकासी व्यवस्था के साथ बनाई जाएगी। यह डिज़ाइन 10,000 क्यूसेक तक बाढ़ के पानी को संभाल सकता है, जिसकी जल निकासी क्षमता बाएँ किनारे पर 379 क्यूसेक और दाएँ किनारे पर 605 क्यूसेक है। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और तुम्मला नागेश्वर राव इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं, जबकि एनआईटी वारंगल के विशेषज्ञ गुणवत्ता जाँच कर रहे हैं। पुनर्वास के लिए 245 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसमें 106 एकड़ सरकारी भूमि शामिल है। पोलेपल्ली गाँव में 139 एकड़ भूमि पर एक मॉडल कॉलोनी विकसित की जा रही है, जहाँ 1,666 विस्थापित परिवारों को सभी सुविधाओं से युक्त आवासीय भूखंड उपलब्ध कराए जाएँगे। पूरा होने पर, मुन्नरू रिटेनिंग वॉल खम्मम को भविष्य में बाढ़ के खतरों से बचाएगी, आजीविका और बुनियादी ढाँचे की रक्षा करेगी, और तेलंगाना की लचीले और सतत शहरी विकास के प्रति प्रतिबद्धता में एक मील का पत्थर साबित होगी।

सिंगरेणी ने 1,258 बदली कर्मचारियों को सामान्य सहायक के रूप में नियमित किया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी प्रबंधन ने बदली कर्मचारी के रूप में शामिल हुए और भूमिगत खदानों, खुली खदानों या सतही खदानों में काम करते हुए 190/240 मस्टर पूरे करने वाले कर्मचारियों को सामान्य सहायक श्रेणी-1 के कर्मचारी के रूप में नियमित करने के आदेश जारी किए हैं। जिन लोगों ने 31 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले एक वर्ष की सेवा पूरी कर ली है और भूमिगत खदानों में 190 मस्टर या खुली खदानों या सतही विभागों में 240 मस्टर की आवश्यकता पूरी कर ली है, वे सामान्य सहायक श्रेणी-1 के रूप में नियमितीकरण के पात्र हैं। प्रबंधन ने इस पर सहमति व्यक्त की है और संबंधित आदेश जारी किए हैं। यह निर्णय सिंगरेणी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. बलराम, निदेशक (कार्मिक) गौतम पोटरु और मान्यता प्राप्त श्रमिक संघ, सिंगरेणी कोलियरीज श्रमिक संघ के बीच चर्चा के बाद लिया गया। इसके बाद, आईआर एंड पीएम के महाप्रबंधक (कार्मिक) ने बुधवार को सभी क्षेत्रों को एक परिपत्र जारी कर नियमितीकरण प्रस्ताव मांगे। तदनुसार, रामागुंडम-2 क्षेत्र में 303, भूपलपल्ली क्षेत्र में 250, श्रीरामपुर क्षेत्र में 241, रामागुंडम-3 और अद्रियाला क्षेत्र में 167, रामागुंडम-1 क्षेत्र में 156, मंदामरी क्षेत्र में 64, कॉर्पोरेट क्षेत्र में 21, कोठागुडेम क्षेत्र में 20, मनुगुरु क्षेत्र में 19, बेल्लमपल्ली क्षेत्र में 11 और येलंदु क्षेत्र में 6 कर्मचारियों को सामान्य सहायक श्रेणी-1 कर्मचारी के रूप में नियमित करने के आदेश जारी किए जाएँगे।

उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने ग्रुप-1 पदों पर एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगाई

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय (टीएचसी) ने बुधवार को एकल न्यायाधीश के उस फैसले पर रोक लगा दी जिसमें तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) को ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्रों का पुनर्मूल्यांकन करने या नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया गया था।

पीठ ने कहा कि टीजीपीएससी द्वारा आगे की कोई भी कार्यवाही अपीलों के अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी। 9 सितंबर को, एकल न्यायाधीश ने ग्रुप-1 परीक्षाओं की अंतिम अंकसूची को रद्द कर दिया था और टीजीपीएससी को उत्तर पुस्तिकाओं का मैन्युअल रूप से पुनर्मूल्यांकन करने या नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए, टीजीपीएससी ने खंडपीठ के समक्ष अपील दायर की। इसके अलावा, एकल न्यायाधीश के फैसले से व्यथित कई चयनित उम्मीदवारों ने भी अलग-अलग अपीलें दायर कीं।

भुवनगिरी मंडल के नंदनम गाँव के परमेश मट्टा और 221 अन्य अभ्यर्थियों ने प्रतिवादी के रूप में याचिकाएँ दायर की थीं। जब अपीलें सुनवाई के लिए आईं, तो अपीलकर्ताओं की ओर से उपस्थित वकीलों ने तर्क दिया कि एकल न्यायाधीश ने अभ्यर्थियों की संख्या में विसंगति और इस तथ्य के बारे में उनके स्पष्टीकरण पर विचार नहीं किया कि ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा में 719 अभ्यर्थियों ने समान अंक प्राप्त किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि कोठी महिला महाविद्यालय में परीक्षा देने वाले 14.87 उम्मीदवार शीर्ष 500 में शामिल थे। एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगाने के बाद, खंडपीठ ने मामले की आगे की कार्यवाही 15 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

चड्डी गिरोह ने मंचेरियल में दिया घरों में चोरी का खतरा

मंचेरियल, 24 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में घरों में चोरी के लिए कुख्यात चड्डी गिरोह अब मंचेरियल जिले में सक्रिय हो गया है, जिससे निवासियों में चिंता बढ़ गई है। मंगलवार रात गिरोह के सदस्यों ने शहर की दो कॉलोनियों में धावा बोला। उन्होंने नासपुर में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) के पास एक घर में सेंध लगाने के बाद गोदावरीवाड़ा के एक घर से एक मोबाइल फोन और 5,000 रुपये नकद चुरा लिए। जब चोर उसी इलाके में एक और चोरी का प्रयास कर रहे थे, तब पुलिस गश्ती वाहन वहां पहुंचा और चोर भाग गए। नासपुर में लगे सीसीटीवी कैमरों में गिरोह की हरकतें कैद हो गईं।

उच्च न्यायालय ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाएँ खारिज कीं

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार को राहत देते हुए, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए प्रस्तावित आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग को 42% आरक्षण देने के सरकारी आदेश के खिलाफ दो याचिकाएँ दायर की गईं। जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में दायर की गई एक याचिका में तर्क दिया गया कि पिछड़ा वर्ग को 42% आरक्षण देना अनुचित था। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान, उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं पर नाराजगी व्यक्त की और केवल समाचार पत्रों की रिपोर्टों के आधार पर जनहित याचिका दायर करने के आधार पर सवाल उठाया। साथ ही, स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय के नियमों के अनुसार 'समाचार लेखों' पर भरोसा नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ताओं ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश मांगे थे कि कुल आरक्षण 50% से अधिक न हो। उनका दावा था कि पिछड़े वर्गों को 42% आरक्षण देने से यह सीमा पार हो जाएगी और स्थानीय निकायों में अन्य समुदायों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों और पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने याचिकाओं को खारिज कर दिया और सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 42% आरक्षण जारी रखने की अनुमति दे दी।

बतुकम्मा कुंटा का जीर्णोद्धार

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट स्थित ऐतिहासिक बतुकम्मा कुंटा का पूरी तरह से जीर्णोद्धार कर दिया गया है और यह 26 सितंबर, 2025 से श्रद्धालुओं और आगंतुकों के स्वागत के लिए तैयार है।

तेलंगाना सरकार ने हाइड्रा के माध्यम से जीर्णोद्धार का कार्य किया, जिसमें सफाई, बतुकम्मा उत्सव के दौरान झील के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को बढ़ाने के लिए सौंदर्यीकरण और बेहतर सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि पुष्पांजलि समारोह में भाग लेने वाली महिलाओं के लिए, विशेष रूप से सुरक्षित और उत्सवी माहौल के लिए व्यवस्था की गई है।

जमीनी स्तर की आवाजों को एक मंच देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : डॉ. आकांक्षा शुक्ला

एनआईआरडीपीआर में वाटरशेड कार्यक्रमों में दस्तावेजीकरण पर राष्ट्रीय लेखन कार्यशाला

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय का भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर), राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहयोग से, संस्थान के हैदराबाद परिसर में दो दिवसीय 'वाटरशेड कार्यक्रमों में सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के दस्तावेजीकरण पर राष्ट्रीय लेखन कार्यशाला' का आयोजन कर रहा है।

कार्यशाला का उद्घाटन आंध्र प्रदेश के ओंगोल स्थित आंध्र केसरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीवीआर मूर्ति के मुख्य भाषण के साथ हुआ। उन्होंने वाटरशेड कार्यक्रमों द्वारा निर्मित परिसंपत्तियों के प्रबंधन और स्वामित्व में समुदाय की भागीदारी पर विचार-विमर्श किया।

पीएमकेएसकेवाई 2.0 का मुख्य उद्देश्य गरीबी कम करना और कृषि एवं गैर-कृषि दोनों प्रकार की आजीविका का सृजन करना है, इसलिए, वाटरशेड कार्यक्रमों के विभिन्न चरणों में संचार के दृष्टिकोण भिन्न होंगे। एनआईआरडीपीआर के संकाय डॉ. सुरेश बाबू, डॉ. कृष्णा लोही दास और डॉ. वनिश्री जोसेफ भी उद्घाटन सत्र का हिस्सा थे। यह पहल प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0) के वाटरशेड विकास घटक के अंतर्गत आती है, जो वर्षा आधारित और बंजर क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 2021 में शुरू किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम है।

2026 तक लगभग 50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने के लक्ष्य के साथ, डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 जल उपलब्धता बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और स्थायी ग्रामीण आजीविका बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दो दिनों के दौरान, प्रतिभागी यह पता लगाएंगे कि कैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और डिजिटल स्टोरीटेलिंग जमीनी स्तर के नवाचारों को बढ़ावा दे सकते हैं। वे वाटरशेड परियोजनाओं के लिए दस्तावेजीकरण और सोशल मीडिया के उपयोग पर एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने के लिए भी मिलकर काम करेंगे।

एनआईआरडीपीआर में सीपीजीएसएंडडीई की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आकांक्षा शुक्ला ने कहा कि यह कार्यक्रम जमीनी स्तर की आवाजों को एक मंच देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, प्रभावी दस्तावेजीकरण केवल उपलब्धियों को दर्ज करने के बारे में नहीं है- यह समुदायों को प्रेरित करने, पारदर्शिता बनाने और प्रभावशाली कहानी कहने के माध्यम से नीति को प्रभावित करने के बारे में है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.